हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● गुरुवार ● 16.07.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 349 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 4 रुपये
RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

सड़क परियोजनाओं में देरी पर मुख्यमंत्री हुए सख्त

दो माह में प्रमुख कार्य पूरे करने के निर्देश

पथ निर्माण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि राज्य में आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए सड़क, फ्लाईओवर और पुल-पुलियों का तेजी से निर्माण किया जा रहा है। आने वाले समय में झारखंड में सड़कों का सशक्त नेटवर्क विकसित होगा, जिससे आवागमन आसान होने के साथ आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

झारखंड मंत्रालय में बुधवार को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में पथ निर्माण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक हुई। बैठक में पिछले पांच वर्षों की योजनाओं, निमार्णाधीन और पूर्ण परियोजनाओं की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सभी लंबित परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने सभी सड़क और पुल परियोजनाओं का अद्यतन डेटाबेस तैयार करने तथा जियो-टैगिंग अनिवार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परियोजना की लागत, प्रगति और समय-सीमा का स्पष्ट रिकॉर्ड उपलब्ध रहे, ताकि निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़कों की खराब स्थिति, गड्ढों और जलजमाव को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही हैं। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वर्षा ऋतु को देखते हुए गड्ढों की मरम्मत, जल निकासी की व्यवस्था और सड़कों की गुणवत्ता सुधारने के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाए। साथ ही संकीर्ण सड़कों के चौड़ीकरण पर भी जोर दिया गया।

हेमन्त सोरेन ने सड़क, फ्लाईओवर और पुल-पुलिया परियोजनाओं की प्रगति तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने रांची सहित अन्य क्षेत्रों की महत्वपूर्ण परियोजनाओं को प्राथमिकता के साथ पूरा करने, सोलर साइकिल ट्रैक जैसी नई परियोजनाओं में गुणवत्ता बनाए रखने तथा सभी निर्माण कार्यों में उच्च मानकों का पालन सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में मुख्य सचिव अविनाश कुमार, पथ निर्माण विभाग के सचिव सुनील कुमार, अभियंता प्रमुख प्रवीण जयंत भेंगरा समेत विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

एक नजर

आतंकी साजिश नाकाम आईएसआई का गुर्गा गिरफ्तार

चंडीगढ़ : अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने एक व्यक्ति को हैंड ग्रेनेड, 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल और चार जिंदा कारतूसों के साथ गिरफ्तार करके सीमा पार की आतंकी साजिश का पदार्फाश किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बुधवार को बताया कि रूपनगर के गांव सुखसाल का रहने वाला सुमित कुमार उर्फ पंडित (24) इस समय अमृतसर के पंडोरी वड़ैच में रह रहा था। वह इंस्टाग्राम के जरिए सीमा पार के आईएसआई हैंडलरों के संपर्क में था और उसे कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने के लिए पुलिस संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों को निशाना बनाने के निर्देश दिए गए थे।

यूको बैंक से 47.37 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में 4 राज्यों में सीबीआई की छापेमारी

नयी दिल्ली : केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को यूको बैंक को 47.37 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने के आरोप में दर्ज बैंक धोखाधड़ी मामले में कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और तमिलनाडु में कई स्थानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई मेसर्स जुपिटर बायो साइंसेज लिमिटेड, उसके प्रबंध निदेशक, निदेशकों तथा अज्ञात लोकसेवकों और निजी व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज मामले में की

सीएम से रेलवे के डीआरएम ने की मुलाकात, पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों के उद्घाटन समारोह में शामिल होने का दिया निमंत्रण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से झारखंड मंत्रालय में दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) के.एन. सिंह ने शिष्टाचार मुलाकात की।

इस दौरान डीआरएम ने मुख्यमंत्री को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित मुरी और पिस्का रेलवे स्टेशनों के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रण पत्र सौंपा।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, दोनों पुनर्विकसित स्टेशनों का उद्घाटन समारोह 17 जुलाई 2026 को आयोजित किया जाएगा।

चतरा में करोड़ों की जमीन घोटाले का मामला : सीओ समेत 10 पर प्राथमिकी

चतरा : झारखंड के चतरा जिले में करोड़ों रुपये मूल्य की जमीन के कथित फर्जी म्यूटेशन और कब्जे की कोशिश के मामले में झारखंड हाई कोर्ट के आदेश पर अंचल अधिकारी (सीओ), अंचल निरीक्षक (सीआई), राजस्व कर्मचारी, कंप्यूटर ऑपरेटर समेत 10 लोगों के खिलाफ सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता फियाज अहमद ने आरोप लगाया था कि उनकी खरीदी हुई जमीन को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर दूसरे लोगों के नाम दर्ज कर दिया गया। स्थानीय स्तर पर कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने फरवरी 2026 में झारखंड हाई कोर्ट का रुख किया। मामले की सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने पुलिस को प्राथमिकी दर्ज कर जांच करने का निर्देश दिया। मामले में तत्कालीन अंचल अधिकारी अनिल कुमार, अंचल निरीक्षक विरेंद्र कुमार, राजस्व कर्मचारी सीमा कुमारी सिंह, कंप्यूटर ऑपरेटर संदीप कुमार सहित हीरा कुमार, मनोज कुमार, मुकेश कुमार, उदय कुमार, साबरा खातून और सलमा खातून को नामजद आरोपी बनाया गया है।

अमेरिकी नाकाबंदी से ईरान में खलबली, डार्क फ्लीट सक्रिय

तेहरान : होर्मुज जलडमरूमध्य के ईरानी बंदरगाहों पर फिर से की गई अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी से समूची खाड़ी में हलचल तेज हो गई है। इससे ईरान में खलबली मची हुई है। उसने अपने तेल व्यापार को बचाने के लिए 'डार्क फ्लीट' को सक्रिय कर दिया है। 'डार्क फ्लीट' में शामिल जहाज रडार तक को चकमा देने में सक्षम होते हैं। ईरान में नाकाबंदी और ताजा हमलों के बाद अमेरिका के सहयोगी देशों ने सतर्कता बढ़ा दी है। गल्फ न्यूज और सीएनएन की रिपोर्ट में शिपिंग ट्रैकर्स के हवाले से दावा किया गया है कि अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी फिर से लागू होने के साथ ईरान का 'डार्क फ्लीट' सक्रिय हो गया है। नाकाबंदी लागू होने से कुछ घंटे पहले ईरान ने ऐसे जहाजों को तैनात किया है। यह जहाज किसी भी तरह की नौसैनिक नाकाबंदी से बच निकलने में सक्षम होते हैं। 'डार्क फ्लीट' को 'शैडो फ्लीट' भी कहा जाता है। यह पुराने और बिना बीमा वाले जहाजों (ज्यादातर तेल टैंकरों) का गुप्त समूह है। ईरान और कुछ अन्य देश अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को तोड़ने और चोरी-छिपे तेल बेचने के लिए इन जहाजों का इस्तेमाल करते हैं।

नोएडा की इमारत में लगी भीषण आग, महिला समेत दो की मौत

एजेंसी

नोएडा : उत्तर प्रदेश के नोएडा के सेक्टर-66 स्थित मामूरा गांव की एक चार मंजिला इमारत में बुधवार दोपहर भीषण आग लगने से एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई। हादसे के समय इमारत में 100 से अधिक परिवार मौजूद थे। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पार्किंग में चार्ज हो रहे एक इलेक्ट्रिक स्कूटर में स्पार्किंग होने से आग लगी। देखते ही देखते आग ने आसपास खड़े अन्य वाहनों को भी अपनी चपेट में ले लिया और पहली मंजिल तक फैल गई। आग से उठे घने धुएं के कारण इमारत में अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की सात गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। बचाव अभियान के दौरान दूसरी इमारत से सीढ़ियां लगाकर लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। पुलिस भी राहत और बचाव कार्य में जुटी रही।

घटना में दो लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्य तेजी से चलाने और प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

जन सुराज को बड़ा झटका, केसी सिन्हा और बिट्टू सिंह भाजपा में शामिल

पटना : बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव से पहले प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के प्रमुख नेताओं में शामिल प्रो. केसी सिन्हा और पूर्व प्रत्याशी बिट्टू सिंह ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सदस्यता ग्रहण कर ली। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने दोनों नेताओं का पार्टी में स्वागत किया। भाजपा में शामिल होने वालों में कुम्हरार से जन सुराज के पूर्व प्रत्याशी एवं गणितज्ञ प्रो. केसी सिन्हा, दीघा के पूर्व प्रत्याशी बिट्टू सिंह सहित कई अन्य नेता और कार्यकर्ता भी शामिल रहे। भाजपा में शामिल होने के बाद प्रो. केसी सिन्हा ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रहित और बिहार के शैक्षणिक विकास को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में देश को मजबूत नेतृत्व की जरूरत है। प्रशांत किशोर के साथ मतभेद के सवाल पर उन्होंने कहा, करंट के खिलाफ जाकर कोई कुछ नहीं कर सकता। करंट के साथ चलेंगे तो लक्ष्य जल्दी पूरा होगा। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। बांकीपुर उपचुनाव से पहले जन सुराज के कई नेताओं के भाजपा में शामिल होने को महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम माना जा रहा है।

केंद्र ने ओडिशा व झारखंड में रेलवे की दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को दी मंजूरी

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्र सरकार ने ओडिशा और झारखंड में रेल मंत्रालय की 3,907 करोड़ रुपये की लागत वाली दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को बुधवार को मंजूरी दी। ओडिशा और झारखंड के चार जिलों में प्रस्तावित इन परियोजनाओं से रेलवे नेटवर्क में करीब 145 किलोमीटर की वृद्धि होगी तथा इन्हें वर्ष 2030-31 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में इस परियोजना पर मुहर लगाई गई। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में पत्रकार वार्ता में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंत्रिमंडल ने पारादीप-हरिदासपुर रेलखंड के दोहरीकरण तथा राजखरसावां-डांगोआपोसी रेलखंड पर चौथी लाइन बिछाने की परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। इन परियोजनाओं से लाइन क्षमता बढ़ेगी, जिससे रेल परिचालन अधिक कुशल और विश्वसनीय बनेगा तथा यातायात का दबाव कम होगा।

उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप तैयार की गई हैं। इनका उद्देश्य मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स दक्षता को बढ़ाना है, जिससे लोगों, वस्तुओं और सेवाओं का आवागमन अधिक सुगम हो सकेगा। इन परियोजनाओं से ओडिशा और झारखंड के चार जिलों में स्थित लगभग 1,526 गांवों, जिनकी कुल आबादी करीब 14 लाख है, को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा। साथ ही क्षेत्र के आर्थिक विकास, रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा, जो प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

रेल मंत्रालय के अनुसार क्षमता विस्तार से ललितगिरि बौद्ध परिसर, श्री बलदेवज्यू मंदिर और मेघाहातुबुरु पहाड़ियों जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक रेल संपर्क बेहतर होगा, जिससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

सरकार ने बताया कि ये रेल मार्ग कोयला, लौह अयस्क, डोलोमाइट, चूना पत्थर और जिप्सम जैसी प्रमुख खनिज एवं औद्योगिक वस्तुओं के परिवहन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। परियोजनाओं के पूरा होने पर माल ढुलाई क्षमता में 44 मिलियन टन प्रतिवर्ष की अतिरिक्त वृद्धि होगी। सरकार के अनुसार रेल परिवहन ऊर्जा दक्ष और पर्यावरण अनुकूल माध्यम है। इन परियोजनाओं से देश की लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी, लगभग 6 करोड़ लीटर तेल आयात की बचत होगी तथा 29 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आएगी, जो लगभग एक करोड़ पेड़ लगाने के बराबर पर्यावरणीय लाभ के समान है।

वाराणसी में 14,448 करोड़ रुपये की गंगा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना को मंजूरी

केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में 14,447.64 करोड़ रुपये की लागत से 46.039 किलोमीटर लंबे छह लेन के ग्रीनफील्ड गंगा एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में इस परियोजना पर मुहर लगाई गई। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 (एनएच-19) को वाराणसी रिंग रोड से जोड़ने वाली यह परियोजना शहर में यातायात जाम कम करने, गंगा तट के साथ बेहतर संपर्क स्थापित करने और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएएम) के तहत विकसित की जाएगी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा कि वाराणसी में हर वर्ष 15 करोड़ से अधिक श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं। काशी में बढ़ते आवागमन और यातायात दबाव को देखते हुए सरकार ने शहर के परिवहन ढांचे को नई ऊंचाई देने के लिए इस महत्वाकांक्षी परियोजना को मंजूरी दी है।

संस्कारों का सम्मानः सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में दादा-दादी व नाना-नानी का हुआ अभिनंदन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों एवं संस्कारों के संरक्षण के उद्देश्य से तथा विद्या भारती की योजना के अनुरूप सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, मालवीय मार्ग, हजारीबाग में बुधवार को दादा-दादी एवं नाना-नानी सम्मान समारोह का भावपूर्ण एवं गरिमामय आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ने गुरु-शिष्य परंपरा के साथ भारतीय परिवार व्यवस्था की आत्मीयता और बुजुर्गों के प्रति सम्मान की अनूठी मिसाल प्रस्तुत की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विनोबा भावे विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के पूर्व सचिव डॉ. सुबोध

कुमार सिंह 'शिवगीत', राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हजारीबाग के विभाग प्रचारक आशुतोष जी, विद्या विकास समिति झारखंड के पूर्व विभाग निरीक्षक डॉ. सुरेंद्र झा तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अजय कुमार पाठक द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर एवं भारत माता तथा मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। विषय प्रवेश एवं अतिथियों का परिचय विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य मनोज कुमार पांडे ने कराया। उन्होंने कहा कि भारतीय परिवार व्यवस्था में दादा-दादी एवं नाना-नानी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका स्नेह, अनुभव, त्याग एवं संस्कार नई पीढ़ी के लिए अमूल्य धरोहर हैं। परिवार ही बालक की प्रथम पाठशाला है, जहां संस्कारों की नींव बुजुर्गों के सान्निध्य में रखी जाती है। समारोह का सबसे भावुक क्षण तब आया जब विद्यालय के भैया-बहनों ने अपने दादा-दादी एवं नाना-नानी के चरण पखारकर उनका तिलक किया, पुष्पवर्षा की, आरती उतारी तथा पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रद्धा और कृतज्ञता से परिपूर्ण इस दृश्य ने उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों को भावविभोर कर दिया। साथ ही विद्यालय परिवार की ओर से सभी वरिष्ठजनों को अंगवस्त्र एवं धार्मिक साहित्य भेंट कर सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक आशुतोष जी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में बुजुर्गों का स्थान सर्वोच्च है। उनके अनुभव और आशीर्वाद से ही परिवार, समाज और राष्ट्र सशक्त बनता है। विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार निर्माण का भी प्रमुख केंद्र है। मुख्य अतिथि डॉ. सुबोध कुमार सिंह 'शिवगीत' ने वर्तमान समय में पारिवारिक मूल्यों के क्षरण पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आधुनिक जीवनशैली में संयुक्त परिवार की आत्मीयता कमजोर पड़ रही है। दादा-दादी एवं नाना-नानी भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों के जीवंत विश्वविद्यालय हैं। उनके सान्निध्य से बच्चों में सेवा, समर्पण, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति जैसे संस्कार विकसित होते हैं।

एक नजर

जेएलकेएम अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष बने फिरदौस आलम

बड़कागांव : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने संगठन को और मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केरेडारी निवासी फिरदौस आलम को अल्पसंख्यक मोर्चा का हजारीबाग जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है।इस नियुक्ति के बाद पार्टी कार्यकताओं ने खुशी जाहिर की है। जिला महासचिव जानेसर आलम ने कहा कि फिरदौस के अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष बनने से संगठन को मजबूती मिलेगी एवं पार्टी मजबूत होगा। वहीं फिरदौस ने कहा कि पार्टी ने जो भी जिम्मेदारी दी है उसे ईमानदारी पूर्वक पार्टी हित में काम करूंगा ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी बेहतर प्रदर्शन कर सके।

मनान मल्लिक के निधन से कांग्रेस में शोक की लहर, निसार खान ने दी श्रद्धांजलि

हजारीबाग : जिला कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष सह जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी निसार खान नें झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री कांग्रेस के सच्चे सिपाही तथा मजदूरों के नेता मनान मल्लिक के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है । खान ने अपने शोक संदेश में कहा कि मनान मल्लिक के निधन से कोयलांचल के मजदूरों ने अपना एक मसीहा खो दिया है । खान ने कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक की शुरूआत बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल गफूर के निजी सचिव के रूप में की थी । धनबाद जिला कांग्रेस के वे अध्यक्ष रहे और 2009 में धनबाद विधानसभा से विधायक चुने गए। इसके बाद वे हेमंत सोरेन सरकार में पशुपालन, मत्स्य पालन और आबदा प्रबंधन मंत्री के रूप में काम किया । राजनीति के अतिरिक्त वह राष्ट्रीय कोलयरी मजदूर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष थे और कोयलांचल श्रमिक अधिकारों व मजदूर आंदोलन के लिए जाने जाते थे । उनके निधन से कांग्रेस की बड़ी क्षति हुई है जिसकी पूर्ति तत्काल संभव नही है ।

विधायक ने किया हुदवा में पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : प्रखंड के चेपाकला पंचायत के ग्राम मंझली डाडी में मुख्य पथ हुदवा से शोभीलाल महतो के घर तक पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास विधायक रोशन लाल चौधरी ने नारियल फोड़कर एवं पूजा-अर्चना कर किया। यह निर्माण कार्य ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग द्वारा कराया जाएगा, जिसकी स्वीकृत प्राक्कलित राशि ₹31,45,946 है। इस सड़क के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी तथा वर्षा से होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी।इस अवसर पर विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि राज्य एवं केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पुल, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है, ताकि गांवों

का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। विकास की गति इसी प्रकार निरंतर जारी रहेगी और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। मौके पर मुखिया संघ प्रखंड अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार, मंडल अध्यक्ष शिवशंकर उर्फ शिबू मेहता, पूर्व प्रमुख टुकेश्वर प्रसाद,आजसू केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा, उदय मेहता,अवध कुमार,सत्यजीत विद्या अलंकार, कामेश्वर महतो, लालमणि महतो, मेवालाल नाग, टेकलाल महतो, अशोक महतो, हुसैनी महतो, तिलेश्वर महतो सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

लंबित कांडों के निष्पादन को लेकर एसपी ने थाना में की समीक्षा, विशेष अभियान चलाने का निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग ने मंगलवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बड़कागांव की उपस्थिति में बड़कागांव थाना में नए-पुराने सभी कांडों की समीक्षा बैठक की। इस दौरान थाना प्रभारी सहित थाना के सभी पुलिस पदाधिकारियों को लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन को लेकर कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। एसपी ने वर्ष 2025 से पूर्व एवं वर्तमान में लंबित सभी कांडों को प्राथमिकता के आधार पर अविलंब निष्पादित करने का निर्देश दिया। साथ ही थाना में लंबित जमानती एवं गैरजमानती वारंट, इश्तेहार तथा कुर्की-जब्ती के मामलों के निष्पादन हेतु विशेष अभियान चलाने को कहा गया। उन्होंने प्रत्येक सोमवार को थाना में सभी पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक कर लंबित मामलों की समीक्षा करने का भी आदेश दिया।

बैठक में अवैध मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री वाले स्थानों को चिन्हित कर, उसमें शामिल अभियुक्तों की पहचान कर विशेष अभियान चलाकर गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। वहीं संगठित अपराध से संबंधित जितने भी कांड लंबित हैं, उन्हें प्राथमिकता पर निष्पादित करते हुए शामिल अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने को कहा गया। वर्तमान में दर्ज नए संगठित अपराध के कांडों पर भी अग्रेतर कार्रवाई तेज करने का आदेश दिया गया। एसपी ने थाने में आने वाली आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर समय पर निष्पादन करने का निर्देश दिया। इसके अलावा जमीन विवाद से संबंधित लंबित मामलों की थाना दिवस में समीक्षा कर, संबंधित अंचलाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी को पत्राचार कर अग्रेतर कार्रवाई करने को कहा गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आम जनता को त्वरित न्याय दिलाना और अपराध पर नियंत्रण रखना पुलिस की प्राथमिकता है। लंबित मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एसआईआर अभियान में तेज हुई रफ्तार बूथों तक पहुंचकर निरीक्षण कर रहे सीओ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान को गति देने के लिए बरही के अंचल अधिकारी (सीओ) चंद्रशेखर कुणाल लगातार क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं। बुधवार को उन्होंने विजैया, पड़रिया, बेलादोहर, चतरो समेत आसपास के विभिन्न गांवों एवं मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर अभियान की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सीओ ने संबंधित बूथों पर कार्यरत बीएलओ एवं सुपरवाइजरों का उत्साहवर्धन करते हुए अभियान को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने एन्यूमरेशन फॉर्म के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की और प्रत्येक पात्र मतदाता

तक पहुंचकर सत्यापन करने, त्रुटियों का शीघ्र निराकरण करने तथा सभी प्रपत्रों की समय पर ऑनलाइन अपलोडिंग सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। दौरे के दौरान सीओ ने कई मतदाताओं से सीधे संवाद कर विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने स्वयं भी मतदाताओं से एन्यूमरेशन फॉर्म भरवाकर अभियान के प्रति लोगों को जागरूक किया तथा सभी पात्र मतदाताओं से इस प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग करने की अपील की। सीओ चंद्रशेखर कुणाल ने कहा, मतदाता सूची लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण आधारशिला है। इसलिए प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सही और अद्यतन रूप में मतदाता सूची में दर्ज होना अत्यंत आवश्यक है। 30 जून से 29 जुलाई तक चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में बरही प्रखंड के सभी 123 बीएलओ, सुपरवाइजर एवं संबंधित पदाधिकारी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। हमारा प्रयास है कि कोई भी पात्र मतदाता छूटे नहीं और प्रत्येक एन्यूमरेशन फॉर्म का समयबद्ध सत्यापन एवं डिजिटाइजेशन सुनिश्चित हो।

पुलिस ने ट्रैक्टर चोरी मामले का किया खुलासा, एक गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव पुलिस ने 25 जुन की रात में हुई ट्रैक्टर चोरी मामले का खुलासा कर लिया था।वहीं इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मामले को लेकर बड़कागांव थाना में भुक्तभोगी अभय कुमार दास 26 जून 2026 को ही ट्रैक्टर चोरी का आवेदन दिया था। दिए गए आवेदन पर तत्वरित कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर किया गया था। मामले को लेकर महज 12 घंटे के अंदर चोरी गई ट्रैक्टर को बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में सघन छापामारी कर चोरी के ट्रैक्टर को बरामद कर लिया गया था।आगे उन्होंने बताया कि बड़कागांव थाना कांड संख्या 113/26 धारा 302 (2) बड़कागांव थाना क्षेत्र अंतर्गत के ग्राम हाहे निवासी 32 वर्षीय मोहम्मद जाफर अंसारी को गिरफ्तार कर बुधवार जेल भेज दिया गया। उन्होंने आगे बताया कि यदि तुरंत छापामारी

नहीं की जाती तो डेमोटांड़ ट्रैक्टर को ले जाने के बाद बरामद करना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन थी। इसलिए समय को ना गावाते हुए तत्वरित कार्य का ट्रैक्टर बरामद कर लिया गया था। बताते चलें कि बड़कागांव थाना प्रभारी काफी तत्परता से बेहतर पुलिसिंग का कार्य कर रहे हैं।कार्य को लेकर क्षेत्र की जनता के द्वारा काफी सराहना की जा रहा है। और लोगों को उम्मीद से अच्छी पुलिसिंग कार्य देखने को मिल रहा है। इनकी कार्यकाल में परत दर परत कई केस का खुलासा किया जा रहा है। और मामले में आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

विश्व युवा कौशल दिवस पर पोस्टर व मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित, उत्कृष्ट प्रशिक्षु सम्मानित

बरही : हजारीबाग में युवाओं के कौशल विकास एवं रोजगार के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षुओं के बीच विश्व युवा कौशल दिवस की थीम पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता एवं मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता, नवाचार एवं कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ऑपरेशन मैनेजर दिलीप कुमार गुप्ता ने कहा कि "वर्तमान समय में केवल शैक्षणिक डिग्री पर्याप्त नहीं है। तकनीकी एवं व्यावहारिक कौशल ही युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने युवाओं से निरंतर नए कौशल सीखने तथा उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सेंटर मैनेजर राहुल कुमार सेंटर कोऑर्डिनेटर सुश्री नेहा कुमारी सभी प्रशिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में प्रशिक्षु उपस्थित रहे। पूरा कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

बड़कागांव में आज रथ यात्रा पूजा को लेकर तैयारियां पुरी मेला का आयोजन

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड स्थित राम जानकी मंदिर में रथ यात्रा को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई है। गुरुवार को राम जानकी मंदिर में विराजमान भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा को स्नान ध्यान एवं नए आकर्षक वस्त्र पहनाया गया। तत्पश्चात पुजारी चिंतामन महतो द्वारा पूजा अर्चना के दौरान भगवान के समक्ष छप्पन भोग परोसा गया। इसमें सबसे पहले भगवान का सबसे प्रिय भोग चिरायता का शरबत परोसा गया। तत्पश्चात दूध, दही, मधु, आम, किसमिस, बादाम, खीर, पूड़ी, चना, चावल, दाल, साग, पनीर वगैरह कई प्रकार की मिठाई कुल 56 प्रकार की भोग को परोसा गया। पूजा अर्चना के उपरांत पुजारी चिंतामन महतो ने दर्जनों श्रद्धालुओं को भोग में चढ़े प्रसाद ग्रहण करवाया। आज गुरुवार को प्रखंड के दर्जनों गांव से हजारों की संख्या में श्रद्धालु पूजा करने एवं मेला देखने बड़कागांव राम जानकी मंदिर आएंगे, भगवान का दर्शन कर पूजा अर्चना करेंगे। आज शाम लगभग 5 :00 बजे भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को रथ पर बैठाकर क्षेत्र भ्रमण कराया जाएगा तत्पश्चात उन्हें 9 दिनों के लिए रेंज ऑफिस प्रेम नगर स्थित मौसी बाड़ी ले जाया जाएगा। बताते चलें कि बड़कागांव प्रखंड में 75 वर्ष पूर्व 1941 में रथ यात्रा का शुभारंभ का शुरूआत की गई थी महेश्वरी पंडा के पिता गोविंद पंडा, अवधेश मिश्रा के पिता नंदकिशोर मिश्रा, तिलानाथ महतो, वगैरह प्रबुद्ध लोगों के प्रयास से किया गया था। तब से लेकर अब तक स्थानीय ग्रामीणों के प्रयास से रथ मेला एवं पूजा का कार्य शांतिपूर्वक किया जा रहा है। छप्पन भोग प्रसाद ग्रहण करने वाले एवं मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से पुजारी चिंतामणि महतो, पिंटू गुप्ता, मनोज गुप्ता, पवन कुमार, बुधन महतो ,कृष्णा प्रजापति, कीर्तन महतो,संजय कुमार, दर्शन प्रसाद कुशवाहा, सतनारायण महतो, भुनेश्वर महतो, किशोर कुमार ,संतोष ठाकुर, बंधन महतो ,जगन्नाथ महतो, रविंद्र श्रीवास्तव, शहेस कुमार, पदुम महतो ,कोलेश्वर महतो एवं अन्य अलावा कई लोग उपस्थित थे।

प्रशिक्षु आईएएस पूजा अग्रवाल ने बरही अनुमंडलीय अस्पताल का किया निरीक्षण

हजारीबाग: उपायुक्त हेमंत सती के निर्देश पर प्रशिक्षु आईएएस पूजा अग्रवाल ने बुधवार को बरही अनुमंडलीय अस्पताल के औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ओपीडी, ट्रॉमा सेंटर, जांच घर एवं बीपीएचयू समेत कई अन्य विभागों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बरही अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ प्रकाश ज्ञानी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान प्रशिक्षु आईएएस ने अस्पताल की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए मरीजों को बेहतर एवं सुलभ सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए कई आयश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए अस्पताल प्रबंधन को बेहतर समन्वय, संवेदनशीलता और प्रभावी प्रबंधन के साथ कार्य करना चाहिए, ताकि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकें।

जीटी रोड हाईवे बना मौत का गड्ढा रोजाना हादसों को न्योता दे रही सड़क

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : जिले के बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत पंचमाधव के पास से गुजरने वाला जीटी रोड हाईवे बदहाल होकर गड्ढों में तब्दील हो चुका है। हाईवे की यह स्थिति अब राहगीरों और वाहन चालकों के लिए जानलेवा साबित हो रही है। रोजाना हजारों वाहनों की आवाजाही, हर पल हादसे का खतरा यह हाईवे झारखंड और बिहार को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है। प्रतिदिन इस सड़क से हजारों छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन होता है। ट्रक, बस, कार और बाइक सवारों को टूटी-फूटी सड़क और बड़े-बड़े गड्ढों से होकर गुजरना पड़ता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर बने गड्ढों के कारण रोजाना छोटे-मोटे हादसे हो रहे हैं और कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। सड़क का बड़ा हिस्सा उखड़ चुका है। कहीं मिट्टी-कंकड़ बिखरे हैं तो कहीं गहरे गड्ढे बन गए हैं। बरसात में स्थिति और भी भयावह हो जाती है जब गड्ढों में पानी भर जाता है।

मानवाधिकार एसोसिएशन ने जताई नाराजगी

राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय संगठन सचिव राजकुमार यादव ने रोड निर्माण कंपनी पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि हाईवे की यह हालत निर्माण कंपनी की लापरवाही का नतीजा है। राजकुमार यादव ने कहा, ₹यह हाईवे प्रतिदिन दुर्घटना को न्योता दे रहा है। निर्माण कंपनी ने घटिया काम किया है, जिस कारण सड़क कुछ ही समय में गड्ढों में बदल गई। अगर जल्द मरम्मत नहीं हुई तो हम आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। जिला प्रशासन और ठल्अक को तुरंत संज्ञान लेना चाहिए।

प्रशासन मौन, जनता परेशान

स्थानीय ग्रामीणों और वाहन चालकों ने बताया कि कई बार शिकायत के बावजूद सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई। लोग जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर हैं। सबसे ज्यादा परेशानी रात के समय होती है जब गड्ढे दिखाई नहीं देते। लोगों ने जिला प्रशासन और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से मांग की है कि पंचमाधव जीटी रोड हाईवे की जल्द से जल्द मरम्मत कराई जाए, ताकि बड़े हादसों को रोका जा सके।

विभावि के राजनीति विज्ञान विभाग में विदाई समारोह आयोजित

मनीष मेहता को 'श्री' और दिव्या शर्मा को 'सुश्री' राजनीति विज्ञान का मिला खिताब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में सत्र 2024-26 के विद्यार्थियों के सम्मान में बुधवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ सुकल्याण मोइत्रा ने किया। कार्यक्रम का आयोजन 2025-27 सत्र के विद्यार्थियों के द्वारा उत्साह पूर्वक किया गया। कार्यक्रम को संबोधित विभागीय शिक्षकों ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। शिक्षकों ने बताया कि विद्यार्थियों ने अपने दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण समर्पण और अनुशासन के साथ पूरा किया है। 2024-26 के विद्यार्थी वक्ताओं ने

अपने विचार व्यक्त करते हुए विभाग की खूब प्रशंसा की। बताया कि विभाग से उन्हें पूरा समर्थन मिलता रहा। यहां परिवार जैसा बोध हुआ। इस अवसर पर द्वितीय समसत्र के विधार्थी पूजा कुमारी, रश्मि कुमारी और खुशबू कुमारी ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इसके अलावा कोमल कुमारी की गीत, सफीना खातून की शायरी कथा सतीश और अमरदीप की स्वरचित कविता की सराहना की गई। चतुर्थ समसत्र की प्रियंका ने अपने गीत से सबको मंत्र मुग्ध कर दिया। द्वितीय समसत्र के विद्यार्थी अनिशा कुमारी, सनी प्रिया, अंशु कुमारी, अमरदीप तथा सतीश ने एक मनोरंजक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें चतुर्थ समसत्र के विद्यार्थी मनीष मेहता को "श्री राजनीति विज्ञान" और दिव्या शर्मा को "सुश्री राजनीति विज्ञान" के खिताब से सम्मानित किया गया।

एनएमसी ने रिम्स में एमबीबीएस की 70 नई सीटों को दी मंजूरी, अब 250 छात्रों का होगा नामांकन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नेशनल मेडिकल कमिशन (एनएमसी) ने झारखंड के सबसे बड़े सरकारी चिकित्सा संस्थान राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स), रांची में एमबीबीएस सीटों की संख्या 180 से बढ़ाकर 250 करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय के बाद चालू शैक्षणिक सत्र से रिम्स में अब 250 विद्यार्थियों का नामांकन किया जाएगा। इसे झारखंड में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इससे पहले राज्य सरकार के प्रयासों से महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) मेडिकल कॉलेज, जमशेदपुर में भी एमबीबीएस सीटों की संख्या 100 से बढ़ाकर 150 की गई थी। अब रिम्स में 70 नई सीटों की मंजूरी मिलने से राज्य में मेडिकल शिक्षा के अवसर और बढ़ जाएंगे। झारखंड के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने एनएमसी के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह झारखंड के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में नई क्रांति की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार रिम्स सहित पूरे स्वास्थ्य तंत्र को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करने के लिए लगातार काम कर रही है। उनका कहना था कि आने वाले समय में रिम्स आधुनिक सुविधाओं से लैस एक उत्कृष्ट चिकित्सा संस्थान के रूप में देश के सामने नई पहचान बनाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने बताया कि सीटों में वृद्धि के साथ-साथ संस्थान में आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का भी विस्तार किया जा रहा है। इसके तहत फैकल्टी की संख्या बढ़ाने, छात्रावासों का विस्तार, आधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना, अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता तथा अन्य शैक्षणिक एवं चिकित्सा सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है, ताकि एनएमसी के सभी मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। रिम्स के प्रभारी निदेशक डॉ. डी.के. सिन्हा ने इस उपलब्धि का श्रेय राज्य सरकार, स्वास्थ्य विभाग और रिम्स प्रशासन के समन्वित प्रयासों को दिया। उन्होंने कहा कि संस्थान ने एनएमसी की सभी आवश्यक शर्तों को पूरा करने के लिए लगातार कार्य किया, जिसके परिणामस्वरूप सीटों में वृद्धि की मंजूरी मिली। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि इस फैसले से झारखंड के विद्यार्थियों को राज्य के भीतर ही मेडिकल शिक्षा प्राप्त करने के अधिक अवसर मिलेंगे। साथ ही आने वाले वर्षों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की संख्या बढ़ने से राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूती मिलेगी और दूरदराज के क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

एक नजर

रांची के हर वार्ड में बनेगा ओपन जिम संजय सेठ ने किया स्थल निरीक्षण

रांची : राजधानी रांची को स्वास्थ्य, फिटनेस और आधुनिक नागरिक सुविधाओं में कदम उठाते हुए केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री-सह-सांसद संजय सेठ और महापौर रोशनी खलखो ने एयरपोर्ट कॉलोनी में बुधवार को ओपन जिम निर्माण के लिए प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया। मौके पर उप महापौर नीरज कुमार भी मौजूद थे। यह निरीक्षण शहर के प्रत्येक वार्ड में ओपन जिम स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना के क्रियान्वयन की दिशा में प्रारंभिक पहल है। उल्लेखनीय है कि रांची नगर निगम परिषद की बैठक में संजय सेठ ने शहर के प्रत्येक वार्ड में ओपन जिम स्थापित कराने की घोषणा की थी, ताकि प्रत्येक नागरिक- विशेषकर युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों को अपने ही वार्ड में नि:शुल्क स्वास्थ्य एवं व्यायाम की आधुनिक सुविधा उपलब्ध हो सके। इसी संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से संभावित स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है।

रांची महापौर ने की अयोग्य लाभुकों को राशन कार्ड सरेंडर करने का अवसर देने की मांग

रांची : खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार के राइटफुल टार्गेटिंग अभियान के तहत प्राप्त सूची के आधार पर झारखंड सरकार ने जिलों को सत्यापन के बाद अयोग्य लाभुकों के नाम और राशन कार्ड विलोपित (डिलीट) करने का निर्देश दिया है। इसी क्रम में जिला आपूर्ति कार्यालय, रांची ने पात्रता नहीं रखने वाले लाभुकों को आर्थिक दंड की राशि जमा करने, राशन कार्ड जमा करने अथवा अपना पक्ष प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी किया है। इस कार्रवाई के बीच आम नागरिकों की संभावित परेशानियों को देखते हुए रांची की महापौर रोशनी खलखो ने प्रशासन से मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि राज्य के अन्य जिलों में अयोग्य लाभुकों को स्वेच्छा से राशन कार्ड समर्पित करने अथवा अपना नाम हटवाने का अवसर दिया गया है। ऐसे में रांची में भी लोगों को बिना अनावश्यक दंडात्मक कार्रवाई के निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी स्थिति स्पष्ट करने और स्वेच्छा से राशन कार्ड सरेंडर करने का मौका मिलना चाहिए।

जाली दस्तावेज मामले को राजनीतिक रंग देना बंद करे भाजपा : ऋषिकेश

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव सह प्रदेश प्रवक्ता ऋषीकेश सिंह ने भाजपा युवा मोर्चा के नेता श्रीनिवास कुमार की गिरफ्तारी को राजनीतिक प्रतिशोध बताने की आलोचना की है। उन्होंने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि कानून के तहत हुई कार्रवाई को राजनीतिक रंग देकर भाजपा जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। ऋषीकेश ने कहा कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या उनकी पार्टी न्यायालय में कथित रूप से जाली दस्तावेज प्रस्तुत करने और सरकारी अधिकारी के हस्ताक्षर का दुरुपयोग करने जैसे गंभीर आरोपों का भी बचाव कर रही है। किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी उसके राजनीतिक विचारों के कारण नहीं, बल्कि विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत दर्ज प्राथमिकी और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर हुई है। ऋषीकेश सिंह ने कहा कि उपलब्ध तथ्यों के अनुसार न्यायालय में प्रस्तुत किए गए दस्तावेज को संबंधित सरकारी विभाग ने फर्जी बताया। इसके बाद सरकारी अधिकारी के हस्ताक्षर और सरकारी अभिलेखों के कथित दुरुपयोग के संबंध में प्राथमिकी दर्ज की गई। इसी मामले में पुलिस ने कानून के अनुसार कार्रवाई करते हुए गिरफ्तारी की।

रांची में बड़े बिल्डरों पर आयकर विभाग की छापेमारी

पैनास रियल्टर्स और दयानंद मोदी समूह जांच के दायरे में

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा ने बुधवार को रांची के कई बिल्डरों और उनके प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दायरे में पैनास रियल्टर्स एलएलपी और दयानंद मोदी समूह शामिल हैं। विभाग ने दोनों कंपनियों के साझेदारों और निदेशकों के ठिकानों पर भी एक साथ जांच शुरू की है। सूत्रों के अनुसार, आयकर विभाग ने यह कार्रवाई वास्तविक आय छिपाकर कर चोरी करने के संदेह में की है। जांच के दौरान वित्तीय दस्तावेजों और अन्य अभिलेखों की पड़ताल की जा रही है। फिलहाल विभाग की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। आयकर विभाग की टीम ने रातू रोड स्थित मोदी हाइट्स में पैनास रियल्टर्स एलएलपी के कार्यालय पर छापा मारा। इसके अलावा कंपनी के साझेदारों के ठिकानों पर भी जांच की जा रही है। कंपनी के साझेदारों में अरुण झुनझुनवाला, नारायण प्रसाद जालान, प्रदीप मोदी, प्रणय मोदी और आदित्य झुनझुनवाला शामिल बताए जाते हैं। रांची में कंपनी की कई बड़ी आवासीय परियोजनाएं संचालित हैं, जिनमें स्काई डेक और पैनाशे प्रमुख हैं। आयकर विभाग ने लालपुर स्थित दयानंद मोदी समूह के कार्यालय पर भी छापेमारी की। विभाग ने समूह के निदेशक अभिमन्यु मोदी के ठिकानों को भी जांच में शामिल किया है। समूह की लालपुर क्षेत्र में कई आवासीय परियोजनाएं चल रही हैं। इनमें रोजवुड परियोजना प्रमुख है, जहां एक फ्लैट की कीमत एक करोड़ रुपये से अधिक बताई जाती है। फिलहाल आयकर विभाग की जांच जारी है और कार्रवाई पूरी होने के बाद ही मामले को आधिकारिक जानकारी सामने आने की संभावना है।

झारखंड में मानसून सुस्त, 15 जुलाई तक सामान्य से 41 प्रतिशत कम बारिश दर्ज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून की रफ्तार अपेक्षा के अनुरूप नहीं रही है। एक जून से 15 जुलाई तक राज्य में सामान्य से 41 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई है। कम बारिश के कारण कृषि कार्य प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। इस बीच मौसम विभाग ने 19 जुलाई तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश, मेघ गर्जन, वज्रपात और तेज हवाओं की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, इस अवधि में राज्य में सबसे अधिक वर्षा दुमका और सरायकेला-खरसावां जिलों में दर्ज की गई। दुमका में सामान्य 355.4 मिलीमीटर के मुकाबले 300.1 मिलीमीटर तथा सरायकेला-खरसावां में सामान्य 335.2 मिलीमीटर की तुलना में 263.8 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई, जो सामान्य से 21 प्रतिशत कम है। इसके विपरीत गढ़वा जिले की स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक रही। यहां सामान्य 276.4 मिलीमीटर वर्षा के मुकाबले केवल 56.2 मिलीमीटर बारिश हुई, जो सामान्य से लगभग 80 प्रतिशत कम है। यह राज्य में सबसे अधिक वर्षा घाटे वाला जिला बन गया है। राजधानी रांची में भी अब तक सामान्य से 24 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। हालांकि बुधवार को सुबह से आसमान में बादल छाए रहे और दोपहर बाद शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में हल्की बारिश होने से लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली। मौसम विभाग ने पूर्वानुमान जारी करते हुए कहा है कि 19 जुलाई तक राज्य के विभिन्न जिलों में मेघ गर्जन, वज्रपात और बारिश की गतिविधियां जारी रह सकती हैं।

100 वर्ष पूरे होने पर आदि शिव मंदिर में रुद्राभिषेक व महायज्ञ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली बाजार स्थित ऐतिहासिक आदि शिव मंदिर के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य पर बुधवार को रुद्राभिषेक एवं महायज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। मंदिर की स्थापना को एक शताब्दी पूर्ण होने पर क्षेत्र में धार्मिक माहौल और श्रद्धा का वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह से ही वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रुद्राभिषेक से हुई। पंडितों द्वारा विधि-विधान से भगवान शिव का अभिषेक किया गया। इसके बाद महायज्ञ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आहुति देकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। मंदिर को फूलों और रंग-बिरंगी झालरों से सजाया गया था। शाम को मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें आसपास के सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में स्वच्छता और व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया। इस अवसर पर मंदिर कमिटी के सभी सदस्य उपस्थित रहे। कमिटी के पदाधिकारियों ने बताया कि 100 वर्षों से यह मंदिर क्षेत्र के लोगों की आस्था का केंद्र रहा है। उन्होंने सभी भक्तों का सहयोग के लिए आभार जताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। मंदिर में हर हर महादेव के जयकारे गूंजते रहे।

रातू में छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के छह आरोपी गिरफ्तार, अन्य की तलाश जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के रातू थाना क्षेत्र में एक छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य आरोपितों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, वारदात को छात्रा के साथ गए उसके परिचित युवक के दोस्तों ने अंजाम दिया। मामले में अन्य संदिग्धों की भी तलाश की जा रही है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता रांची के तुपुदाना थाना क्षेत्र की रहने वाली है। वह अपने एक परिचित युवक के साथ रातू गई थी। इसी दौरान युवक के दोस्तों ने उसे बंधक बना लिया और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि घटना में सात से आठ लोग शामिल थे। पुलिस के अनुसार, यह घटना 12 जुलाई की है। पीड़िता ने मंगलवार (14 जुलाई) की देर शाम रातू थाना पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी दी। शिकायत मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू की और संदिग्धों की पहचान कर गिरफ्तारी अभियान चलाया। रांची के ग्रामीण पुलिस अधीक्षक गौरव गोस्वामी ने बुधवार को बताया कि मामले में अब तक छह आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उनसे पूछताछ की जा रही है ताकि घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा सके। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्रारंभिक जांच में कुछ अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जानकारी मिली है। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीम लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है।

बीआईटी मेसरा के 72वें स्थापना दिवस पर एनवीडिया-पावर्ड सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की घोषणा, एआई और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग को मिलेगा बढ़ावा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी), मेसरा ने बुधवार को अपना 72वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया। समारोह में संस्थान के नेतृत्व, पूर्व छात्रों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया। इस अवसर पर संस्थान की सात दशक से अधिक की शैक्षणिक यात्रा, उपलब्धियों तथा देश में इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और अनुप्रयुक्त विज्ञान शिक्षा में उसके योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. एस. करमलकर और टेगा इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मदन मोहनका विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। स्थापना दिवस के अवसर पर बीआईटी मेसरा ने अपनी अनुसंधान एवं उन्नत कंप्यूटिंग क्षमताओं को सुदृढ़ करने के लिए एनवीडिया-पावर्ड सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की घोषणा की। यह केंद्र हाई-परफॉर्मेंस जीपीयू आधारित कंप्यूटिंग सुविधा उपलब्ध कराएगा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डेटा साइंस, रोबोटिक्स, वीएलएसआई, ड्रग डिस्कवरी, प्रेसिजन एग्रीकल्चर, सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी सहित अन्य उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान, प्रशिक्षण और उद्योग-जगत के साथ सहयोग को नई गति देगा। संस्थान के अनुसार, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में एनवीडिया बी200 जीपीयू से लैस आठ हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग सिस्टम स्थापित किए जाएंगे। यह सुविधा पब्लिक आईपी आधारित एक्सेस के माध्यम से अधिकृत उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध होगी, जिससे शिक्षकों, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों, स्टार्टअप्स और उद्योग जगत के साझेदारों को अत्याधुनिक कंप्यूटिंग संसाधनों का लाभ मिल सकेगा। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने अपने संबोधन में कहा कि बीआईटी मेसरा ने अकादमिक उत्कृष्टता और नवाचार की अपनी समृद्ध परंपरा के बल पर भारत की तकनीकी प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग पर आधारित यह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के छात्रों, शोधकर्ताओं और उद्योग जगत के लिए नए अवसरों का सृजन करेगा तथा भविष्य की तकनीकी चुनौतियों के अनुरूप मानव संसाधन तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बीआईटी मेसरा के चांसलर सी.के. बिरला ने कहा कि संस्थान की स्थापना ज्ञान, अनुशासन और नवाचार के माध्यम से समाज की सेवा करने के उद्देश्य से की गई थी। उन्होंने कहा कि पिछले सात दशकों में बीआईटी मेसरा ने इंजीनियरिंग और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनके अनुसार एनवीडिया-पावर्ड सेंटर ऑफ एक्सीलेंस संस्थान की अनुसंधान क्षमता को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा और विद्यार्थियों व शिक्षकों को भविष्य की अत्याधुनिक तकनीकों पर कार्य करने का अवसर प्रदान करेगा।

संक्षिप्त खबरें

भारत टेक्स 2026 का दूसरा दिन, पवेलियन में आए देश-विदेश के आगंतुकों ने सराहा

नई दिल्ली/रांची : नई दिल्ली के भारत मंडपम में 14-17 जुलाई तक आयोजित भारत टेक्स 2026 में झारखंड पवेलियन देश-विदेश से आए आगंतुकों, उद्योग प्रतिनिधियों, डिजाइनरों, निर्यातकों एवं खरीदारों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। राज्य की समृद्ध हस्तकरघा परंपरा, जनजातीय कला, जीआई टैग प्राप्त उत्पादों तथा स्थानीय शिल्प कौशल को प्रदर्शित करता यह पवेलियन बड़ी संख्या में आगंतुकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। आगंतुक झारखंड के विशिष्ट हस्तशिल्प एवं हस्तकरघा उत्पादों में गहरी रुचि दिखाते हुए उनकी गुणवत्ता, पारंपरिक निर्माण तकनीक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना कर रहे हैं। जीआई टैग प्राप्त उत्पाद ने झारखंड की पारंपरिक बुनाई और शिल्पकला को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के साथ-साथ स्थानीय बुनकरों और कारीगरों के लिए नए बाजार एवं आर्थिक अवसरों के द्वार भी खोले हैं। झारखंड पवेलियन की सबसे बड़ी विशेषता राज्य के हाल ही में जीआई टैग प्राप्त पारंपरिक उत्पादों का प्रदर्शन है। पवेलियन में तसर सिल्क, कुचाई सिल्क, भगैया साड़ी एवं फैब्रिक, दुमका चादर, भोया साड़ी एवं फैब्रिक तथा पांची साड़ी एवं फैब्रिक को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। इन उत्पादों को मिले जीआई टैग ने न केवल झारखंड की पारंपरिक बुनाई और शिल्पकला को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है, बल्कि स्थानीय बुनकरों और कारीगरों के लिए नए बाजार और आर्थिक अवसरों के द्वार भी खोले हैं। झारखंड पवेलियन में प्रदर्शित जीआई टैग प्राप्त उत्पाद राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक बुनाई कला की विशिष्ट पहचान हैं।

टाटी में जूट- सोहराई प्रशिक्षण का दूसरा बैच शुरू

रांची : ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत टाटी पश्चिम गांव में जूट शिल्प एवं सोहराई पेंटिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे बैच का शुभारंभ किया गया। उषा मार्टिन फाउंडेशन एवं इटकी वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रशिक्षण में क्षेत्र की 25 से 30 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं के कौशल विकास, पारंपरिक कला के संरक्षण तथा स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। इसके माध्यम से प्रतिभागियों को झारखंड की प्रसिद्ध सोहराई कला एवं जूट शिल्प का व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर उन्हें बाजार की मांग के अनुरूप उत्पाद तैयार करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि वे भविष्य में स्वयं का उद्यम स्थापित कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उषा मार्टिन फाउंडेशन के सीएसआर हेड डॉ. मयंक मुरारी ने कहा कि झारखंड की पारंपरिक कलाएं केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर ही नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के लिए आजीविका का मजबूत माध्यम भी बन सकती हैं। उन्होंने कहा कि यदि महिलाएं उत्पादों की गुणवत्ता, आकर्षक डिजाइन, फिनिशिंग, पैकेजिंग और विपणन पर विशेष ध्यान दें, तो जूट एवं सोहराई उत्पाद राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी अलग पहचान बना सकते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण को पूरी लगन और समर्पण के साथ सीखकर इसे स्थायी आय के स्रोत में बदलने का आह्वान किया। इटकी वेलफेयर सोसाइटी के सुनील कुमार ने कहा कि महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से संगठित होकर कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम के सफल संचालन में संगीता कुमारी, मेवालाल महतो एवं अनुपम कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके सहयोग से प्रशिक्षण का संचालन सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

कोमाकी इलेक्ट्रिक स्कूटी लेना हो तो 'वॉन्डर अर्थ' आएं, बेहतरीन सेवाएं पाएं : ई.एके सिंह

रांची : कोमाकी इलेक्ट्रिक स्कूटी, बाइक या मोपेड लेना हो तो राजधानी रांची के तुपुदाना (खूंटी रोड) स्थित कोमाकी इलेक्ट्रिक व्हीकल डिवीजन के अधिकृत बिक्रेता वॉन्डर अर्थ से लें। ऐसा मानना है, कोमाकी इलेक्ट्रिक व्हीकल खरीदने वाले ग्राहकों का। यहां ग्राहकों को आफ्टर सेल सर्विस की बेहतरीन सेवाएं उपलब्ध है। इस संबंध में कोमाकी इलेक्ट्रिक स्कूटी यूज कर रहे हेहल (सुंदर नगर) निवासी एक ग्राहक ई.एके सिंह ने बताया कि उन्होंने एक कोमाकी इलेक्ट्रिक स्कूटी अधिकृत विक्रेता वॉन्डर अर्थ (तुपुदाना रांची) से खरीदी। विगत लगभग दो साल से स्कूटी चला रहे हैं। इस दौरान उन्हें स्कूटी में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न नहीं हुई। इस बीच तीन-चार बार उनके शोरूम में स्कूटी की सर्विसिंग कराने पहुंचा। इस क्रम में देखा कि 'वॉन्डर अर्थ' के कर्मी ग्राहक संतुष्टि के प्रति तत्पर हैं। वहीं, 'वॉन्डर अर्थ' के व्यवस्थापक सतीश कुमार ने कहा कि ग्राहकों की पूर्ण संतुष्टि हमारा लक्ष्य है। किसी भी कंपनी के ब्रांड को स्थापित करने में ग्राहकों का बहुत बड़ा योगदान होता है। उन्होंने कहा कि ग्राहक हमारी परफॉर्मेंस और सेवाओं से संतुष्ट हैं तो यही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि कोमाकी इलेक्ट्रिक व्हीकल की मांग काफी बढ़ रही है। यह युवाओं और महिलाओं के बीच काफी लोकप्रिय हो रहा है। इलेक्ट्रिक व्हीकल के बेहतर परफॉर्मेंस से प्रभावित होकर लोग कोमाकी इलेक्ट्रिक व्हीकल को प्राथमिकता दे रहे हैं।

तीसरे विश्वयुद्ध की ओर बढ़ती दुनिया : जे पी पांडेय

रांची : भाजपा किसान मोर्चा झारखंड प्रदेश के नेता सह झारखंड राज्य समाज कल्याण आंगनवाड़ी कर्मचारी संघ के संयोजक जय प्रकाश पांडेय ने कहा कि आज ईरान, इजरायल, अमेरिका और रूस यूक्रेन युद्ध ने दुनिया को तीसरे विश्वयुद्ध के मोड़ पर खड़ा कर दिया है,जिसका बुरा प्रभाव पूरी दुनिया में देखी जा रही है,जिस प्रकार से रूस -यूक्रेन और ईरान- इजरायल और अमेरिका के द्वारा पुनः युद्ध शुरू की गई है,इससे प्रमाणित होता है कि ईरान के साथ युद्ध स्टेट ऑफ हॉरमुर्ज पर कब्जे के लिए युद्ध लड़ी जा रही है,वर्तमान समय में हाइपर सोनिक मिसाइल में क्लस्टर बम लगाकर ईरान हमले कर रहा है,ईरान मिसाइल हमले से बेहरीन में अमेरिकी बेस को उड़ा दिया गया,ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि ईरान में भूकंप 3.6 प्रतिशत का आना परमाणु परीक्षण का संकेत दे रहा है,अमेरिका अब तक ईरान के लगभग 140 से अधिक ठिकानों पर हमले कर उड़ा दिया है,अधिकांश मिलिट्री और हत्यारों के ठिकानों पर अमेरिका द्वारा हमला किया गया है,अमेरिका द्वारा बंदरगाह बंदरगाह पर सबसे बड़ा अटैक सी ड्रोन ईरान पर हमला किया है,ईरान पर लगातार नन स्टॉप अमेरिकी द्वारा हमला जारी है,ईरान पर लगातार 36 घंटों तक हमले की अमेरिकी तैयारी है,ईरान के हमलों से खड़ी देशों के अधिकांश अमेरिकी बेस को खत्म किया जा रहा है,सऊदी अरब पर हुती ने भी बमबारी चालू कर दिया है,रेड सी में रास्ता रोककर समुद्री व्यापार बंद करने की तैयारी में है ईरान,अमेरिका दखल हॉरमुर्ज पर ईरान बर्दाश्त नहीं करेगा,सभी एयरलाइंस को हुती की चेतावनी दी है कि इस युद्ध क्षेत्रों से नहीं गुजरे,ईरान की चेतावनी से हॉरमुर्ज से तेल टैंकर जहाजों का निकलना मुश्किल हो गया है।

एक नजर

चोरी और गुम हुआ 125 मोबाइल बरामद

रामगढ़ : रामगढ़ एसपी मुकेश कुमार लुनायत के द्वारा चलाए गए ऑपरेशन भरोसा ने आम जनता के दिलों पर अमिट छाप छोड़ दी है। बुधवार को जब वे शहर के टाउन हॉल में खोए हुए मोबाइल वास्तविक मालिकों को सौंप रहे थे तो वहां का माहौल बेहद सुकून भरा हो गया। हर व्यक्ति जो पिछले कई महीनों और यहां तक कि सालों से अपने गुम हुए मोबाइल की मिलने की उम्मीद छोड़ चुका था, उसके हाथों में एसपी मोबाइल थमा रहे थे। मोबाइल मिलते ही लोगों की आंखों में खुशी के आंसू छलक आए। कई लोगों ने एसपी को तहे दिल से शुक्रिया कहा, तो कुछ लोगों की आवाज ही भर-भरा गई और शब्द निकल न सके। कुछ लोगों ने तो उनके पैर छूकर उन्हें धन्यवाद देने की कोशिश की। रामगढ़ जिले में पिछले 1 वर्ष में जितने मोबाइल चोरी और गुम होने की शिकायतें दर्ज थी, एसपी ने उसपर जबरदस्त पहल की। उन्होंने टाउन हॉल में 125 वास्तविक मालिकों को उनका खोया हुआ मोबाइल वापस लौटा दिया। मौके पर एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने कहा कि ऑपरेशन भरोसा का नाम तब चरितार्थ होगा, जब जनता सही मायने में पुलिस पर शत प्रतिशत भरोसा करेगी। वह अपने स्तर से कई पहल कर रहे हैं, इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि जनता और पुलिस के बीच की दूरी खत्म हो। उन्होंने सीईआईआर पोर्टल के बारे में भी लोगों को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इसका अधिक से अधिक इस्तेमाल करें। गुम हुए मोबाइल को इस ऐप के साथ ट्रैक कर सकते हैं और उसे ब्लॉक भी कर सकते हैं। जब वापस मिल जाए तो उसे अनब्लॉक कर उसका इस्तेमाल भी कर सकते हैं। उन्होंने 125 मोबाइल की बरामद की में टेक्निकल सेल के योगदान को भी काफी सराहा।

रामगढ़ में बनेगा पार्किंग, जलापूर्ति और जल जमाव की समस्या होगी दूर : डीसी

रामगढ़ : शहर को सुव्यवस्थित और सुसज्जित बनने के लिए काफी प्रयास किया जा रहे हैं। लेकिन उन्हें धरातल पर भी उतारना है। यह बातें बुधवार को नगर परिषद और छावनी परिषद् की ओर से किए जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान डीसी ऋतुराज ने कही। उन्होंने कहा कि शहर में पार्किंग की व्यवस्था बेहद आवश्यक है। इसके अलावा जलापूर्ति और जलजमाव की समस्या को जल्द दूर करना है। बैठक में छावनी परिषद एवं नगर परिषद क्षेत्र में संचालित विभिन्न योजनाओं और कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए डीसी ने गुणवत्तापूर्ण तरीके से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान छावनी परिषद क्षेत्र में पार्किंग व्यवस्था, जलापूर्ति योजनाओं, जल जमाव, यात्री शेड, सार्वजनिक शौचालय सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। शहर में व्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से झंडा चौक से बाजार समिति रामगढ़ तक विभिन्न स्थलों को चिन्हित करने का निर्देश दिया गया। डीसी ने संबंधित अंचल अधिकारियों को अपनी टीम के साथ स्थल निरीक्षण कर सरकारी भूमि की पहचान करने एवं जरूरी रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। डीसी ने बंद पड़ी जलापूर्ति योजनाओं की जानकारी ली। उनके संचालन का निर्देश दिया। आईओसीएल की ओर से गैस पाइपलाइन बिछाने के क्रम में क्षतिग्रस्त हुई जलापूर्ति पाइपलाइन की मरम्मती के लिए आईओसीएल, विद्युत विभाग तथा पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य कराने को कहा। डीसी ने शहर के सतकौड़ी तालाब के सौंदर्यीकरण एवं अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया। साथ ही नगर परिषद की ओर से किए जा रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने नगर प्रबंधकों को प्रत्येक दिन सुबह अपने-अपने निर्धारित वार्डों का निरीक्षण करने तथा साफ-सफाई, जलापूर्ति एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लेने का निर्देश दिया।

विधायक डॉ. नीरा यादव ने विभिन्न मामलों को लेकर मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

कोडरमा के कॉलेजों को विनोबा भावे विश्वविद्यालय में ही रखने की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव ने रांची में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मुलाकात कर कोडरमा जिले के सभी महाविद्यालयों को पूर्ववत विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग से संबद्ध बनाए रखने की मांग संबंधी ज्ञापन सौंपा। मुख्यमंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया है ताकि कोडरमा जिले के छात्र-छात्राओं को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव ने बुधवार को बताया कि पहले भी इस बाबत ज्ञापन दिया गया था। पुनः मंगलवार को रांची में मुख्यमंत्री को सौंपे गए ज्ञापन में विधायक डॉ. नीरा यादव ने कहा है कि वर्ष 1992 से पूर्व कोडरमा जिले के सभी अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालय रांची विश्वविद्यालय से संचालित होते थे।

छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग की स्थापना की गई, जिसके बाद से जिले के सभी महाविद्यालय इसी विश्वविद्यालय से संचालित हो रहे हैं। कोडरमा से हजारीबाग की दूरी लगभग 58 किलोमीटर है, जिससे विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में काफी सहूलियत मिली है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में कोडरमा जिले के महाविद्यालयों को नवस्थापित सर जेसी बोस विश्वविद्यालय, गिरिडीह से संबद्ध करने की प्रक्रिया चल रही है। जबकि कोडरमा से गिरिडीह की दूरी लगभग 120 से 125 किलोमीटर है। ऐसे में विद्यार्थियों को आवागमन में अतिरिक्त समय और आर्थिक बोझ का सामना करना पड़ेगा।

डॉ. नीरा यादव ने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में चौथे वर्ष विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययन और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में भागीदारी आवश्यक है। विश्वविद्यालय की दूरी अधिक होने की स्थिति में विशेषकर ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो सकती है तथा ड्रॉपआउट की संभावना बढ़ सकती है। विधायक ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि छात्रहित को ध्यान में रखते हुए कोडरमा जिले के सभी महाविद्यालयों को पूर्ववत विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के अधीन ही रखा जाए। इस संबंध में उन्होंने रांची में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को भी पत्र सौंपकर आवश्यक पहल करने की मांग की है। विधायक डॉ नीरा यादव ने बताया कि कोडरमा में इंजीनियरिंग कॉलेज, सतगावां, मरकच्चो, डोमचांच और चंदवारा में डिग्री कॉलेज को चालू करने की भी मांग की गयी जिनका भवन कई सालों से बनकर तैयार है। इसके साथ ही कोडरमा जिले में आपराधिक घटनाओं और अन्य समस्याओं को लेकर भी मुख्यमंत्री से वार्ता की गयी।

कैच द रेन अभियान के तहत क्लोरोफिल स्कूल में वाटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था बनी मिसाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा संचालित कैच द रेन-2026 अभियान के तहत झुमरीतिलैया नगर परिषद द्वारा वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर परिषद क्षेत्र में विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। अभियान के तहत आवासीय मकानों, मार्केट, कॉम्प्लेक्स, अपार्टमेंट, स्कूल, हॉस्टल एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों में वर्षा जल संचयन प्रणाली की उपलब्धता एवं उसकी कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया गया। नगर परिषद की टीम ने क्लोरोफिल स्कूल, उजाला कॉम्प्लेक्स, चांडक अपार्टमेंट, साईं फैक्ट्री एवं वार्ड संख्या-25 स्थित एक आवासीय मकान में वर्षा जल संचयन प्रणाली का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सभी स्थानों पर वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था का अवलोकन किया गया तथा संबंधित संचालकों को इसके नियमित रखरखाव एवं प्रभावी संचालन के संबंध में आवश्यक सुझाव दिए।

प्रखंड मुख्यालय में लगा ड्राइविंग लाइसेंस निर्माण शिविर, दर्जनों लोगों ने किया आवेदन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : जिला परिवहन पदाधिकारी, कोडरमा के निर्देश पर बुधवार को मरकच्चो प्रखंड मुख्यालय में प्रखंड स्तरीय ड्राइविंग लाइसेंस निर्माण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर सुबह 11:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक चला। शिविर में लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए 18 वर्ष से अधिक उम्र के इच्छुक अभ्यर्थियों की भीड़ उमड़ी। जिला परिवहन कार्यालय कोडरमा से प्रतिनियुक्त टीम ने मौके पर ही लोगों के आवेदन लिए और दस्तावेजों की जांच की।मोटरयान निरीक्षक कुमार सानु यादव के नेतृत्व में कंप्यूटर ऑपरेटर अकुल कुमार रंजन, प्रकाश साव, आरईए अम्मार सिद्दीकी, आईटी असिस्टेंट अभिषेक मराण्डी और चालक अजित कुमार सिंह की टीम शिविर में उपस्थित रही। परिवहन विभाग ने शिविर के लिए पहले से ही सूचना जारी की थी। इसके तहत अभ्यर्थियों को आयु प्रमाण पत्र, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, ब्लड ग्रुप रिपोर्ट और फॉर्म 1, 1ए में चिकित्सा प्रमाण पत्र के साथ प्रखंड मुख्यालय पहुंचने को कहा गया था। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को उनके घर के पास ही लाइसेंस की सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें कोडरमा मुख्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें। शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं और अन्य लोगों ने लर्निंग लाइसेंस के लिए आवेदन जमा किया। खबर लिखे जाने तक कुल 84 लर्निंग लाइसेंस के लिए आवेदन आया जिसमे 52 पास हुए जबकि 21 लोग फेल हुऐ।

बांसडीह कारी पहाडी स्थित दो मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर, एक की मौत दूसरा घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : मरकच्चो थाना क्षेत्र अंतर्गत बरियाडीह - तेतरोन मुख्यमार्ग बांसडीह कारी पहाडी स्थित बुधवार को भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत देवीपुर पंचायत के ग्राम लालूडीह निवासी अफसर अली 25 वर्ष, पिता जुमन अंसारी होण्डा साइन बाइक संख्या जे एच 12एफ4230 से अपने घर से जयनगर थाना क्षेत्र के गांव गरचांच ससुराल जा रहा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे होण्डा साइन बाइक संख्या जे एच 12 ई 3827 से उक्त मार्ग पर ही उसकी जोरदार टक्कर हो गई। बताया जाता है कि दोनों बाइक की जोरदार टक्कर में दोनों बाइक चालक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। और इस दौरान उक्त दोनों बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

घटना सुनकर आस-पड़ोस के लोग घटना स्थल पर पहुंचे और गंभीर स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों द्वारा आनन-फानन में दोनों युवक को ईलाज के लिए कोडरमा सदर अस्पताल भिजवाया गया जहां ले जाने के क्रम में रास्ते में अफसर अली की मृत्यु हो गई।जबकि गंभीर रूप से घायल युवक मरकच्चो थाना क्षेत्र अंतर्गत चोपनाडीह पंचायत के ग्राम बंगोडीह निवासी सेफ अली, पिता साकीर हुसैन को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों के द्वारा प्राथमिक उपचार कर गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उसे रांची रेफर कर दिया गया। वहीं मरकच्चो थाना प्रभारी बमबम कुमार ने उक्त घटना से संबंधित बताया की सुचना मीलते ही घटना स्थल पर पुलिस पहुंची जहां पुलिस के पहुंचने से पहले परिजन पहुंचे और दोनों क्षतिग्रस्त बाइक को ले गए और दोनों घायलों को अपने निजी वाहन से सदर अस्पताल ले गए। जहां रास्ते में ही अफसर अली की मौत हो गई। इधर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाने के पश्चात घटना के कारणों का पता लगाने में पुलिस जुट गई है। वहीं इस दर्दनाक घटना से मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

बराकर नदी किनारे जंगली हाथियों की मौजूदगी वन विभाग ने ग्रामीणों को किया सतर्क

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : बराकर नदी के इर्द-गिर्द जंगली हाथियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद वन विभाग ने मरकच्चो प्रखंड के जंगल से सटे गांव के ग्रामीणों को सतर्क रहने की अपील की है। विभाग के कर्मियों ने बताया कि हाथियों का झुंड आसपास के जंगलों में विचरण कर रहा है, और कभी भी आबादी वाले क्षेत्र की ओर रुख कर सकता है। वन विभाग ने ग्रामीणों से विशेष रूप से रात के अंधेरे एवं अहले सुबह जंगल या नदी किनारे जाने से बचने की सलाह दी है। साथ ही जंगल से सटे क्षेत्र में रहने वाले लोगों से समूह में आवागमन करने, बच्चों को अकेले बाहर नहीं भेजने तथा हाथियों की गतिविधि दिखने पर उनके पास जाने या उन्हें छेड़ने का प्रयास नहीं करने को कहा गया है। प्रधान बनरक्षि अभिमन्यु कुमार ने बताया कि यदि किसी गांव के आसपास हाथियों की सूचना मिले तो इसकी जानकारी तुरंत वन विभाग या स्थानीय प्रशासन को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। वन विभाग के कर्मी लगातार प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी कर रहे हैं, और ग्रामीणों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा पूरी सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन नियमित रूप से पेट्रोलिंग की जा रही है साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्र (माइकिंग) से जंगल से सटे गांव के लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। नियमित पेट्रोलिंग दल में प्रधान बनरक्षि अभिमन्यु कुमार के अलावे देवनारायण दास, अनिल कुमार साव, संतोष कुमार, सुनील कुमार दास, जितेंद्र यादव, गुड्डन अंसारी, दामोदर पंडित के नाम शामिल हैं।

कांड निष्पादन में कोडरमा पुलिस की बड़ी उपलब्धि, दो माह में 760 वारंटों का निष्पादन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : पुलिस अधीक्षक कुमार शिवाशीष की अध्यक्षता में बुधवार को पुलिस कार्यालय सभागार में मासिक अपराध गोष्ठी आयोजित हुई। बैठक में जिले के सभी डीएसपी, पुलिस निरीक्षक, थाना व ओपी प्रभारी तथा विभिन्न शाखाओं के प्रभारी शामिल हुए। इस दौरान अपराध नियंत्रण, लंबित कांडों के निष्पादन, वारंट, गिरफ्तारी और कानून-व्यवस्था की समीक्षा की गई।

बैठक में बताया गया कि जून 2026 में जिले में दर्ज 115 मामलों की तुलना में 162 मामलों का निष्पादन किया गया, जो लगभग 150 प्रतिशत उपलब्धि है। उत्कृष्ट कार्य करने वाले और 150 प्रतिशत से अधिक कांडों का निष्पादन करने वाले थाना प्रभारियों को सम्मानित किया गया। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

समीक्षा के दौरान बताया गया कि अप्रैल 2026 में जिले में 952 वारंट लंबित थे। विशेष अभियान चलाकर पिछले दो माह में 760 वारंटों का निष्पादन किया गया, जिससे लंबित वारंटों की संख्या घटकर 192 रह गई है। जून माह में विभिन्न मामलों में 65 आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी और जिले में कानून-व्यवस्था से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

बैठक में अवैध शराब, अफीम, गांजा और अन्य मादक पदार्थों के कारोबार पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। सभी थाना प्रभारियों को नशा कारोबारियों की पहचान कर उनके विरुद्ध प्रभावी अभियान चलाने को कहा गया। पुलिस अधीक्षक ने थानों में आने वाले फरियादियों के साथ संवेदनशील व्यवहार करने, उनकी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा पासपोर्ट, चरित्र एवं सेवा सत्यापन जैसे मामलों का समयबद्ध निष्पादन करने का निर्देश दिया। बताया गया कि जून माह में प्राप्त सभी 536 पासपोर्ट सत्यापन मामलों का 15 दिनों के भीतर निष्पादन कर दिया गया।

बैठक में चोरी, वाहन चोरी और गृहभेदन की घटनाओं पर भी समीक्षा हुई। गश्ती दल, पीसीआर और पैंथर पुलिस को अधिक सक्रिय रहने, नियमित एंटी क्राइम चेकिंग चलाने तथा आदतन अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रत्येक सप्ताह अंचलाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर थाना दिवस आयोजित करने और भूमि विवादों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करने को कहा गया।

संक्षिप्त खबरें

पूजा अर्चना के साथ सहाय क्लिनिक का किया गया शुभारंभ

मरकच्चो : मरकच्चो प्रखंड मुख्यालय स्थित लाल नगर के राधा कृष्ण मंदिर के समीप बुधवार को विधि विधान एवं पूजा अर्चना के साथ सहाय क्लीनिक का शुभारंभ किया गया। क्लीनिक की संचालक स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर कविता सहाय ने पूजा अर्चना के बाद विधिवत क्लीनिक का उद्घाटन किया तथा क्षेत्रवासियों के उत्तम स्वास्थ्य एवं सुख समृद्धि की कामना की। डॉक्टर कविता सहाय ने बताया कि सहाय क्लीनिक में सामान्य रोगों के उपचार, स्त्रियों के सभी प्रकार के बीमारियों, स्वास्थ्य परामर्श एवं प्राथमिक चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य अपना जन्मस्थान मरकच्चो एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को सुलभ गुणवत्तापूर्ण एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, ताकि मरीजों को छोटी बड़ी बीमारियों के इलाज के लिए दूर दराज के शहरों का रुख न करना पड़े। शुभारंभ के अवसर पर स्थानीय गणमान्य लोग, शुभचिंतक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। सभी ने डॉक्टर कविता सहाय को शुभकामनाएं देते हुए आशा जताई कि सहायक क्लिनिक क्षेत्र के लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवा का केंद्र बनेगा।

आज जे.जे. कॉलेज में होगी सर्वदलीय बैठक

कोडरमा : जिले के तमाम डिग्री कॉलेजों को विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग से हटाकर सर जेसी बॉस विश्वविद्यालय, गिरिडीह से संबद्ध किए जाने के विरोध तथा शिक्षा व शैक्षणिक संस्थानों को बचाने के सवाल को लेकर जे.जे. कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति, कोडरमा द्वारा 16 जुलाई को प्रातः 10:00 बजे जे.जे. कॉलेज प्रांगण, झुमरी तिलैया में एक सर्वदलीय आम बैठक आयोजित की जाएगी। उक्त जानकारी जे.जे. कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष महेश भारती, सचिव देवेंद्र कुमार एवं सह सचिव मो. अली शाद ने संयुक्त रूप से देते हुए कहा कि इस महत्वपूर्ण बैठक में कोडरमा सांसद, जिले के सभी विधायक, जिला परिषद सदस्य, मुखिया, नगर अध्यक्ष, वार्ड सदस्य, विभिन्न राजनीतिक दलों के अध्यक्ष एवं सचिव, जन संगठनों के प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद, बुद्धिजीवी, जागरूक नागरिकों, पत्रकार बंधु तथा जिले के सभी जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। जिसमें उपस्थित होकर कोडरमा जिले की शिक्षा व्यवस्था, शैक्षणिक संस्थानों तथा छात्रों-नौजवानों के भविष्य की रक्षा के लिए अपने सुझाव एवं सहयोग दें। वही उनलोगों ने कहा कि बैठक की सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया है।

मारवाड़ी युवा मंच का संगठन विस्तार कार्यक्रम संपन्न, अब तक जुड़े 25 नए सदस्य

झुमरी तिलैया : मारवाड़ी युवा मंच, झुमरी तिलैया शाखा द्वारा झारखंड प्रांतीय कार्यक्रम के तहत 'सृजन से सम्मान तक' संगठन विस्तार कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह विशेष कार्यक्रम मंच के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष विनय अग्रवाल के सम्मान में आयोजित किया गया था। मंच अपने संगठन विस्तार अभियान को लगातार गति दे रहा है। इसी कड़ी में बीते जून महीने में रिकॉर्ड 22 नए सदस्य संगठन से जुड़े थे, जबकि हाल ही में आयोजित हुए कार्यक्रम में 3 और नए उत्साही सदस्यों—चिराग हिसारिया, उमंग सिंघानिया और आदित्य पिलानिया ने मंच की सदस्यता ग्रहण की। इन नए सदस्यों के आने से संगठन को एक नई ऊर्जा मिली है। इस मौके पर शाखा पदाधिकारीयों ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा, युवा ही हमारे समाज और संगठन की असली ऊर्जा हैं। जून महीने में 22 और इस कार्यक्रम में 3 नए सदस्यों का जुड़ना यह दशार्ता है कि युवा समाज सेवा के प्रति जागरूक हैं। हमारा उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं को इस मंच से जोड़ना है ताकि वे अपनी क्षमताओं का उपयोग समाज के कल्याण में कर सकें। आइए, हम सब मिलकर अपने समाज और संगठन को एक नई ऊंचाई पर ले जाएं। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंच के पदाधिकारियों और सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर मुख्य रूप से अध्यक्ष मोहित संगई, सचिव अतुल खेतान, कोषाध्यक्ष महावीर खेतान, प्रांतीय भवन संयोजक राज पचीसिया, उपाध्यक्ष प्रतीक संगई, शिवेश पचीसिया, विकास जैन, अनुराग हिसारिया और संजय जैन आदि सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी वक्ताओं ने मारवाड़ी समाज के युवा साथियों को मंच से जुड़ने और समाज सेवा में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन की डोमचांच प्रखंड इकाई का हुआ विस्तार

कोडरमा : झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन की मजबूती और विस्तार को लेकर बुधवार को डोमचांच प्रखंड के सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। कोडरमा जिला इकाई के सदस्य सह डोमचांच प्रखंड प्रभारी सुधीर कुमार पांडेय की अध्यक्षता में बैठक आयोजित किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से डोमचांच प्रखंड इकाई की नई कमेटी का गठन और पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से संगठन के प्रति समर्पित पत्रकारों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई जिसमें अध्यक्ष मुकेश कुमार गोस्वामी, उपाध्यक्ष विनय कुमार दास, सचिव रंजन कुमार सिंह, सह सचिव दीपक कुमार, कोषाध्यक्ष रतन कुमार साव, कार्यकारिणी सदस्य महादेव कुमार राजेश प्रसाद यादव, राजेश कुमार मेहता, प्रवीण निरंजन कुमार व अन्य को रखा गया .कोडरमा जिला इकाई कमेटी के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया और बधाई दी। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि संगठन में रहकर संगठन के प्रति सकारात्मक सोच रखना बेहद जरूरी है। पत्रकार साथियों के सुख दुःख की घड़ी में हमेशा उनके साथ खड़ा रहना हम सभी का नैतिक दायित्व है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए संगठन ही सर्वोपरि है। संघे शक्ति,संघ में बड़ा शक्ति है बैठक के दौरान आगामी सांगठनिक कार्यक्रमों पर भी चर्चा की गई मौके पर बैठक में जिला इकाई कमेटी के महासचिव अनिल सिंह, प्रेम भारद्वाज, नितिन कुमार, रवि छाबड़ा, विजय बरनवाल और रामकृष्ण मेहता मुख्य रूप से उपस्थित थे।

वित्त मंत्री ने 10 दिव्यांगों के बीच ट्राई स्कूटी का किया वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू समाहरणालय में बुधवार दोपहर आयोजित एक समारोह के दौरान वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने आइडीबीआई बैंक के सीएसआर फंड से 10 दिव्यांगों के बीच ट्राई स्कूटी का वितरण किया। स्कूटी की प्रतिकात्मक चाभी वित्त मंत्री के अलावा जिले के उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, सदर एसडीओ अभिषेक पांडे और बैंक के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से दिया। मौके पर वित्त मंत्री ने कहा कि दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 10 पेट्रोल चालित दिव्यांग तीन पहिया वाहनों का वितरण किया गया। इन वाहनों के मिलने से शारीरिक रूप से कमजोर व्यक्तियों को आवागमन में काफी सुविधाएं मिलेगी।

वित्त मंत्री ने झारखंड सरकार के मुखिया मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की प्रशंसा करते हुए कहा कि जनआकांक्षाओं पर खरा उतरने के लिए पूरी तरह प्रयासरत हैं। पलामू सहित पूरे राज्य में विधायिक-कार्यपालिका के बेहतर तालमेल से विकास तेजी से किया जा रहा है।

मंत्री ने कहा कि गुजरात, मुम्बई, केरल की तरह झारखंड में भी बैंक सीडी रेसियो को बढाने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के पास अपना राजस्व होता है। इसके अलावा केन्द्रीय करो में भी राज्य की हिस्सेदारी होती है, लेकिन मैं मानता हूं कि तीसरा स्त्रोत हमारे बैंकर्स होते हैं। बैंकों के माध्यम से भी प्रदेश का विकास किया जा सकता है। इसके लिए सीडी रोसियो को बढाने की जरूरत है। वे शुरू से ही इसके पक्षधर रहे हैं।

मंत्री ने कहा कि बैंकर्स का एनुवल प्लान एक से डेढ लाख करोड़ का होता है। इस बीच एक चीज का घोर आभाव था कि सीएसआर फंड कहां खर्च हो रहा है इसकी जानकारी वित्त विभाग के पास नहीं थी। लेकिन अब सिर्फ बैंकर्स नहीं, बल्कि बड़ी-बड़ी कंपनियां सीएसआर की राशि कहां खर्च कर रही हैं, इसकी जानकारी ली जा रही है। वर्तमान मौसम पर चिंता व्यक्त करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि पलामू के उपायुक्त मानवता के साथ साथ संवेदनशीलता भी दिखा रहे हैं। उपायुक्त ने मुलाकात के दौरान कहा कि इस वर्ष बारिश नहीं होने के कारण विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि अबतक बिचड़े भी नहीं लगाए गए हैं। मौसम को देखते हुए सूखे से निपटने के लिए अभी से चिंतित हैं। जिले के उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि जिला प्रशासन समाज के वंचित वर्ग दिव्यांगों को लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यधारा में जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। दिव्यांगों को कहीं जाने में या कार्य करने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है। इसे देखते हुए सीएसआर फंड से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को लाभ दिया गया।

इनको दी गयी स्कूटी

छतरपुर प्रखंड के बगैया पंचायत के बंधूडीह के लालू यादव, छतरपुर के बृजकिशोर सिंह, छोटे लाल साव, गुलाबझरी लक्ष्मीपुर के संतन माली, पाटन प्रखंड के बंगलापर पाल्हे के उमत रसूल, गाड़ीखास के मुरकटवा के रामप्रवेश मेहता, पाल्हेकला के कुंदरी के धीरेन्द्र कुमार, बरसैता के अशोक कुमार सिंह, पड़वा प्रखंड के रजहारा पंचायत के सहदेवा के राकेश कुमार बैठा एवं रजहारा के बिरहोरी के सुरेश पासवान को ट्राई स्कूटी दी गयी।

नन्ही बच्ची काव्यांजलि ने पेंटिंग से बनाया महाप्रभु का चित्र

पटमदा : पटमदा प्रखंड के लावा निवासी अधिवक्ता किशोर कुमार तिवारी की पुत्री साउथ पॉइंट स्कूल की कक्षा तीसरी की छात्रा काव्यांजलि तिवारी ने अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करते हुए।आगामी कल होने वाले महोत्सव रथयात्रा को देखते हुए महाप्रभु जगन्नाथ, सुभद्रा,भ्राता बलभद्र तीनों का चित्र अपने हाथ से बनाकर प्रस्तुति की।एक नन्ही बच्ची द्वारा उत्सव के अवसर पर अपने कल्पना से तस्वीर को बनाना उसकी आगामी बेहतर प्रतिभा को प्रदर्शित करता हैं।

ट्रक चालक के साथ स्थानीय वाहन चालक ने मारपीट की

बरही : कोलकाता से लखनऊ जा रहे ट्रक चालक के साथ स्थानीय वाहन चालक ने मारपीट की। मारपीट में घायल चालक का बरही अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज किया गया। कोलकाता से लखनऊ जा रहे ट्रक चालक मो रहमान, उत्तर प्रदेश के जिला उन्नाव का रहने वाला है। उसने बताया कि वह हिन्दुस्तान लीवर का चायपत्ती लेकर कोलकाता से लखनऊ जा रहा था। रसोइयाधमना मोड़ पर एक वाहन उसके ट्रक के आगे आकर खड़ा हो गया। और वाहन चालक उतरकर उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट कर दी और पत्थर से उसके माथे पर मार दिया जिससे वह घायल हो गया। बरही अस्पताल में इलाज के बाद उसने बरही थाना में मारपीट की घटना की जानकारी दी है।

JHARKHAND URBAN INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT COMPANY LIMITED
(A Government of Jharkhand Undertaking)
JUIDCO Bhawan, Kutchery Chowk, Ranchi-834001
E-MailId - pdt.juidco@gmail.com, juidcolimited@gmail.com
CIN: U45200JH2013SGC001752

TENDER CANCELLATION NOTICE

PR Ref No: 379964
NIT No: JUIDCO/NIT/Kush Marg/RNC/706
Tender ID: 2026_UDD_114248_1
Name of the work: Kush Marg near Kutchery Chowk (222m) Hardscape & Softscape Development of street and Resurfacing/ Refurbishing Works of road in Ranchi.

The tender for the work **"Kush Marg near Kutchery Chowk (222m) Hardscape & Softscape Development of street and Resurfacing/ Refurbishing Works of road in Ranchi." (JUIDCO/NIT/Kush Marg/RNC/706**; bearing Tender ID: **2026_UDD_114248_1)** is hereby cancelled due to first time single responsive bid. All bidders are requested to wait for fresh notification in this regard.

Sd/-
Project Director (Technical)
JUIDCO Ltd., Ranchi.

PR 385044 (Urban Development and Housing)26-27*D

वाराणसी में होने वाले पंच सम्मेलन में शामिल होंगे पूर्वी सिंहभूम के दो मुखिया

जमशेदपुर : महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के अंतर्गत ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड सरकार,रांची के निदेर्शानुसार तथा जिला ग्रामीण विकास शाखा, पूर्वी सिंहभूम के मार्गदर्शन में 16 जुलाई को वाराणसी में आयोजित पंच सम्मेलन में भाग लेने गोलमुरी सह जुगसलाई प्रखंड के मुखिया राकेश चन्द्र मुर्मू को चयन किया गया है। वही घोड़ाबांधा प्रखंड के मुखिया करिया हेम्ब्रम भी सम्मेलन में शामिल होंगे। यह सम्मेलन "विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन" के तहत एक जागरूकता एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में विकास योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा पंचायत प्रतिनिधियों को नई योजनाओं एवं नीतियों की विस्तृत जानकारी प्रदान करना है। पूर्वी सिंहभूम जिले से चयनित दोनों मुखिया इस सम्मेलन में भाग लेकर अपने-अपने क्षेत्रों के विकास को नई दिशा देने एवं जागरूकता को सशक्त बनाने का कार्य करेंगे।

बोड़ाम में दीप्तिमई महतो बनी शतप्रतिशत डिजिटलीकरण करने वाली पहली सेविका

पटमदा : सरकार के निदेश पर चलाए जा रहे। एस आई आर सर्वे में जुगसलाई विधानसभा 47 के बोड़ाम प्रखंड के बड़ाचिड़का गांव के बूथ संख्या 04 उत्क्रमित मध्य विद्यालय की सेविका बीएलओ ने कुल 655 मतदाताओं का शतप्रतिशत डिजिटलीकरण का कार्य पूरा कर लिया है। प्रखंड में अपना कार्य सफलता से पूरा करने पर बोड़ाम सीओ रंजीत रंजन ने बीएलओ दीप्तिमई महतो का उत्साह बढ़ाते हुए अन्य बीएलओ को भी कार्य में तेजी लाने को कहा। इस कार्य में सुपरवाइजर स्वपन महंती का विशेष योगदान रहा।

हिमांशु हत्याकांड में दो और आरोपी गिरफ्तार, सभी 16 आरोपितों पुलिस गिरफ्त

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : शहर के चर्चित हिमांशु हत्याकांड की जांच में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। इस मामले में फरार चल रहे दो और आरोपितों की गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस ने सभी 16 आरोपितों को कानून के शिकंजे में ले लिया है। इसकी जानकारी बुधवार को आयोजित प्रेसवार्ता में सिटी एसपी ललित कुमार मीणा ने दी। गिरफ्तार किए गए आरोपितों में राघवेन्द्र कुमार उर्फ रविन्द्र कुमार उर्फ घेरे (40) और गणेश मछुवा (34) शामिल हैं। राघवेन्द्र ने मंगलवार को बिष्टुपुर थाना पहुंचकर आत्मसमर्पण किया था, जबकि गणेश मछुवा को पुलिस ने गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर घटना के बाद आरोपितों को फरार कराने और छिपाने में इस्तेमाल की गई टीवीएस एक्टिवा स्कूटी भी बरामद कर ली गई। सिटी एसपी ने बताया कि हत्याकांड के खुलासे के लिए विशेष अनुसंधान दल का गठन किया गया था। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, मानवीय आसूचना और अन्य प्रमाणों के आधार पर लगातार छापेमारी कर मामले की कड़ियों को जोड़ा। इससे पहले 14 नामजद एवं अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका था। शेष दो आरोपियों की तलाश जारी थी, जिन्हें अब गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि गणेश मछुवा ने मुख्य आरोपित विश्वनाथ मंडल उर्फ बोदरा, राहुल दुबे और राघवेन्द्र उर्फ घेरे को घटना के बाद छिपाने और फरार कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उसके खिलाफ पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं और अवैध शराब के कारोबार से जुड़े मामलों में वह दो बार जेल जा चुका है।

कार्यालय जिला पशुपालन पदाधिकारी, लातेहार
-: आम सूचना :-

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग) झारखण्ड, राँची के राज्यादेश सं0- 13 रा0 (वि0) दिनांक- 19.06.2026 द्वारा मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत् उद्यमी पशुपालकों को प्रोत्साहित करने के लिए व्यवसायिक बकरा-बकरी पालन योजना की स्वीकृति प्रदान की गई है। उक्त योजना से संबंधित योग्य एवं इच्छुक पशुपालकों से आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते है। योजना का विवरण निम्नवत् है :-

क्र0 सं0	योजना का नाम	इकाई लागत (रूपया में)	अनुदान की राशि (70%)	लाभुक अंषदान की राषि (30%)	भौतिक लक्ष्य			
					OSP	TSP	SCSP	Total
1	व्यवसायिक बकरा-बकरी पालन योजना	9,78,000/-	6,84,600/-	2,93,400/-	2	11	1	14

- योजना संचालन में लाभुकों का चयन हेतु निम्नांकित अर्हता आवश्यक होगी :-
  - i. उद्यमी झारखण्ड राज्य के स्थायी निवासी होंगे, जिन्हें पूर्व में बकरी पालन का अनुभव प्राप्त हो।
  - ii. उद्यमियों को व्यवसायिक बकरा-बकरी फार्म की स्थापना के लिए आवश्यकतानुसार भूमि की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। 100 बकरी 05 बकरा क्षमता वाले व्यवसायिक बकरा-बकरी फार्म की स्थापना हेतु कम-से-कम 0.50 एकड़ भूमि आवश्यक है, जो स्वयं की हो अथवा लीज पर ली गई हो एवं एक जगह होनी चाहिए। लीज पर होने की स्थिति में आवेदन स्वीकृति के समय कम-से-कम 10 वर्षों के लिए भूमि लीज की अवधि होनी चाहिए।
  - iii. उद्यमी के अंशदान हेतु बैंक द्वारा निर्गत प्रमाण-पत्र/पिछले 01 वर्ष का औसत Bank Balance समर्पित करना होगा। बैंक ऋण प्राप्त करने की स्थिति में उद्यमी के द्वारा योजना प्रस्ताव समर्पित करने के समय बैंक से योजना स्वीकृति संबंधित दस्तावेज संलग्न करना आवश्यक होगा।
  - iv. उद्यमी के द्वारा परियोजना को कम-से-कम 10 वर्ष चलाने संबंधी शपथ-पत्र संलग्न किया जाएगा। योजना संचालन नहीं होने पर उद्यमियों द्वारा अनुदान की राशि की बैंक दर से ब्याज सहित वापस की जाएगी।
  - v. चयनित उद्यमियों के पास पूर्व से व्यवसायिक बकरा-बकरी फार्म के लिए आधारभूत संरचना उपलब्ध होने की स्थिति में उस संरचना पर होने वाले अनुमानित खर्च की राशि का अनुदान देय नहीं होगा।
  - vi. उद्यमियों के चयन में बकरा-बकरी पालन में प्रशिक्षण प्राप्त आवेदकों को प्राथमिकता दी जाएगी।
  - vii. योजना का लाभ व्यक्ति (Individual) के साथ-साथ स्वयं सहायता समूह (SHG) एवं किसान उत्पादक संगठन (FPO) को भी दिया जायेगा।
- योजनान्तर्गत उद्यमियों के चयन हेतु प्रक्रिया :-
  - a) उद्यमियों के द्वारा सभी दस्तावेजों को संलग्न करते हुए योजना प्रस्ताव जिला पशुपालन पदाधिकारी के कार्यालय में जमा किया जाएगा।
  - b) जिला पशुपालन पदाधिकारी के द्वारा योजना प्रस्ताव को स्थल निरीक्षण एवं अन्य आवश्यक बिन्दुओं का आकलन करते हुए अनुशंसा के साथ निदेशक, पशुपालन को प्रेषित किया जाएगा।
  - c) निदेशालय स्तर पर गठित समिति के द्वारा उद्यमियों के चयन पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।
- इस योजनान्तर्गत बकरा-बकरी योजना का लाभ पूर्व में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत अन्य योजनान्तर्गत लाभ प्राप्त लाभुकों को नहीं दी जाएगी।
- व्यवसायिक बकरा-बकरी फार्म की स्थापना में Epidemic Control Measure का अनुपालन सुनिश्चित करना उद्यमियों की जिम्मेदारी होगी। जिला पशुपालन पदाधिकारी द्वारा Epidemic Control Measure का अनुपालन की समीक्षा नियमित रूप से की जाएगी।
- अनुदान की राशि लाभुकों के बैंक खाते में उनके अंशदान तथा बैंक के ऋण की राशि का हस्तांतरण होने के उपरांत ही उपलब्ध करायी जायेगी।
- योजना क्रियान्वयन अंशदान की राशि दो किस्तों में भुगतान किया जाएगा। प्रथम किस्त के रूप में 40% अनुदान की राशि का भुगतान योजना स्वीकृत होने के पश्चात् तथा 60% अनुदान की राशि का भुगतान लाभुकों के द्वारा आधारभूत संरचना का कार्य सम्पन्न होने के पश्चात् किया जाएगा। द्वितीय किस्त के लिए लाभुक के द्वारा आवेदन के साथ आधारभूत संरचना पूर्ण होने का साक्ष्य फोटोग्राफ सहित समर्पित किया जाएगा। साक्ष्य दस्तावेज प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी के द्वारा अभिप्रमाणित किया जाएगा।
- इच्छुक पशुपालक अपना आवेदन पत्र, घोषणा पत्र एवं शपथ पत्र (विहित प्रपत्र में) भर कर संबंधित प्रखण्ड पशुपालन कार्यालय/जिला पशुपालन कार्यालय, लातेहार में दिनांक- 30.07.2026 तक जमा करना सुनिश्चित करें।

नोट :- अधिक जानकारी जिला पशुपालन कार्यालय/ प्रखण्ड पशुपालन कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

निवेदक :-
जिला पशुपालन पदाधिकारी,
लातेहार

PR 385007 Animal Husbandry(26-27)D

जगन्नाथ महाप्रभु के स्वागत को तैयार चौपारण, उमड़ेगा आस्था का सैलाब

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : श्री जगन्नाथ रथयात्रा महा महोत्सव को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। गुरुवार को भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा भव्य रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण करेंगे। आयोजन समिति के अनुसार इस वर्ष 40 से 50 हजार श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। बुधवार को अनुमंडल पदाधिकारी जोहान टुडू, डीएसपी राधा प्रेम किशोर, अंचलाधिकारी संजय कुमार यादव, थाना प्रभारी पंकज कुमार तथा आयोजन समिति के सदस्यों ने फ्लैग मार्च कर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। प्रशासन ने बताया कि रथयात्रा के दौरान चतरा मोड़ से चौपारण थाना तक जीटी रोड पर लगभग नौ घंटे तक वन-लेन व्यवस्था लागू रहेगी तथा भारी वाहनों के परिचालन पर भी निर्धारित समय तक नियंत्रण रहेगा। सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस बल और मोटरसाइकिल दस्ता तैनात रहेगा। रथयात्रा के कारण गुरुवार को चौपारण का साप्ताहिक हाट भी बंद रहेगा। समिति ने बताया कि श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद और बूंदी प्रसाद का वितरण किया जाएगा। वही मुरी-खुटाम से पहुंचे 600 भक्त, करेंगे हरिनाम संकीर्तन रथयात्रा में भाग लेने के लिए मुरी-खुटाम स्थित भक्ति वेदांत गुरुकुल से करीब 600 भक्त चौपारण पहुंच चुके हैं। दास गजाधर प्रभु के नेतृत्व में यह जत्था पूरे रथयात्रा मार्ग में हरे राम-हरे कृष्ण संकीर्तन कर श्रद्धालुओं को भक्ति रस से सराबोर करेगा। आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि भी तैयारियों में जुटे हुए हैं।

श्री श्री जगन्नाथ महाप्रभु नेत्रोत्सव में उमड़े श्रद्धालु

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : श्री श्री जगन्नाथ महाप्रभु नेत्रोत्सव में पटमदा क्षेत्र के विभिन्न गांवों से लोगों ने महोत्सव में भाग लिया। पुरोहितों के द्वारा मंत्रोच्चारण हवन यज्ञ के साथ रथ का प्रतिष्ठा पूजा अर्चना कर पवित्र किया । पटमदा के दोगडीगोडा गांव स्थित श्री श्री हरिसाधना आश्रम परिसर में शनिवार को गिरजा प्रसाद मिश्र की अध्यक्षता में श्री श्री महाप्रभु जगन्नाथ की 16 जुलाई को क्षेत्र में पहलीबार निकलने वाली महाप्रभु की रथ यात्रा महोत्सव को सफल बनाने को लेकर सारी तैयारियां पूरी का ली गई हैं। कमिटी के शंभू दास बाबाजी ने कहा कि रथ यात्रा में आस पास दर्जन भर गांव के हजारों लोगों की भीड़ होने की संभावना है।दगडीगोडा आश्रम से महाप्रभु जगन्नाथ के रथ को गोपालपुर गांव में नव निर्मित प्रभु के मौसी बाड़ी पहुंचाया जाएगा। रथ पर प्रभु जगन्नाथ, भ्राता बलभद्र व सुभद्रा साथ रहेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने व सुरक्षा व्यवस्था का भी प्रबंध किया गया हैं। श्रद्धालुओं के लिए जगह जगह पेयजल का स्टॉल भी लगाया जाएगा। नेत्रोत्सव में पुजारी जशोदा दुलाल मिश्रा, बासुदेव मिश्रा गिरजा प्रसाद मिश्र, शंभू दास बाबाजी, ग्राम प्रधान मृत्युंजय महतो, अजीत दत्ता, ईशान चंद्र गोप, शिशु पाल सिंह, जगदीश मंडल, श्रीमंत मिश्र, संदीप मिश्र, प्रदीप महतो, कृपा सिंधु महतो ,जवाहर लाल मिश्रा, मिथिलेश तिवारी, अनंत मिश्र, पंचानन दास समेत दर्जनों श्रद्धालु उपस्थित थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्थापना स्क्रीनिंग एवं अनुकंपा समिति की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला स्थापना, स्क्रीनिंग एवं अनुकम्पा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित सेवा मामलों की समीक्षा करते हुए कई महत्वपूर्ण विषयों पर निर्णय लिए गए। बैठक के दौरान कर्मचारियों के संशोधित सुनिश्चित कैरियर प्रगति, स्थानांतरण, विभागीय कार्यवाही तथा जिला पंचायत शाखा से संबंधित सेवा संपुष्टि के मामलों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया और नियमानुसार आवश्यक निर्णय लिए गए। अनुकम्पा के आधार पर नियुक्ति से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए हजारीबाग जिला अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों एवं विभागों से प्राप्त 10 प्रस्तावों पर समिति द्वारा विचार किया गया तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में जिला निबंधन कार्यालय के एक लिपिक एवं जिला स्थापना शाखा के एक चतुर्थवर्गीय कर्मी को तृतीय वित्तीय उन्नयन प्रदान करने की स्वीकृति दी गई। इसके अतिरिक्त जिला पंचायत शाखा से संबंधित मामलों में पंचायत सचिव संवर्ग के एक कर्मी की सेवा संपुष्टि, पाँच कर्मियों के प्रथम वित्तीय उन्नयन तथा 12 कर्मियों के द्वितीय वित्तीय उन्नयन के मामलों पर विचार कर आवश्यक निर्णय लिए गए। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि समिति द्वारा लिए गए निर्णयों के आलोक में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई शीघ्र सुनिश्चित की जाए, ताकि कर्मचारियों से जुड़े मामलों का समयबद्ध निष्पादन हो सके। इस बैठक उप विकास आयुक्त रिया सिंह, अपर समाहर्ता महेंद्र छोटन उरांव,सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडेय, प्रशिक्षु आईएएस सुश्री पूर्वा अग्रवाल एवं अन्य मौजूद थे।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,
लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला
अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या- 10 वर्ष 2026-27

पत्रांक :- गुमला, दिनांक :- 15/07/2026

1. विभाग का नाम :- जल संसाधन (लघु सिंचाई) विभाग, झारखंड सरकार, राँची।
2. विज्ञापन दाता का नाम :- कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला।
3. परिमाण विपत्र की विक्री की तिथि :- 23.07.2026 तक (03:00 बजे अपराहन तक)
4. निविदा प्राप्त करने की तिथि एंव समय :- 24.07.2026 को (03:00 बजे अपराहन् तक)
5. निविदा खोलने की तिथि एंव समय :- 24.07.2026 को (03:30 बजे अपराहन्)
6. परिमाण विपत्र विक्री का स्थान :- (1) कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला। (2) सहायक अभियन्ता, लघु सिंचाई अनुमंडल, गुमला।
7. निविदा प्राप्ति एंव निविदा खोलने का स्थान :- कार्यालय परिसर, लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला।
8. परिमाण विपत्र का मूल्य :- राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत बैंक ड्राफ्ट जों राष्ट्रीयकृत बैंक, गुमला में भुगतेय हो, मान्य होगा।
9. कार्य की विस्तृत विवरणी :-

ग्रुप सं0	योजना का नाम	प्रखंड	योजना मद का नाम	परिमाण विपत्र की राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि	निविदादाता की समुचित श्रेणी
1	Construction of 1880.0 Feet P.C.C Road in between Canal and Bail Tangra, Village-Kaliga, Panchayat-Kaliga, Block-Basia, District-Gumla	बसिया	अनाबद्ध	2499600.00	49992.00	5,000.00	तीन माह	श्रेणी-03
2	Construction of 1100.0 Feet P.C.C Road in between Hilarus Toppo and Bail Tangra, Village -Kaliga, Panchayat-Kaliga, Block-Basia, District-Gumla	बसिया	अनाबद्ध	1462500.00	29250.00	2500.00	तीन माह	श्रेणी-03
3	Construction of 1500.00 Feet P.C.C Road in between Panchayat Bhawan and Tangra, Village -Tetra, Block-Basia, District-Gumla	बसिया	अनाबद्ध	2115500.00	42310.00	5000.00	तीन माह	श्रेणी-03
4	Construction of 600.00 Feet P.C.C Road in between Tangra and Devgudi Chowk, Village-Tetra, Block-Basia, District-Gumla	बसिया	अनाबद्ध	846200.00	16924.00	1250.00	तीन माह	श्रेणी-04
5	Construction of Gurad wall near Sarna Asthal in Bhurso Beti Toli, Village-Bhurso, Panchayat-Bhurso, Block-Sisai, District-Gumla	सिसई	अनाबद्ध	2054900.00	41098.00	5000.00	तीन माह	श्रेणी-03
6	Construction of Gurad wall in Thaldi Doien Village-Malgo, Panchayat-Chharda, Block-Sisai, District-Gumla	सिसई	अनाबद्ध	2498100.00	49962.00	5000.00	तीन माह	श्रेणी-03

निविदा की शर्ते :- 1. बैंक ड्राफ्ट निबंधित संवेदक के स्वयं के खाता से निर्गत हुआ हो तथा बैंक ड्राफ्ट की वैद्यता अवधि निविदा की प्रकाशन की तिथि से तीन माह तक का हो, मान्य होगा ।
2. निविदा प्रपत्र बिक्री के समय संवेदक को निबंधन प्रमाण पत्र, आचरण प्रमाण पत्र एवं अद्यतन युकेन संलग्न करना अनिवार्य होगा ततपश्चात ही निविदा प्रपत्र निर्गत किया जाएगे।
3. निविदा में 10% न्युनतम दर से अधिक न्युनतम दर उद्धृत करने पर प्राक्कलित राशि का 20% अथवा 30% अतिरिक्त जमा राशि का डाकधर सावधी जमा पासबुक/बैंक द्वारा निर्गत फिक्स डिपोजिट निविदा के साथ जमा करना अनिवार्य होगा ।
4. जो निम्न है:- 1. 10% से 20 प्रतिशत कम दर की राशि का 20% तक।
2. 20% प्रतिशत से अधिक कम दर की राशि का 30% अतिरिक्त जमानत राशि देय होगा ।
10. निविदा से संबंधित सभी सूचना अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय के सूचनापट पर देखा जा सकता है।
E-mial ID – eemidgum@gmail.com.

कार्यपालक अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमण्डल, गुमला।

PR 385061 Minor Irrigation(26-27)D

महंगाई, दोहरी आय और बदलता परिवार

आज के समय में यदि किसी मध्यमवर्गीय परिवार से पूछा जाए कि उसकी सबसे बड़ी चिंता क्या है तो उत्तर लगभग एक जैसा होगा- बच्चों की महंगी शिक्षा, घर का सपना, स्वास्थ्य सेवाओं का बढ़ता खर्च और रोजमर्रा की बढ़ती महंगाई। एक साधारण नौकरीपेशा व्यक्ति वर्षों की बचत के बाद भी अपना घर नहीं खरीद पा रहा। निजी विद्यालयों की फीस इतनी अधिक हो चुकी है कि बच्चों की शिक्षा परिवार के बजट का सबसे बड़ा हिस्सा बन गई है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? हाल के वर्षों में एक विचार तेजी से चर्चा में आया है कि इन समस्याओं का प्रमुख कारण महिलाओं का बड़ी संख्या में कार्यक्षेत्र में आना है। तर्क दिया जाता है कि जब पति और पत्नी दोनों कमाने लगे तो परिवारों की कुल आय बढ़ गई। बाजार ने इसे अवसर मान लिया और मकानों, स्कूलों तथा अन्य आवश्यक सेवाओं के दाम बढ़ा दिए। इस विचार के समर्थक यह भी कहते हैं कि महिलाओं के घर से बाहर निकलने से परिवार कमजोर हुए, बच्चों का पालन-पोषण प्रभावित हुआ और समाज में अस्थिरता बढ़ी। यह तर्क पहली नजर में कुछ लोगों को आकर्षक लग सकता है क्योंकि वास्तव में आज अधिकांश शहरी परिवारों में एक आय से घर चलाना कठिन होता जा रहा है। किंतु किसी भी सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का विश्लेषण केवल एक कारण के आधार पर नहीं किया जा सकता। समाज, अर्थव्यवस्था और परिवार कई परस्पर जुड़े कारकों से प्रभावित होते हैं। इसलिए आवश्यक है कि इस बहस को भावनाओं से नहीं, तथ्यों और संतुलित दृष्टिकोण से देखा जाए। सबसे पहले यह समझना होगा कि भारत सहित दुनिया के अधिकांश देशों में मकानों की कीमतें केवल परिवारों की आय बढ़ने से नहीं बढ़ीं। शहरीकरण, सीमित भूमि, बढ़ती आबादी, निवेश के रूप में रियल एस्टेट की लोकप्रियता, सरकारी नीतियां, निर्माण लागत, भूमि अधिग्रहण की जटिलताएं और आसान ऋण व्यवस्था जैसे अनेक कारणों ने संपत्ति की कीमतों को प्रभावित किया। यदि केवल महिलाओं के रोजगार से ही मकान महंगे हुए होते तो जिन देशों में महिलाओं की श्रम भागीदारी अधिक है वहां आवास हमेशा सबसे महंगा होना चाहिए था, जबकि वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है। इसी प्रकार शिक्षा की बढ़ती लागत का संबंध भी अनेक कारणों से है। निजी शिक्षा का विस्तार, आधुनिक सुविधाओं की प्रतिस्पर्धा, अंग्रेजी माध्यम का आकर्षण, तकनीकी संसाधनों पर बढ़ता खर्च, शिक्षकों के वेतन, परिवहन, भवन निर्माण और शिक्षा के व्यवसायीकरण ने फीस बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह कहना कि केवल इसलिए स्कूलों की फीस बढ़ी क्योंकि महिलाएं नौकरी करने लगीं, आर्थिक वास्तविकताओं का अत्यधिक सरलीकरण होगा। फिर भी इस विचार के पीछे एक महत्वपूर्ण चिंता अवश्य छिपी हुई है। वह चिंता है परिवार की बदलती संरचना और जीवन की गुणवत्ता। यह सत्य है कि पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा और घरेलू जिम्मेदारियां साझा होती थीं। आज छोटे परिवारों में पति-पत्नी दोनों के कार्यरत होने पर समय का अभाव महसूस होता है। बच्चों के साथ बिताया जाने वाला समय कम हुआ है। तनाव, मानसिक दबाव और कार्य-जीवन संतुलन की समस्याएं बढ़ी हैं। लेकिन इन समस्याओं का समाधान महिलाओं को घर तक सीमित करना नहीं बल्कि ऐसी सामाजिक और आर्थिक नीतियां बनाना है जो परिवार और कार्य के बीच संतुलन स्थापित कर सकें। इतिहास भी इस विषय को उतनी सरलता से नहीं देखता जितना अक्सर सोशल मीडिया पर प्रस्तुत किया जाता है। महिलाओं ने सदियों से खेती, पशुपालन, हस्तशिल्प, व्यापार और पारिवारिक व्यवसायों में योगदान दिया है। औद्योगिक क्रांति के दौरान भी बड़ी संख्या में महिलाएं कारखानों में कार्य करती थीं। इसलिए यह कहना कि इतिहास में महिलाएं हमेशा घर पर ही रहती थीं, वास्तविकता का पूर्ण चित्र प्रस्तुत नहीं करता। अंतर केवल इतना है कि पहले उनके श्रम का बड़ा हिस्सा बिना वेतन के घरेलू कार्यों में दिखाई देता था, जबकि आज वही श्रम वेतनभोगी रोजगार के रूप में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है।

सूडोकु नवताल- 7857

मध्यम

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7856 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

जगन्नाथ महायात्रा : आस्था, परम्परा, आध्यात्मिक चेतना का विराट उत्सव

ललित गर्ग

आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से प्रारम्भ होकर दस दिनों तक चलने वाली भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, लोकआस्था, सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक दर्शन का विराट उत्सव है। पुरी की यह महायात्रा हजारों वर्षों की परम्परा का जीवंत प्रतीक है, जिसमें भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं। इसी कारण इसे "महायात्रा" कहा जाता है। भारत के चार धामों में प्रतिष्ठित श्री जगन्नाथ धाम की यह यात्रा देश ही नहीं, सम्पूर्ण विश्व के करोड़ों श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र बनती है। वर्ष 2026 की रथयात्रा भी अपार श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई जा रही है, किन्तु इस बार इसके साथ एक नया विवाद भी जुड़ गया है। देश एवं विदेश के अनेक स्थानों पर इस्कॉन द्वारा स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग तिथियों पर रथयात्राएं आयोजित किए जाने पर कुछ धार्मिक एवं परम्परावादी संगठनों ने आपत्ति व्यक्त की है। उनका मत है कि जगन्नाथ रथयात्रा की तिथि वही होनी चाहिए जो पुरी श्रीमंदिर द्वारा निर्धारित होती है। दूसरी ओर इस्कॉन का तर्क है कि विदेशों में स्थानीय प्रशासन की अनुमति, सार्वजनिक अवकाश, मौसम तथा अन्य व्यावहारिक कारणों से कभी-कभी तिथि में परिवर्तन आवश्यक हो जाता है। यह विवाद केवल तिथि का नहीं, बल्कि परम्परा और वैश्विक विस्तार के बीच संतुलन खोजने का विषय बन गया है।

वास्तव में यह समझना आवश्यक है कि पुरी की रथयात्रा और अन्य स्थानों पर आयोजित रथयात्राओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, किन्तु उनका मूल उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की भक्ति, लोककल्याण और धर्मप्रचार ही है। यदि परम्परा का सम्मान बना रहे और श्रद्धा अक्षुण्ण रहे तो मतभेद संवाद के माध्यम से सुलझाए जा सकते हैं। धर्म का मूल स्वरूप जोड़ना है, विभाजन करना नहीं। पुरी का श्रीमंदिर भगवान जगन्नाथ का मुख्य धाम है। लगभग 800 वर्ष पुराने इस मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण जगन्नाथ स्वरूप में अपने बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के साथ विराजमान हैं। प्रतिवर्ष केवल एक बार तीनों देव विग्रह अपने गर्भगृह से बाहर निकलकर भक्तों को दर्शन देते हैं। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता है। सामान्य दिनों में जहां भगवान के दर्शन सीमित होते हैं, वहीं रथयात्रा में प्रत्येक व्यक्ति बिना किसी भेदभाव के भगवान के साक्षात दर्शन कर सकता है।

यात्रा की तैयारियां अक्षय तृतीया से प्रारम्भ हो जाती हैं। उसी दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के तीनों विशाल रथों का निर्माण आरम्भ होता है। प्रत्येक वर्ष नए रथ बनाए जाते हैं। यद्यपि उनका स्वरूप और आकार सदियों से समान रहता है, फिर भी प्रत्येक वर्ष नई लकड़ी, नई सज्जा और नवीन निर्माण किया जाता है। भगवान जगन्नाथ का रथ गरुड़ध्वज (कपिलध्वज), बलभद्र का तालध्वज तथा सुभद्रा का दर्पदलन अथवा पद्मध्वज कहलाता है। इन रथों के निर्माण की प्रक्रिया केवल शिल्पकला नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना मानी जाती है। कारीगर विशेष धार्मिक नियमों का पालन करते हुए इन्हें बनाते हैं। यह परम्परा हमें यह संदेश देती है कि प्रत्येक वर्ष मनुष्य भी अपने भीतर की ईर्ष्या, द्वेष, अहंकार और लोभ को त्यागकर स्वयं का नव-निर्माण करे।

रथयात्रा के पीछे अनेक पौराणिक कथाएं भी जुड़ी हैं। कहा जाता है कि एक बार सुभद्रा ने द्वारका नगर देखने की इच्छा व्यक्त की। तब भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने उन्हें अलग रथ पर बैठाकर नगर भ्रमण कराया। उसी स्मृति में तीनों भाई-बहनों की संयुक्त रथयात्रा निकाली जाती है। एक अन्य कथा के अनुसार भगवान की अपूर्ण प्रतिमाओं का निर्माण स्वयं विश्वकर्मा ने किया था, जो आज भी जगन्नाथ संस्कृति की विशिष्ट पहचान है। इस महायात्रा का एक अत्यन्त मार्मिक पक्ष यह भी है कि स्नान पूर्णिमा के बाद भगवान अस्वस्थ माने जाते हैं और लगभग पन्द्रह दिनों तक सार्वजनिक दर्शन नहीं देते। इसके पश्चात वे रथों पर आरूढ़ होकर अपनी मौसी के घर गुण्डिचा मंदिर जाते हैं। वहां नौ दिनों तक विश्राम करते हैं और फिर बहुड़ा यात्रा के माध्यम से पुनः श्रीमंदिर लौटते हैं। लौटते समय भगवान का पोडा पीठा ग्रहण करना, पंचमी को देवी लक्ष्मी का रुष्ट होकर रथ का पहिया तोड़ना तथा बाद में भगवान द्वारा उन्हें मनाने की परम्परा भक्तिभाव एवं मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण है। पुरी की रथयात्रा का एक अन्य अद्भुत दृश्य छेरा पहरा है। गजपति महाराज स्वयं स्वर्ण निर्मित झाड़ू से रथों के मार्ग की सफाई करते हैं। यह परम्परा संदेश देती है कि ईश्वर के समक्ष राजा और सामान्य व्यक्ति सभी समान हैं। सत्ता का सर्वोच्च पद भी सेवा से बड़ा नहीं हो सकता। रथयात्रा के समय जगन्नाथ मंदिर का महाप्रसाद भी विशेष आकर्षण का केन्द्र होता है। विश्व की सबसे बड़ी मंदिर रसोइयों में से एक इस रसोई में मिट्टी के पात्रों में प्रसाद बनाया जाता है। दाल, चावल, सब्जियाँ, मालपुआ, गजामूंग, लाई, नारियल तथा अनेक प्रकार के व्यंजन अत्यंत अल्प मूल्य पर श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराए जाते हैं। यह प्रसाद केवल भोजन नहीं, बल्कि समानता और साझेदारी का प्रतीक है।

धार्मिक ग्रन्थों में रथयात्रा का अत्यन्त महत्व बताया गया है। स्कन्द पुराण, ब्रह्म पुराण, पद्म पुराण तथा उत्कल खण्ड में भगवान जगन्नाथ की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। मान्यता है कि रथयात्रा के दर्शन एवं रथ को स्पर्श करने से अनेक जन्मों के पाप नष्ट होते हैं तथा रथ खींचने वाले को मोक्ष का अधिकारी माना गया है। यद्यपि इन मान्यताओं का आध्यात्मिक अर्थ यह है कि जो व्यक्ति अपने जीवन-रथ को धर्म, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलाता है, वही वास्तविक मुक्ति प्राप्त करता है। जगन्नाथ रथयात्रा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सामाजिक समरसता है। इस अवसर पर जाति, वर्ग, भाषा, क्षेत्र अथवा सम्प्रदाय का कोई भेद नहीं रहता। लाखों श्रद्धालु एक साथ रथ की रस्सी खींचते हैं। यही वह क्षण होता है जब धर्म केवल पूजा-पद्धति न रहकर सामाजिक एकता का उत्सव बन जाता है।

आज यह यात्रा केवल पुरी तक सीमित नहीं रही। भारत के लगभग सभी प्रमुख नगरों सहित अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और अनेक यूरोपीय देशों में भी जगन्नाथ रथयात्रा आयोजित होती है। विशेष रूप से इस्कॉन ने इस परम्परा को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। करोड़ों विदेशी भक्तों ने इसी माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण एवं जगन्नाथ संस्कृति को जाना है। इसलिए यदि कहीं तिथियों को लेकर व्यावहारिक परिवर्तन भी किए जाएँ तो उनके पीछे धार्मिक अवमानना नहीं, बल्कि स्थानीय व्यवस्थाओं की विवशता भी हो सकती है। फिर भी यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि जहाँ तक सम्भव हो, श्रीमंदिर की परम्परा और निर्धारित तिथि का सम्मान किया जाए, ताकि सम्पूर्ण विश्व में एकात्मता का संदेश और अधिक सुदृढ़ हो।

दार्शनिक दृष्टि से रथ मनुष्य के शरीर का, भगवान आत्मा का तथा रथ को खींचने वाली रस्सियाँ समाज और लोकशक्ति का प्रतीक हैं। आत्मा तभी सार्थक होती है जब समाज सहयोग करे और समाज तभी श्रेष्ठ बनता है जब उसके केन्द्र में ईश्वर, नैतिकता और आत्मशुद्धि का भाव हो। यही कारण है कि जगन्नाथ रथयात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मविशुद्धि, लोकमंगल, समरसता, सेवा और आध्यात्मिक जागरण का अनुपम पर्व है। वर्तमान समय में जब समाज अनेक प्रकार के वैचारिक, सामाजिक और धार्मिक विभाजनों से गुजर रहा है, तब भगवान जगन्नाथ की यह महायात्रा हमें स्मरण कराती है कि धर्म का वास्तविक उद्देश्य विवाद नहीं, बल्कि संवाद है। वर्चस्व नहीं, बल्कि समन्वय है और बाहरी आडम्बर नहीं, बल्कि अंतःकरण की पवित्रता है। यही इस महायात्रा का सनातन संदेश है कि जीवन का रथ तभी सही दिशा में चलता है जब उसमें श्रद्धा, सेवा, समरसता, आत्मसंयम और लोककल्याण के पहिए समान गति से चलते रहें। यही जगन्नाथ महायात्रा की शाश्वत महिमा है और यही इसकी वैश्विक प्रासंगिकता।

भारतीयों की मौत पर सन्नाटा क्यों? ईरान के लिए मुखर रहने वालों से देश पूछ रहा है सवाल?

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत और ईरान के संबंध सदियों पुराने रहे हैं। सांस्कृतिक विरासत, ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, चाबहार बंदरगाह और सामरिक सहयोग जैसे अनेक क्षेत्रों में दोनों देशों ने एक-दूसरे का साथ दिया है। हालांकि यह भी सामने आया है कि इस्लाम के नाम पर ईरान ने हमेशा पाकिस्तान का साथ निभाया है, लेकिन अपने व्यापारिक हितों को देखते हुए वह आर्थिक मामलों में भारत के साथ खड़ा दिखा है।

यही कारण भी रहा जो भारत ने हमेशा यह साबित किया कि वह अपने मित्र देशों का संकट की घड़ी में भी साथ देता है। आज जब "हॉर्मुज जलडमरूमध्य" में भारतीय नाविकों की मौत और कई भारतीयों के घायल होने की घटना सामने आई है, तब यह प्रश्न पूरे देश के सामने खड़ा है कि क्या भारत के इस मित्रता पूर्ण व्यवहार एवं सम्मान का मान ईरान ने भी रखा है? विदेश मंत्रालय ने स्वयं स्वीकार किया है कि पश्चिम एशिया में समुद्री जहाजों पर हाल में हुए हमलों में सबसे अधिक भारतीय नागरिक प्रभावित हुए हैं। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि इस सप्ताह हॉर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे दो व्यापारी जहाज, "एमटी अल बहियाह" और "एमटी मोम्बासा" हमले का शिकार बने। इन दोनों जहाजों पर कुल 46 चालक दल के सदस्य थे, जिनमें 30 भारतीय नाविक शामिल थे। "एमटी अल बहियाह" पर सवार 12 भारतीयों में से एक भारतीय नागरिक की मृत्यु हो गई, जबकि एक अन्य घायल हुआ। "एमटी मोम्बासा" पर सवार 18 भारतीयों में से 9 भारतीय घायल हुए, जिनमें दो की स्थिति गंभीर बनी हुई है, वह जीवित भी बचेंगे, इसमें संदेह है। हालांकि भारत सरकार ने तत्काल नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास के मिशन उप प्रमुख को विदेश मंत्रालय तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया और इन हमलों की तीखी निंदा की।

यदि भारत जैसा संतुलित कूटनीतिक देश किसी मित्र राष्ट्र के राजनयिक को तलब करता है, तो यह अत्यंत गंभीर संदेश होता है। पर क्या इससे भारत की वह जनता समझेगी, जो कल तक ईरान के समर्थन में सड़कों पर उतर रही थी, चंदा इकट्ठा कर मदद के नाम पर ईरान भेज रही थी?

हकीकत में तो आज यह सभी के लिए याद करना आवश्यक है कि भारत ने ईरान के लिए क्या किया। जब ईरान अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों, युद्ध और आर्थिक संकट से जूझ रहा था, तब भारत ने सिर्फ उसके पक्ष में जहां संभव रहा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बयान जारी किए, साथ ही मानवीय सहायता का बड़ा अभियान भी चलाया।

जीवनरक्षक दवाइयाँ, चिकित्सा उपकरण और आवश्यक मेडिकल सामग्री, वैध और कानूनी माध्यमों से ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी तक पहुँचाई गईं। जिसके परिणाम में ईरान सरकार और उसके राजदूत ने सार्वजनिक रूप से भारत सरकार तथा भारतीय जनता के इस सहयोग के लिए आभार भी व्यक्त किया। यानी भारत ने सहानुभूति का प्रदर्शन करने के स्थान पर संकट की घड़ी में ईरान की वास्तविक मदद की।

ईरान के पक्ष में जब भारत में रह रहे शिया मुसलमान धन इकट्ठा कर रहे थे, तब कश्मीर घाटी से लेकर मेरठ, लखनऊ, अमरोहा, हैदराबाद, मुंबई, कारगिल और अन्य क्षेत्रों से नकद राशि के साथ-साथ सोने के आभूषण, चांदी के बर्तन और अन्य मूल्यवान वस्तुएँ ईरान को आर्थिक सहायता के रूप में उपलब्ध कराई गईं। यानी जो भी ईरान के पक्ष में संभव हो सकता था, वह सभी कुछ भारत सरकार ने अपने स्तर पर किया। जहां तक कि भारत के तमाम गैर मुसलमानों ने भी शियाओं के आह्वान पर यथासंभव मदद अपनी ओर से मुहैया कराई।

अमेरिकी प्रतिबंधों और वैश्विक दबाव के बावजूद भारत ने चाबहार बंदरगाह परियोजना को कभी नहीं छोड़ा। यह परियोजना ईरान की अर्थव्यवस्था और उसके अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। जब अनेक अंतरराष्ट्रीय कंपनियाँ ईरान से दूरी बना रही थीं, तब भारत ने निवेश जारी रखा। यह कदम भरोसे और रणनीतिक साझेदारी के आधार पर उठाया गया, किंतु आज सवाल जवाबदेही का है।

वस्तुतः जब भारतीय नागरिकों की जान जाती है, तब भारत को यह पूछने का पूरा अधिकार है कि ऐसी घटनाएँ क्यों हुईं? यदि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती, यदि नागरिक जहाजों पर हमले होते हैं और उनमें सबसे अधिक भारतीय प्रभावित होते हैं, तो सिर्फ "दुख व्यक्त" कर देना पर्याप्त नहीं हो सकता। ऐसे में भारत के प्रत्येक नागरिक को यह जानने का अधिकार है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ईरान क्या ठोस कदम उठा रहा है।

भारतीय नाविक किसी युद्ध का हिस्सा नहीं

यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत विश्व के सबसे बड़े समुद्री मानव संसाधन प्रदाताओं में शामिल है। हजारों भारतीय व्यापारी जहाजों पर कार्य करते हैं। वे किसी सैन्य अभियान का हिस्सा नहीं होते। वे वैश्विक व्यापार की रीढ़ हैं। ऐसे निर्दोष नागरिकों का किसी भी संघर्ष में शिकार बनना अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून और मानवीय सिद्धांतों, दोनों के विपरीत है। यदि सबसे अधिक भारतीय नाविक ही प्रभावित हो रहे हैं, तो यह भारत के लिए स्वभाविक तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न बन गया है।

अब स्वभाविक है कि इस पूरे घटनाक्रम ने देश के भीतर भी एक गंभीर बहस छेड़ दी है। जैसा कि बताया गया, जब ईरान संकट में था, तब भारत में अनेक स्थानों पर उसके समर्थन में प्रदर्शन हुए। सोशल मीडिया पर अभियान चलाए गए। मानवाधिकारों और अंतरराष्ट्रीय कानून की दुहाई दी गई। करोड़ों रुपये का चंदा जुटाया गया। लोगों ने अपने आभूषण तक दान कर दिए, किंतु आज जब एक भारतीय नागरिक की मृत्यु हुई, अनेक भारतीय घायल हुए और भारत सरकार को स्वयं ईरानी राजनयिक को तलब कर विरोध दर्ज कराना पड़ा, तब वही मुखर आवाजें शांत हैं!

क्या भारतीय नागरिक का जीवन किसी अन्य देश के नागरिक से कम मूल्यवान है? क्या मानवाधिकारों की आवाज तब उठेगी, जब पीड़ित कोई दूसरा होगा? क्या संवेदना भी वैचारिक पसंद और नापसंद देखकर व्यक्त की जाएगी? वस्तुतः ये प्रश्न उन सभी लोगों के लिए हैं जो अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर नैतिकता और मानवाधिकार की बात करते हैं। उन्हें भी आज यह समझना चाहिए कि यदि सिद्धांत सार्वभौमिक हैं, तो भारतीय नागरिक के लिए भी वही संवेदना दिखाई देनी चाहिए।

भारत की विदेश नीति को स्पष्ट संदेश देना होगा

यहां केंद्र की मोदी सरकार से भी ईरान के प्रति कड़ा रुख अपनाने का आग्रह है। बेशक; भारत की विदेश नीति संतुलित है। भारत अमेरिका से भी संबंध रखता है, रूस से भी, इजराइल से भी, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह किसी देश को ये छूट दे कि वह उसके नागरिकों की हत्या करेगा या उसके यहां हिंसा एवं हत्या होंगी।

अब यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि ईरान भी उसी स्पष्टता से भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे, इन घटनाओं की निष्पक्ष जांच कराए, जिम्मेदारी तय करे और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस एवं विश्वसनीय कदम उठाए। इसके साथ ही भारत में रह रहे सभी शिया मुसलमानों एवं उन सभी से जो कल तक ईरान के साथ खड़े दिखे, उन सभी से अपील है कि वह भारतीयों पर ईरान के समुद्री क्षेत्र में हो रही हिंसात्मक कार्रवाइयों का मुखर विरोध करें।

केंद्र सरकार भी ध्यान रखे, किसी भी राष्ट्र की विदेश नीति का अंतिम उद्देश्य उसके नागरिकों की सुरक्षा और सम्मान होता है। यदि भारतीय नागरिकों का रक्त बहता है, तो भारत का कठोर प्रश्न पूछना उसका अधिकार से अधिक उसका कर्तव्य भी है। मित्रता सम्मान पर टिकी होती है और सम्मान की पहली शर्त आज भारत-ईरान संबंधों के बीच यही है कि हर देशवासी, भारतवासी का जीवन सर्वोपरि है।

नयी शिक्षा नीति भारत के लिए ऐतिहासिक अवसर : संघ प्रमुख

कृष्णमोहन झा

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने विगत दिनों भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा बेंगलुरु में आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वयनः भारतीय ज्ञान प्रणाली का समावेशन" के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा कार्य विश्व को पूर्णता प्रदान करना है और प्राणीमात्र के कल्याण के लिए भारत की वाणी विश्व को सुनना ही पडेगी। यह समय की आवश्यकता भी है और अनिवार्यता भी। संघ प्रमुख ने भारतीय ज्ञान परंपरा की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का उद्देश्य किसी पर प्रभुत्व स्थापित करना नहीं है बल्कि यह समस्त मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करती है।

संघ प्रमुख ने कहा कि आज विश्व के समक्ष मौजूद कठिन चुनौतियों उनका समाधान भारत की समग्र दृष्टि को अपना कर ही किया जा सकता है क्योंकि यह जीवन, समाज, प्रकृति और समस्त सृष्टि को एकात्म रूप में देखती है। संघ प्रमुख ने कहा कि भारतीय दृष्टि अन्य विचारों को अस्वीकार नहीं करती बल्कि वह प्रत्येक समाज के द्वारा प्रतिपादित उस सत्य का आदर करती है जो अनुभवजन्य है । संघ प्रमुख ने अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए कहा कि हमारी अनेकता में एकता की जो अवधारणा है वह सभी दृष्टिकोणों का आदर करते हुए शास्त्रार्थ और संवाद के माध्यम से सत्य के व्यापक स्वरूप को समझने का मार्ग प्रशस्त करती है। संघ प्रमुख ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि भारत की श्रेष्ठता का आधार उसका अनुभव, धार्मिक परंपरा और समग्र जीवन दृष्टि है जिसमें अहंकार के लिए कोई स्थान नहीं है। संघ प्रमुख ने कहा कि आज सारी दुनिया जिस संतुलित विकास, टिकाऊ जीवन पद्धति और मानवीय मूल्यों की खोज में लगी हुई है उसमें भारतीय ज्ञान परंपरा की महत्वपूर्ण भूमिका है क्योंकि इसमें अनेक कठिन प्रश्नों का समाधान करने की सामर्थ्य मौजूद है।

शिक्षा के क्षेत्र में भारतीय शिक्षण मंडल के द्वारा किए जा रहे कार्य की सराहना करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि यह कोई सीमित संगठनात्मक गतिविधि के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। संघ प्रमुख ने भारतीय शिक्षण मंडल के कार्य को ऐसी शिक्षा व्यवस्था के निर्माण का प्रयास बताया जो आजीविका या आर्थिक सफलता तक सीमित नहीं है बल्कि इसका मुख्य उद्देश्य मनुष्य का समग्र विकास है।

संघ प्रमुख ने राष्ट्र निर्माण में शिक्षा की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि सतत साधना,अनुशासित प्रयास और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता से ही सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होता है ।संघ प्रमुख ने शिक्षा विदों का आह्वान किया कि शिक्षा नीति नीति के क्रियान्वयन के साथ ही इस बात पर विचार करना है कि शिक्षा के माध्यम से किस प्रकार के भारत का निर्माण करना है। मोहन भागवत ने नई शिक्षा नीति को भारत के लिए ऐतिहासिक अवसर निरूपित करते हुए कहा कि भारतीय अनुभव, चिंतन और भारतीय शिक्षा माडल के आधार पर इसे सार्थक बनाने की दिशा में सक्रिय प्रयास किए जाने चाहिए। मोहन भागवत ने ऐसी कौशल आधारित शिक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया जो युवाओं को न केवल रोजगार योग्य ,उद्यमी और आत्मनिर्भर बनाने में सक्षम हो बल्कि उन्हें अच्छे संस्कार भी प्रदान कर सके। मोहन भागवत ने कहा कि हम आधुनिकता के विरोधी नही हैं बल्कि उसे भारतीयता के अनुरूप बना रहे हैं। संघ प्रमुख ने इस अवसर पर विविभा से संबंधित एक पुस्तक का विमोचन तथा भारतीय शिक्षण मंडल की एक नवीन वेबसाइट का लोकार्पण भी किया।

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

दैनिक पंचांग

16 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.31 बजे से
चंद्र	कर्क में	सिंह	07.47 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	09.59 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	12.10 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	14.24 ब.से
शुक्र	सिंह में	धनु	16.40 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.45 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.32 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.05 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मेष	23.35 बजे से
		वृष	01.15 बजे से
		मिथुन	03.13 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 197 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वितीया 08.54 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 19.53 बजे को समाप्त।
योग सिद्धि(असृक) 01.23 बजे रात्र को समाप्त।
करण कौलव 08.54 बजे तदनन्तर तैतिल 19.36 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 1.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 24'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872772
जूलियन दिन 2461237.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना सफर **तारीख** 01
विशेष कर्क संक्रांति, जगन्नाथ रथयात्रा।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

तीन दिनों से ठप है बोरियो बाजार थाना सड़क की बिजली, उपभोक्ता परेशान

साहिबगंज : जिले के बोरियो बाजार स्थित थाना रोड में पिछले तीन दिनों से बिजली आपूर्ति ठप रहने के कारण करीब 100 घरों के उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजली नहीं रहने से लोग अंधेरे में रात गुजारने को मजबूर हैं। स्थानीय उपभोक्ताओं ने बताया कि दो दिन पहले क्षेत्र का ट्रांसफॉर्मर खराब हो गया था, जिसके बाद बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गयी। इसकी सूचना तत्काल बिजली विभाग को दी गयी। विभाग ने एक दिन बाद मरम्मत किया हुआ ट्रांसफॉर्मर लगाकर बिजली आपूर्ति बहाल की, लेकिन कुछ ही देर बाद वह भी दोबारा खराब हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में बिजली का लोड अधिक होने के कारण ट्रांसफॉर्मर बार-बार खराब हो रहा है। इससे उपभोक्ताओं को लगातार बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं ने बिजली विभाग से जल्द स्थायी समाधान निकालने की मांग करते हुए क्षेत्र में 200 केवी क्षमता का नया ट्रांसफॉर्मर लगाने की मांग की है, ताकि बार-बार ट्रांसफॉर्मर खराब होने की समस्या से निजात मिल सके।

मोटरसाइकिल दुर्घटना में युवक घायल, रेफर

साहिबगंज : जिले के बरहेट थाना क्षेत्र के हिरणपुर गांव के 30 वर्षीय मंगल मुर्मू की मोटरसाइकिल दुर्घटना में गंभीर रूप घायल हो गया। जिसे बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार बरहेट थाना क्षेत्र के हिरणपुर गांव निवासी मंगल मुर्मू पिता दुबन मुर्मू, अपने हिरणपुर घर से बरहेट की ओर आ रहा कि संजोरी गांव के पास मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिससे उसके सिर पर गंभीर चोट आई है। वहीं घायल को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट लाया गया। जहां चिकित्सक डॉक्टर सलीम शेख ने प्राथमिक इलाज किया। चिकित्सक ने बताया की घायल के सिर पर गंभीर चोट आई है। जिससे बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है। घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

राजमहल उपकारा में बंदी को सांप ने काटा

साहिबगंज : जिले के राजमहल अनुमंडल, उपकारा में काम करने के दौरान बुधवार को एक बंदी को सांप ने काट लिया। मिली जानकारी के अनुसार बरहरवा थाना क्षेत्र के पतना चौक, तेलीपाड़ा निवासी सोहन कुमार यादव (23) एक मामले में जेल में बंद है। सुबह वह जेल के अंदर घास काटने का काम कर रहा था। इसी दौरान उसके हाथ में एक जहरीले सांप ने काट लिया। जेल प्रशासन को पता चलते ही आनन-फानन में इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों के देख रेख में इलाज किया जा रहा था।

तेज रफ्तार बाइक की चपेट में आने से बच्ची घायल

साहिबगंज : जिले के तीनपहाड़-राजमहल मुख्य मार्ग पर बुधवार को बाइक के चपेट में आने से नया बस्ती निवासी सलीम शेख की पुत्री सुहानी खातून (5) घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार सुहानी सड़क पार कर रही थी। उसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार बाइक चालक के चपेट में आ जाने से सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे परिजनों की मदद से इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल राजमहल लाया गया। जहां ड्यूटी में मौजूद डॉ सादिक अंसारी के द्वारा इलाज किया गया। घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल एवं ब्लैकआउट अभ्यास सफलतापूर्वक संपन्न

नागरिक सुरक्षा और आपदा प्रबंधन की परखी गई तैयारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : भारत सरकार के गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देश पर जिला प्रशासन ने बुधवार को जिले में व्यापक सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल एवं एयर रेड ब्लैकआउट अभ्यास का सफल आयोजन किया। अपराह्न 4 बजे से रात्रि 9 बजे तक चले इस अभ्यास में नागरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने, प्रशासन की त्वरित प्रतिक्रिया और विभिन्न एजेंसियों के आपसी समन्वय की प्रभावशीलता का परीक्षण किया गया।

जिले में तीन चिन्हित स्थलों प्रखंड कार्यालय परिसर, संध्या महाविद्यालय और साहिबगंज रेलवे स्टेशन परिसर में वास्तविक आपात स्थिति जैसा माहौल तैयार किया गया था। प्रखंड कार्यालय और संध्या कॉलेज में अपराह्न 4 बजे से जबकि रेलवे स्टेशन पर रात्रि 8 बजे से अभ्यास शुरू हुआ। अभ्यास के दौरान हवाई हमले की चेतावनी के रूप में सायरन बजते ही नागरिकों में हलचल देखी गई। इसके बाद निर्धारित अवधि के लिए ब्लैकआउट किया गया, जिसमें लोगों ने प्रशासन की अपील पर घरों, दुकानों की बिजली, इन्वर्टर और अन्य कृत्रिम प्रकाश स्रोतों को बंद रखा। चिन्हित सुरक्षित स्थानों तक नागरिकों की निकासी, घायलों को प्राथमिक उपचार देकर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने और राहत-बचाव कार्यों का जीवंत प्रदर्शन किया गया। इस दौरान जिला पुलिस, होमगार्ड, एनसीसी, एनएसएस के कैडेटों और स्वयंसेवी संगठनों ने सक्रिय भूमिका निभाई। पूरे अभ्यास की रियल-टाइम मॉनिटरिंग के लिए बनाए गए शैडो कंट्रोल रूम से निगरानी की गई, वहीं ड्रोन और वीडियोग्राफी के माध्यम से ब्लैकआउट की प्रभावशीलता को परखा गया। संपूर्ण ड्रिल की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की गई जिसका विश्लेषण कर जिले के सिविल डिफेंस प्लान को और मजबूत बनाया जाएगा। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आइन्द, सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान, कार्यपालक दंडाधिकारी प्रमोद आनंद सहित जिला प्रशासन व पुलिस के वरीय अधिकारी मौजूद थे। अपर समाहर्ता ने कहा कि आधुनिक आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए, केवल प्रशासन ही नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का जागरूक होना जरूरी है। यह मॉक ड्रिल संकट की घड़ी में सही निर्णय लेने की क्षमता को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिला प्रशासन ने इस पूर्व नियोजित अभ्यास में सहयोग के लिए साहिबगंज के नागरिकों का आभार जताया और अफवाहों से बचने की अपील की।

हिरणपुर सब्जी मंडी में गंदगी का अंबार जाम नालियों से संक्रमण का खतरा बढ़ा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हिरणपुर : पाकुड़ जिले के हिरणपुर बाजार स्थित सब्जी मंडी में गंदगी और जाम नालियों की समस्या दिनों-दिन गंभीर होती जा रही है। पिछले कई दिनों से नालियों में पानी का बहाव पूरी तरह बाधित है, जिससे मंडी परिसर में गंदगी का अंबार लग गया है। नालियों में प्लास्टिक, थर्मोकोल और दुकानों से निकलने वाला कचरा बड़ी मात्रा में जमा होने के कारण गंदा पानी ठहर गया है और पूरे क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार बरसात के मौसम में यह स्थिति जलजमाव के साथ-साथ डेंगू, मलेरिया एवं अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने का कारण बन सकती है। वहीं, मंडी में फैली गंदगी और बदबू से दुकानदारों, ग्राहकों तथा राहगीरों को भी रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों और व्यापारियों का कहना है कि यदि समय रहते संबंधित विभाग द्वारा

नालियों की सफाई और नियमित कचरा उठाव की व्यवस्था नहीं की गई तो हिरणपुर बाजार गंभीर स्वास्थ्य संकट की चपेट में आ सकता है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन एवं संबंधित विभाग से अविलंब सब्जी मंडी की नालियों की सफाई कराने, नियमित कचरा उठाव सुनिश्चित करने तथा स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावी बनाने की मांग की है। लोगों ने स्वस्थ झारखंड, सुंदर झारखंड, बेहतरीन हिरणपुर के संकल्प को धरातल पर उतारने की अपील करते हुए कहा कि बाजार को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराया जाए, ताकि आमजन को स्वच्छ परिवेश, शुद्ध हवा और साफ-सुथरे माहौल का लाभ मिल सके।

पूर्व एनडीए प्रत्याशी अजहर इस्लाम के आवास पर पुलिस ने की छापेमारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत जानकीनगर गांव स्थित पूर्व एनडीए प्रत्याशी अजहर इस्लाम के आवास पर बुधवार को पुलिस ने छापेमारी की। इस कार्रवाई में नगर थाना, मुफस्सिल थाना तथा मालपहाड़ी ओपी की पुलिस संयुक्त रूप से शामिल रही। छापेमारी के दौरान पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) कुमार गौरव ने छापेमारी की पुष्टि करते हुए बताया कि यह कार्रवाई दर्ज प्राथमिकी के आधार पर की गई। जानकारी के अनुसार, एक दिन पूर्व मुफस्सिल थाना पुलिस भूमि विवाद से जुड़े मामले की जांच के लिए, अजहर इस्लाम के आवास पर पहुंची थी। इसी दौरान पुलिस और अजहर इस्लाम तथा उनके सहयोगियों के बीच कहासुनी होने के बाद कथित रूप से धक्का-

मुक्की की घटना हुई। इस संबंध में मुफस्सिल थाना में पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक रामदुलार सिंह के लिखित आवेदन पर कांड संख्या 96/26 दर्ज किया गया है। प्राथमिकी में अजहर इस्लाम, उनके पिता अली अकबर, निजी सुरक्षा कर्मी, सहयोगियों एवं कुछ मजदूरों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। पुलिस का आरोप है कि कार्रवाई के दौरान सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई गई, अनुमंडल दंडाधिकारी द्वारा लागू निषेधाज्ञा का उल्लंघन किया गया, पुलिस कर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार एवं धक्का-मुक्की की गई तथा झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी भी दी गई। इसी मामले में आरोपितों की गिरफ्तारी के उद्देश्य से बुधवार को पुलिस ने उनके आवास पर छापेमारी की। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक इस कार्रवाई में किसी गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी थी। इस बीच श्रम विभाग की टीम भी श्रम अधीक्षक के नेतृत्व में मौके पर पहुंची। निरीक्षण के दौरान कुछ बाल श्रमिकों का रेस्क्यू किए जाने की जानकारी सामने आई है। श्रम विभाग पूरे मामले की अलग से जांच कर रहा है।

पाकुड़ रेलवे स्टेशन पर महिला रेलकर्मियों व परिजनों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ईस्टर्न रेलवे हावड़ा मंडल के अंतर्गत पाकुड़ रेलवे स्टेशन परिसर में मंगलवार को महिला रेल कर्मचारियों एवं उनके परिवार की महिलाओं और बालिकाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब 60 महिला रेलकर्मियों एवं उनके परिजनों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त किया। शिविर में हावड़ा रेलवे अस्पताल से आए ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. दीपा अरुण तथा रामपुरहाट हेल्थ यूनिट के डॉ. अब्दुल समीम मियां ने जांच दल के साथ मिलकर महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया। जांच के दौरान जिन मरीजों में विशेष चिकित्सकीय परीक्षण की आवश्यकता महसूस हुई, उन्हें

आगे की जांच एवं उपचार के लिए रामपुरहाट रेलवे अस्पताल रेफर किया गया।

इस अवसर पर बताया गया कि ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन, पाकुड़ शाखा पिछले तीन वर्षों से रेलवे कर्मचारियों एवं उनके परिवारों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नियमित रूप से ऐसे चिकित्सा शिविर आयोजित कर रही है। साथ ही प्रत्येक सप्ताह रेलवे चिकित्सक की उपलब्धता सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि कर्मचारियों और उनके परिजनों को इलाज के लिए अन्य स्थानों का रुख न करना पड़े। यूनियन की ओर से जानकारी दी गई कि सितंबर 2026 में एक और विशेष बहु-विशेषज्ञ चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सक कर्मचारियों एवं उनके परिवारों की स्वास्थ्य जांच करेंगे। इससे विभिन्न बीमारियों से जूझ रहे रेलकर्मियों को रेलवे चिकित्सकों की देखरेख में बेहतर उपचार और परामर्श का लाभ मिलेगा। इस दिशा में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन, पाकुड़ शाखा लगातार मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा तथा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, हावड़ा से पत्राचार कर रही है।

नाबालिग बेटियों से मारपीट का आरोप पीड़िता ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटी कोदरजन्ना निवासी पीड़िता महिला बीबी सिटी खातून पति मो. तौसीफ ने घर में अकेली मौजूद नाबालिग पुत्री के साथ मारपीट किए जाने के मामले में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह को लिखित आवेदन देते हुए दोषी लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। जहां दिए गए आवेदन पत्र में पीड़िता महिला ने जिक्र किया है कि बीते दिनों 10 जुलाई 26 को जब वो अपने दो नाबालिग पुत्रियों को घर पर अकेला छोड़कर बहियार से घास लाने के लिए गई हुई थी तो उसी समय गांव के ही 3 लोगों ने उसके घर में घुसकर उसकी दोनों नाबालिग बेटियों के साथ बुरी तरह से मारपीट किया। वहीं

पीड़िता महिला ने बताया कि इस मारपीट मामले को लेकर मुफस्सिल थाना एवं महिला थाना में भी आरोपियों के खिलाफ लिखित आवेदन दिया गया है मगर अब तक कोई भी कार्रवाई पुलिस के द्वारा नहीं की गई है। जहां पीड़िता महिला ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देते हुए दोषी लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला, पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : प्रशासन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम में लापरवाही बरतने पर जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या-213 पर अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं दोहरे नामों (एएसडीडी) की सूची में त्रुटिपूर्ण अंकन पाए जाने पर एक बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ), बूथ स्तरीय अधिकारी पर्यवेक्षक (बीएलओ सुपरवाइजर) तथा सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ) से स्पष्टीकरण मांगा गया है। जिला निर्वाचन

पदाधिकारी सह उपायुक्त मेघा भारद्वाज द्वारा 14 जुलाई 2026 को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर आयोजित बूथ स्तरीय अधिकारी-राजनीतिक दलों के नियुक्त प्रतिनिधि (बीएलए-2) बैठक का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मतदान केंद्र संख्या-213 की अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं दोहरे नामों की सूची की समीक्षा में गंभीर त्रुटि सामने आई।

समीक्षा में पाया गया कि कई मतदाताओं को बिना भौतिक सत्यापन के ही अनुपस्थित एवं स्थायी रूप से स्थानांतरित की श्रेणी में दर्ज कर दिया गया था, जबकि स्थल जांच में ये प्रविष्टियां गलत पाई गईं। मामले को गंभीरता से लेते हुए उप निर्वाचन पदाधिकारी ने संबंधित कर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जिला प्रशासन ने सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (एईआरओ), बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ), बूथ स्तरीय अधिकारी पर्यवेक्षकों तथा राजनीतिक दलों के नियुक्त प्रतिनिधियों (बीएलए-2) को सख्त निर्देश दिया है कि अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं दोहरे नामों की सूची का शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन अनिवार्य रूप से किया जाए। बिना पर्याप्त आधार और स्थल जांच के किसी भी मतदाता का नाम इस सूची में अंकित नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है और इसकी शुद्धता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही या नियमों की अनदेखी पर संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

ईशाकपुर व नवादा पंचायत में एआईएमआईएम ने लगाया एसआईआर हेल्प डेस्क

पाकुड़ : जिले के पाकुड़ प्रखंड के ईशाकपुर एवं नवादा पंचायत में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन की ओर से रक्षहेल्प डेस्क का आयोजन किया गया। कार्यक्रम पूर्व विधायक एवं संथाल परगना प्रभारी अकिल अख्तर के निर्देश पर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों को एसआईआर फॉर्म भरने में सहायता और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। हेल्प डेस्क के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने लोगों को एसआईआर फॉर्म भरने की प्रक्रिया समझाई, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी तथा आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाने में सहयोग किया। आयोजन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि किसी भी नागरिक को फॉर्म भरने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर अकिल अख्तर ने कहा कि एआईएमआईएम हमेशा जनता की सेवा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी का प्रयास है कि प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक सहायता पहुंचे और सरकारी प्रक्रियाओं के कारण किसी नागरिक को अनावश्यक कठिनाई न हो। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच सक्रिय रहकर उनकी समस्याओं के समाधान में सहयोग करने की अपील की। साथ ही बताया कि आने वाले दिनों में भी विभिन्न पंचायतों में रक्षहेल्प डेस्क लगाकर लोगों की सहायता का अभियान जारी रखा जाएगा। कार्यक्रम में मुशर्रफ हुसैन, इकबाल हुसैन, हारून रशीद, मो. महाफिजुर रहमान सहित अन्य कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

तीनपहाड़ फुट ओवर ब्रिज पर बाइक दौड़ाना पड़ा भारी, आरपीएफ ने जुर्माना वसूल कर छोड़ा

साहिबगंज : मालदा मंडल के तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन के पश्चिमी छोर पर बने फुट ओवर ब्रिज पर बाइक चलाने वाले चालकों के विरुद्ध आरपीएफ टीम ने बुधवार को जांच अभियान चलाकर लगभग दर्जन भर बाइक को पकड़ चालकों पर प्रति बाइक 500 रुपए जुर्माना लगाकर छोड़ा। वहीं आरपीएफ के हेड कांस्टेबल अजय कुमार हांसदा ने बताया कि यह पुल वाहन चालकों के लिए नहीं बल्कि आम लोगों एवम यात्रियों के पैदल आवागमन के लिए है इसमें वाहन चलाने पर कभी भी कोई बड़ी घटना घट सकती है और पैदल पुल पर वाहन चलाना अपराध है। पहले भी कई बार वाहन चालकों को कड़ी चेतावनी देकर छोड़ा गया था वही आज वाहन चलाने पर उनके वाहन को पकड़ आरपीएफ पोस्ट लेजाया गया जहा जुर्माना लगाते हुए बांड भराकर छोड़ा गया। वही खबर लिखे जाने तक अन्य वाहन चालकों पर जुर्माना लगाने की प्रक्रिया जारी थी। इस दौरान आरपीएफ के कुमार देव, रमेश यादव सहित अन्य मौजूद थे।

सभी सहियाओं का मासिक समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

साहिबगंज : बुधवार को सीएच सी तालझारी के सभागार में सभी सहियाओं का मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रंजन कुमार के अध्यक्षता में किया गया। इस बैठक में सीएचसी के सभी सहिया एवं सहिया साथी एवं बीटीटी एवं सहिया कर्मी मौजूद थे। इस बैठक में सभी कार्यक्रमों का चर्चा करते हुए विशेष रूप से प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक विजय राम के द्वारा टीकाकरण सुदृढ़ीकरण पर सभी सहियाओं एवं सहिया साथियों एवं सहिया पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। मौके पर मौजूद प्रखंड लेखा प्रबंधक देवनारायण रविदास, केटीएस अभिषेक कुमार, सहिया साथी सजोनी, कंचन देवी, मेरी मालतो, सहिया पर्यवेक्षक अवधेश कुमार मौजूद थे।

बाइक चोरी करते शातिर चोर ग्रामीणों के हत्थे चढ़ा, पुलिस के हवाले

साहिबगंज : जिले के बोरियो थाना क्षेत्र के मोतीपहाड़ी निवासी पारा शिक्षक भवेश ठाकुर बुधवार को अपनी बाइक नीचे डंडी गाँव में खड़ी कर पैदल पहाड़ी पर स्थित स्कूल पढ़ाने गए थे। इसी बीच एक शातिर चोर ने उनकी बाइक उड़ा ली। चोरी के बाद आरोपी साइफन गाँव के पास नहर किनारे छिपाकर बाइक का लॉक तोड़ने का प्रयास कर रहा था। तभी स्थानीय ग्रामीणों को उस पर शक हो गया। ग्रामीणों को अपनी ओर आता देख आरोपी बाइक छोड़कर भागने लगा, जिसे ग्रामीणों ने खदेड़कर दबोच लिया। सूचना मिलते ही बोरियो थाना पुलिस मौके पर पहुँची और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस फिलहाल आरोपी से पूछताछ कर आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

छात्रा से छेड़छाड़ कर फरार टेम्पो चालक नौ महीने बाद गिरफ्तार

पलामू : छात्रा से छेड़छाड़ कर फरार टेम्पो चालक को गिरफ्तार किया गया है। उसकी गिरफ्तारी नौ महीने बाद हुई है। उसके खिलाफ पलामू जिले के नावाबाजार थाना में 27 नवंबर 2025 को छेड़छाड़ एवं पोक्सो एक्ट से संबंधित मामला दर्ज किया गया था। वारदात के बाद से लगातार फरार चल रहा था। आरोपित चालक की पहचान छतरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम मसिहानी टोला मंदेया निवासी नेहाल अहमद (30) के रूप में हुई है। उल्लेखनीय है कि मामला दर्ज होने के बाद नेहाल की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विश्रामपुर चिरंजीव मंडल के नेतृत्व में टीम गठित की गयी थी। टीम में शामिल पुलिस सब इंस्पेक्टर सुबोध कुमार, एएसआई अनिल कुमार चौधरी और सशस्त्र पुलिस जवान ने गुप्त सूचना पर नेहाल अहमद को गिरफ्तार कर बुधवार को केंद्रीय कारा मेदिनीनगर भेज दिया। पूछताछ में नेहाल ने अपना जुर्म स्वीकार किया है। नेहाल के अनुसार स्कूली लड़की को टेंपो से अकेले घर जाने के क्रम में बदनीयती से उसके साथ छेड़छाड़ की थी। नाबालिग ने अपनी आबरू बचाने के लिए टेंपो से छलांग लगा दी। इसमें उसका हाथ टूट गया था। इस बीच टेंपो चालक मौके से वाहन लेकर फरार हो गया था।

एक नजर

ऑनलाइन जन्म प्रमाण पत्र बनने में हो रहा विलंब : रणधीर

बोकारो : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की बैठक आवासीय कार्यालय सेक्टर 9 में हुई इस बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश महासचिव रणधीर सिंह ने कहा कि बोकारो जिला प्रशासन के द्वारा ऑनलाइन जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने में काफी विलंब हो रहा है जिससे हजारों बच्चों का भविष्य पर खतरा मंडरा रहा है श्री सिंह ने कहा कि कई महीने से अभीवाबक जन्म मृत्यु निबंधन कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं पर उन्हें कोई उचित वजह न बताकर टाल दिया जा रहा श्री सिंह ने कहा कि जब इस विषय पर सेक्टर वन स्थित जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र निबंधन कार्यालय में पदस्थ डॉक्टर जय नाथ कुमार से बात की गई तो उन्होंने कहा कि पहले ऑनलाइन करना मेरे हाथ में था परंतु कई महीनो से पोर्टल बदल गया है जिसकी जानकारी जिला प्रशासन में बैठे अधिकारी को नहीं है जिसके कारण विलंब हो रहा है श्री सिंह ने कहा कि शीघ्र ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का एक प्रतिनिधि मंडल उपायुक्त महोदय बोकारो से मिलकर इस समस्या के समाधान का मांग करेगा ताकि हजारों बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सके इस बैठक में मुख्य रूप से रामजी साहू, विक्की मिश्रा, एके मिश्रा, अनिल चौबे, बैजनाथ सिंह, जय तिवारी, सुधीर राजा, रामायण शर्मा आदि के अलावा अन्य सक्रिय सदस्य मौजूद थे।

बेरमो में अनुमंडलीय अस्पताल से तार चोरी के प्रयास में युवक पकड़ा गया

बेरमो : फुसरो स्थित जननायक कपूर्री ठाकुर अनुमंडलीय अस्पताल परिसर से इलेक्ट्रिक तार चोरी करने के प्रयास में मंगलवार को एक युवक को अस्पताल में मौजूद लोगों ने दबोच लिया। मामले की सूचना पर पहुंची बेरमो थाना पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर थाने ले जाया। पकड़े गए युवक की पहचान कारीपानी निवासी बादल बाउरी के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों और अस्पताल कर्मियों की सतर्कता ने समय रहते चोरी का प्रयास विफल कर दिया। अस्पताल प्रबंधन ने घटना की जानकारी पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर पुलिस पहुंचकर युवक को थाने ले गई। पुलिस ने बताया कि फिलहाल आरोपी को हिरासत में रखा गया है और घटना की जांच जारी है। समाचार लिखे जाने तक अस्पताल प्रबंधन की ओर से थाना में कोई लिखित आवेदन दाखिल नहीं किया गया था। आवेदन मिलने के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

समन्वय बनाकर योजनाओं को उतारें धरातल पर : उपायुक्त

खूंटी : समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मो जावेद हुसैन की अध्यक्षता में बुधवार को कृषि और संबद्ध विभागों एवं झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसायटी (जेएसएलपीएस) की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए आपसी समन्वय के साथ योजनाओं का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। बैठक में कृषि, आत्मा, उद्यान, भूमि संरक्षण, सहकारिता, मत्स्य, गव्य विकास, पशुपालन विभाग और जेएसएलपीएस की विभिन्न योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर योजनाओं के प्रस्ताव तैयार करने और उन्हें धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों और लाभुकों तक पहुंचना चाहिए। साथ ही एफपीओ (कृषक उत्पादक संगठन) और ग्राम संगठनों को सक्रिय कर उनकी भूमिका मजबूत करने पर भी बल दिया।

कोतरे-हुरदाग के रैयतों ने राज्यसभा सांसद खीरू महतो को सौंपा 12 सूत्री मांग-पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : गोमिया प्रखंड अंतर्गत मौजा कोतरे एवं हुरदाग के रैयतों तथा भूमि-विस्थापित परिवारों के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यसभा सांसद एवं कोयला एवं खान सलाहकार समिति के सदस्य खीरू महतो को 12 सूत्री मांग-पत्र सौंपकर सीसीएल एवं एमडीओ प्रबंधन से प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि केबीपी (कोतरे-बसंतपुर-पचमो) कोल परियोजना और केंदला-दनिया रेल लाइन निर्माण के कारण बड़ी संख्या में किसान, रैयत और ग्रामीण प्रभावित हो रहे हैं। इसके बावजूद स्थानीय लोगों को रोजगार, वर्तमान बाजार दर के अनुरूप उचित मुआवजा, पुनर्वास, वैकल्पिक आजीविका और कोयला रोड सेल में भागीदारी जैसे अधिकारों का लाभ नहीं मिल रहा है।

मांग-पत्र में कहा गया है कि परियोजना से प्रभावित सभी वास्तविक रैयतों एवं भूमि-विस्थापित परिवारों को उनके वैधानिक अधिकार सुनिश्चित किए जाएं। साथ ही सभी पात्र परिवारों को समान रूप से रोजगार, उचित मुआवजा और पुनर्वास का लाभ उपलब्ध कराया जाए तथा स्थानीय युवाओं को परियोजना में प्राथमिकता के आधार पर रोजगार दिया जाए।

राज्यसभा सांसद खीरू महतो ने प्रतिनिधिमंडल की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि वे इस मामले को संबंधित विभागों तथा सीसीएल एवं एमडीओ प्रबंधन के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाकर आवश्यक कार्रवाई कराने का प्रयास करेंगे।

प्रतिनिधिमंडल में डोमन महतो, चैतलाल महतो, सीताराम महतो, सुरेश महतो, पंचायत समिति सदस्य रेणु देवी, आकाश करमाली, प्रवीण कुमार महतो, ननकू महतो, टिकेश्वर महतो, गिरधारी महतो, बासुदेव महतो, रमन महतो, बालेश्वर महतो, हरिलाल महतो, रोहन राम, पप्पू साव, संजू देवी, चांदनी कुमारी, पुष्पा कुमारी, सरस्वती देवी, राजीव कुमार महतो, पिंटू करमाली, प्रवेश करमाली, तेजनारायण करमाली, अजीत करमाली, संजय करमाली, सूरज करमाली, राजेश कुमार, बीरबल साव, प्रियंका कुमारी, निलेश कुमार, उषा कुमारी सहित कोतरे एवं हुरदाग के अनेक ग्रामीण रैयत एवं भूमि-विस्थापित परिवार उपस्थित रहे।

जिला अनुकंपा समिति की बैठक में पांच मामलों की समीक्षा

खूंटी : उग्रवादी हिंसा में मृत व्यक्तियों के आश्रितों को अनुग्रह-अनुदान और अनुकंपा आधारित नियुक्ति प्रदान करने के संबंध में बुधवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त मो जावेद हुसैन की अध्यक्षता में जिला अनुकंपा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुल पांच प्रस्तावों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान सभी मामलों से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों और अभिलेखों का गहन परीक्षण किया गया, ताकि पात्र आश्रितों को नियमानुसार अनुग्रह-अनुदान और अनुकंपा आधारित नियुक्ति का लाभ उपलब्ध कराया जा सके। उपायुक्त ने समिति के सदस्यों के साथ सभी प्रस्तावों पर विस्तार से विचार-विमर्श करते हुए पात्र लाभुकों के पक्ष में आवश्यक निर्णय लिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप जल्द कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि ऐसे मामलों का निष्पादन संवेदनशीलता और समयबद्ध तरीके से किया जाए।

एसएमएस न्यू शाखा की बैठक में कर्मचारियों ने उठाई स्थानीय समस्याएं, आंदोलन की दी चेतावनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ की एसएमएस न्यू शाखा की बैठक बुधवार को कैंटीन रेस्ट रूम में आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि सेल-बीएसएल प्रबंधन कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान को लेकर गंभीर नहीं है। उनका कहना था कि एसएमएस न्यू विभाग हर माह उत्पादन के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है, लेकिन कर्मचारियों से जुड़ी स्थानीय समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है।

बैठक में 2027 वेज रिवीजन, 2017 से लंबित वेज रिवीजन का एरियर, बोनस एवं इंसेंटिव फॉर्मूला में सुधार, नई श्रम संहिता के अनुसार संयंत्र स्तर पर कार्यसमिति का गठन तथा नए श्रम कानून लागू कर यूनियन चुनाव कराने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

कर्मचारियों ने विभाग की ज्वलंत समस्याओं में एप्रोच रोड का अभाव, ड्रेनेज सिस्टम की बदहाल स्थिति, बारिश के दौरान रूफ और कमरों में सीपेज, जलजमाव, बॉयलर रेस्ट रूम में पानी भरने, प्रशिक्षु कर्मचारियों को छात्रावास में आवास नहीं मिलने जबकि ठेकेदार कर्मियों को आवास आवंटित किए जाने, पेयजल एवं शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी तथा ओएचएस के पास टूटी सड़क जैसी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

इसके अलावा कैंटीन में कर्मचारियों के स्वास्थ्य के अनुरूप भोजन और नाश्ता उपलब्ध नहीं कराने का मुद्दा भी बैठक में प्रमुखता से उठाया गया।

बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए यूनियन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष करने का संकल्प लिया। बैठक को अध्यक्ष दिलीप कुमार, महासचिव हरिओम, कोषाध्यक्ष राहुल प्रसाद साव, उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार तथा विभागीय प्रतिनिधि अजय कुमार ने संबोधित किया।

यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि विभाग प्रबंधन केवल उत्पादन बढ़ाने और नए कीर्तिमान स्थापित करने पर ध्यान दे रहा है, जबकि कर्मचारियों की स्थानीय समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो कर्मचारियों को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

बोकारो निवास मे मालियों को मिला ई एल व बोनस : बि के चौधरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो निवास मे लगभग 12 बर्षों से काम कर रहे मालियों ने ई एल, बोनस यानि फाईनल के रूप मे मिलने बाला पैसा का रूप रंग कैसा होता है देखने का नसीब इन मजदूरों को नही मिल रहा था ।क्योंकि मजदूरों का संरक्षक यानि चौकीदार हीं जब सब जानते समझते न्याय नही दिलबा सका तो मजदूरों के नसीब को हीं दोष दिया जा सकता है। जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बि के चौधरी के संज्ञान मे जब समस्या आया और प्रबंधन से सबाल जबाब जब होने लगा तो मजदूर को हीं काम से निकालने का काम किया गया। आश्चर्य तो तब हुआ है कि अधिशासी निदेशक (एच आर) मैडम के संज्ञान मे भी सारी गौरख धंधा को बताने के उपरान्त भी नतीजा ढ़ाक का तीन पात बाली कहाबत यहां चरितार्थ हुआ।

युनियन के तरफ से अत्यंत महत्वपूर्ण बोकारो निवास मे नही चाहते हुए आन्दोलन का रूप रेखा तैयार किया गया। इस बीच बोकारो निवास का बिभाग समान्य प्रशासन मे बिभागाध्यक्ष के रूप मे महाप्रबंधक ए के सिंह ने पदभार ग्रहण करते हीं उन्होनें इस मामले मे अनेको बार महामंत्री बि के चौधरी से बार्ता उपरान्त समी मालियों को ई एल बोनस सहित फाईनल का भुगतान बैंक खाता मे किया गया एवं कामपर पुनः रखा गया फिरभी एक माली बैठा हुआ है जिसे जल्दकाम पर रख लिया जायगा।

दो चार लाख का राशि नही था लेकिन जो भी थोड़ा-बहुत पैसा मिला तो इन मजदूरों मे इसलिए खुशी का लहर दोड गया कि नौकरी के अवधि मे पहली बार मिला। इस खुशी मे मजदूरों ने आज जय झारखंड मजदूर समाज कार्यालय सेक्टर-9 मे महामंत्री बि के चौधरी को फूल माला पहनाकर एवं लड्डू खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया। महामंत्री ने समान्य प्रशासन के महाप्रबंधक ए के सिंह को इस उपलब्धि मे सहयोग करने और भी आई पी जगह मे आन्दोलन को रूकबाने के लिए धन्यवाद और साधूवाद दिया।

डीएवी-4 के नन्हे कलाकारों ने लीफ कोलाज से उकेरे आकर्षक पोस्टर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4, में पाठ्य सहगामी गतिविधियों के अन्तर्गत कक्षा तृतीय एवं चतुर्थ के विद्यार्थियों के लिए लीफ कोलाज गतिविधि का आयोजन किया गया। इस गतिविधि में बच्चों ने विभिन्न प्रकार के प्राकृतिक पत्तों का उपयोग कर अत्यंत आकर्षक, रंग-बिरंगे एवं रचनात्मक पोस्टर तैयार किए।

विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता, कलात्मक अभिव्यक्ति तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता का सुंदर परिचय देते हुए प्रकृति संरक्षण, हरित पर्यावरण एवं स्वच्छता जैसे विषयों पर मनमोहक कृतियाँ प्रस्तुत कीं। गतिविधि के माध्यम से बच्चों में रचनात्मक सोच, सौंदर्यबोध, सूक्ष्म अवलोकन, टीम भावना तथा प्राकृतिक संसाधनों के प्रति संवेदनशीलता का विकास हुआ।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री एस. के. मिश्रा ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, पाठ्य सहगामी गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। लीफ कोलाज जैसी गतिविधियां विद्यार्थियों की सृजनात्मक क्षमता को निखारने के साथ-साथ उन्हें प्रकृति के प्रति प्रेम, संरक्षण और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व का संदेश भी देती हैं। ऐसे रचनात्मक प्रयास बच्चों के व्यक्तित्व को नई दिशा प्रदान करते हैं तथा उन्हें सीखने की प्रक्रिया से आनंदपूर्वक जोड़ते हैं।

बोकारो स्टील सामूहिक दुर्घटना बीमा योजना का नवीनीकरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील सामूहिक दुर्घटना बीमा समिति द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए 'बोकारो स्टील सामूहिक दुर्घटना बीमा योजना' से सम्बंधित सर्कुलर जारी कर दिया गया है। बोकारो स्टील सामूहीक दुर्घटना बीमा वर्ष 2026-27 के बीमा व्याप्ति के लिए निविदा प्रक्रिया अपनाई गयी थी जिसमें मेसर्स बजाज जेनरल इंश्योरेंस लिमिटेड का दर सबसे कम होने पर इसके साथ बीमा पॉलिसी के लिए करार किया गया है। वार्षिक बीमा प्रीमियम प्रति व्यक्ति प्रति लाख रुपए के लिए 56.64 /- (छप्पन रुपए चौंसठ पैसे) मात्र सभी कर सहित है। बोकारो इस्पात संयंत्र सहित माइंस एवं कोलयरीज में कार्यरत ऑन रॉल सभी कर्मचारी (अधिशासी एवं अनाधिशासी) इस योजना का लाभ ले सकते हैं। इस वर्ष बीमा कवरेज के लिए कर्मचारी के साथ-साथ उनके पत्नी / पति भी पात्र हैं। बीमा अवधि के बीच कम्पनी में नियुक्त नये कर्मचारियों एवं अन्य इस्पात संयंत्र से स्थानान्तरित कर्मचारियों से यथानुपात प्रीमियम राशि की कटौती के बाद वे सामूहिक दुर्घटना बीमा की सदस्यता के पात्र होंगे।

जिन कर्मचारियों द्वारा गत वर्षों/अवधियों में इस योजना से ऑप्ट आउट का आवेदन दिया गया था, वह आवेदन इस वर्ष के योजना के लिये मान्य नहीं होगा। यदि कोई कर्मचारी/ सदस्य इस योजना का लाभ नहीं लेना चाहते हैं, तो 31 जुलाई 2026 तक ऑप्ट-आउट का आवेदन समिति द्वारा जारी सर्कुलर के अनुसार कर सकते हैं।

अगर किसी कर्मचारी/ सदस्य का दुर्घटना से स्थाई पूर्ण अपंगता होती है, तो दुर्घटना की सूचना दुर्घटना उपरांत बीजीएच, सरकारी अस्पताल या अधिकृत अस्पताल द्वारा चिकित्सा अशक्तता प्रमाण पत्र प्राप्त होने के 25 दिनों के अंदर तथा किसी कर्मचारी की दुर्घटना से मृत्यु होने के 25 दिनों के अंदर समिति के सचिव को लिखित रूप में विभागीय अधिकारी द्वारा अग्रसारित करवाने के पश्चात विभागीय डाक या ईमेल द्वारा दिया जा सकता है। योजना की अवधि 13 सितम्बर 2026 से 12 सितम्बर 2027 तक रहेगी तथा प्रीमियम की कटौती अगस्त 2026 माह के वेतन से की जाएगी।

बीमाकृत राशि कर्मचारी के लिए रुपए 25,00,000/- (पच्चीस लाख रुपए मात्र) है जबकि कर्मचारी के पति अथवा पत्नी के लिए बीमाकृत राशि रुपए 5,00,000/- (पाँच लाख रुपए मात्र है) । इसके अलावा अन्य सुविधाओं में रुपए 5,000/- (एम्बुलेंस खर्च) एवं रुपए 20,000/- (फ्यूनरल खर्च) भी शामिल है। ऑप्ट इन ऑप्शन पति/पत्नी के लिये तथा ऑप्ट-आउट आवेदन, दोनों की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 है। इस बीमा योजना में ऑप्ट-आउट करने के लिये नये आवेदन एचसीएम के द्वारा ही मान्य होंगे।

संक्षिप्त खबरें

चास में जुआ अड्डे पर पुलिस की छापेमारी छह गिरफ्तार

बोकारो : पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर चास थाना क्षेत्र के अंसारी मोहल्ला कब्रिस्तान के पास स्थित एक बंद चारदीवारी में बुधवार को पुलिस टीम ने छापेमारी की। पुलिस ने घेराबंदी कर कार्रवाई करते हुए मौके से छह लोगों को जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से कुल 36,200 रुपये नकद, आठ मोबाइल फोन, दो कॉपी, चार खुले ताश के गड्डी, दो पैक ताश के गड्डी तथा 1 से 9 अंक लिखे दो बैनर बरामद किया। इसके अलावा चारदीवारी के बाहर खड़े दस दोपहिया वाहनों को भी जब्त कर थाना ले जाया गया। पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई करने में जुट गई है। सूत्रों के अनुसार उस बंद चारदीवारी में बीते कुछ समय से जुआ खेल लगाया जाता है। इससे समाज में पड़ने वाले दुष्प्रभाव को देखते हुए बोकारो पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना दी गई थी, जिस पर पुलिस ने छापेमारी कर जुआ खेल का भंडाफोड़ किया।

सेक्टर-4 थाना की पहल से बच्चों को मिला पारिवारिक संरक्षण

बोकारो : दोनों बच्चियां अपने नानी घर में रह रही थीं तथा अपनी मां के घर जाने को तैयार नहीं थीं। इस कारण बच्चों की शिक्षा एवं मातृ स्नेह प्रभावित हो रहा था। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए परिजनों द्वारा सेक्टर-4 थाना से सहायता का अनुरोध किया गया। पुलिस द्वारा सभी पक्षों से बातचीत कर बच्चों की काउंसलिंग नगर महिला थाना प्रभारी मीरा लकड़ा और सीडब्लूसी द्वारा की गई तथा उनके सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए आवश्यक समझाइश दी गई। तत्पश्चात दोनों बच्चियों को सुरक्षित रूप से उनके माता-पिता के साथ घर भेजा गया। बच्चों का भविष्य शिक्षा, संस्कार एवं माता-पिता के स्नेह से संवरता है। सेक्टर-4 थाना सदैव जनहित एवं बाल संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध है।

शादी का झांसा देकर यौन शौषण, जान से मारने की धमकी देने का आरोपी गिरफ्तार

बोकारो : बोकारो पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शादी का झांसा देकर यौन शौषण करने और डराने-धमकाने के आरोपी जय प्रकाश मांझी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। आरोपी व्यक्ति मूलरूप से जरीडीह थाना क्षेत्र स्थित केंदुआडीह के बांस केनारी का स्थाई निवासी हैं। अनिता कमारी, पिता स्व० सुखदेव मुर्मू, पता- ग्राम जैना बस्ती, मिश्रा टोला थाना जरीडीह, वर्तमान पता एटवाल कॉलनी, थाना सेक्टर-4 जिला बोकारो थाना पहुंचकर शादी का प्रलभोन एवं जान मारने का भय दिखाकर रंगदारी पूर्वक यौन शौषन करने के संबंध में एक टंकित आवेदन दिया। उक्त घटना के आलोक में सेक्टर-4 थाना काण्ड संख्या-51/2026,14 जुलाई को धारा-67 बी०एन०एस० के तहत जय प्रकाश मांझी, पिता स्व० मेहीलाल मांझी, सा० केन्दुआडीह (बांस केनारी) थाना जरीडीह, वर्तमान पता सेक्टर-3/ए क्वार्टर नं0-671 थाना बी0एस0 सिटी जिला बोकारो के विरूद्ध दर्ज किया गया था। कांड के अनुसंधान के क्रम में कांड के प्राथमिकी अभियुक्त जय प्रकाश मांझी, पिता स्व० मेहीलाल मांझी, सा० केन्दुआडीह (बांस केनारी) थाना जरीडीह, वर्तमान पता- सेक्टर-3/ए क्वार्टर नं0-671 थाना बी०एस० सिटी जिला बोकारो को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। इस गिरफ्तारी में पु०अ०नि० कुमार विक्रम सिंह, स०अ०नि० मनोज कुमार ठाकुर, आरक्षी - 550 अनिल कुमार सिंह तथा आरक्षी - 1636 हरिश्चन्द्र राम शामिल थें।

नयावन में आज लगेगा ऐतिहासिक भगवान जगन्नाथ रथ मेला

चंदनकियारी : चंदनकियारी प्रखंड के नयावन पंचायत स्थित नयावन-पाबराटांड़ रथटांड़ में भगवान श्री श्री जगन्नाथ देव स्वामी की ऐतिहासिक रथ यात्रा मेला पिछले लगभग 70 वर्षों से श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित की जा रही है। इस वर्ष भी 16 जुलाई 2026 को पारंपरिक रथ मेला का आयोजन होगा, जिसमें भगवान जगन्नाथ देव मासीबाड़ी के लिए प्रस्थान करेंगे। जानकारी के अनुसार, वर्ष 1957 में संत श्री श्री उत्तमानंद परमहंस देव (रामेश्वर बाबाजी) ने ग्रामीणों के सहयोग से विधिवत रथ यात्रा की शुरूआत की थी। इसके बाद वर्ष 1960 में भगवान जगन्नाथ का मंदिर निर्मित कराया गया। रथ का प्रथम संचालन भी श्री श्री उत्तमानंद परमहंस देव के हाथों संपन्न हुआ था। रथ यात्रा के अवसर पर वर्षों से धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया जा रहा है। पूजा-अर्चना का दायित्व प्रारंभ से ही तारानारी के पंडित राजेंद्र पांडे तथा चंदनकियारी शिलफोर के पुजारी भोला पांडे निभाते आ रहे हैं। रथ मेला को लेकर नयावन-पाबराटांड़ सहित कुलटांड़, पर्वतपुर, शिलफोर, ढिबरदा, योगीडीह, बरडुभी, कारीटांड़ और टेटेगाबाद समेत आसपास के कई गांवों के श्रद्धालु तैयारियों में जुटे हुए हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। ग्रामीणों ने बताया कि यह रथ मेला केवल धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। श्रद्धालु पूरे उत्साह और भक्ति के साथ भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में शामिल होकर सुख, शांति और समृद्धि की कामना करेंगे।

संक्षिप्त डायरी

534.54 करोड़ रुपये की लागत से बिहार में यहां बनेगा फोर लेन रोड, झारखंड से कनेक्टिविटी होगी मजबूत

पटना (एजेंसी)बिहार में लगातार रोड प्रोजेक्ट्स पर काम किए जा रहे हैं. ऐसे में भागलपुर जिले को सौगात मिली है. नया फोर लेन रोड बनाया जाएगा, जिससे बिहार और झारखंड के बीच कनेक्टिविटी मजबूत हो सकेगी. सड़क के निर्माण की लागत लगभग 534.54 करोड़ रुपये है. बिहार में सरकार ने अजगैवीनाथ धाम, सुल्तानगंज से बिहार-झारखंड सीमा स्थित दर्दमारा तक फोर लेन सड़क के निर्माण को मंजूरी दे दी है. इस फोर लेन रोड की लंबाई लगभग 40 किलोमीटर होगी. इस रोड के बनने के बाद श्रावणी मेला में हर साल लाखों कांवरियों की आस्था की यात्रा अब पहले से कहीं ज्यादा आसान और सुरक्षित हो सकेगी. साथ ही बिहार की झारखंड से कनेक्टिविटी मजबूत हो सकेगी. जल्द ही जारी हो सकता है टेंडर मिली जानकारी के मुताबिक, इस परियोजना पर 534 करोड़ 53 लाख 59 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे. यह सड़क बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड (बीएसआरडीसीएल) के माध्यम से बनाई जाएगी. प्रशासनिक और तकनीकी स्वीकृति मिलने के बाद अब जल्द ही टेंडर जारी होने की उम्मीद है. अधिकारियों का लक्ष्य निर्माण एजेंसी का चयन कर नवंबर से काम शुरू कराना है. फोर लेन सड़क बनने से हो सकेगा ये फायदा इस फोरलेन सड़क के बनने से सिर्फ श्रावणी मेला में आने वाले श्रद्धालुओं को ही राहत नहीं मिलेगी, बल्कि सुलतानगंज, तारापुर, संग्रामपुर, बेलहर, कटोरिया, चांदन और बिहार-झारखंड सीमा से जुड़े लाखों लोगों को भी बेहतर सड़क सुविधा का लाभ मिलेगा. इससे यात्रा का समय कम होगा, जाम की समस्या में कमी आएगी और सड़क हादसों पर भी नियंत्रण मिलने की उम्मीद है. श्रावणी मेले के दौरान मिलेगी खास राहत श्रावणी मेला के दौरान हर साल लाखों शिवभक्त सुलतानगंज से पवित्र गंगाजल लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम तक पैदल यात्रा करते हैं. ऐसे में यह फोरलेन सड़क न केवल श्रद्धालुओं की यात्रा को अधिक सुगम बनाएगी, बल्कि क्षेत्र के विकास, व्यापार और आवागमन को भी नई गति देगी. आने वाले सालों में यह सड़क बिहार के प्रमुख धार्मिक और आर्थिक मार्गों में से एक बन सकती है.

नेपाल में भारी बारिश से नदियां उफान पर, कई गांवों के निचले इलाकों में फैला पानी

पटना (एजेंसी) नेपाल के तराई क्षेत्रों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण पूर्वी चंपारण की नदियां उफान पर हैं. दुधौरा नदी का जलस्तर बढ़ने से निचले इलाकों के खेतों में पानी फैलने लगा है, जिससे ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई है. नेपाल के तराई क्षेत्रों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश का असर अब पूर्वी चंपारण के बंजरिया प्रखंड में दिखने लगा है. प्रखंड से होकर गुजरने वाली नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है. खासकर दुधौरा नदी उफान पर है और उसका पानी आसपास के खेतों में फैलने लगा है. स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है, जबकि तटीय इलाकों के ग्रामीणों में बाढ़ की आशंका को लेकर चिंता बढ़ गई है. दुधौरा नदी का जलस्तर बढ़ा, खेतों में फैला पानी लगातार बारिश के कारण दुधौरा नदी का जलस्तर खतरे के निशान की ओर बढ़ रहा है. नदी का पानी घोडमरवा, हड़वा टोला, बढ़ईया टोला समेत आसपास के गांवों के सरेह (खेतों) में फैलने लगा है. निचले इलाकों में रहने वाले लोग एहतियात के तौर पर अपने पशुओं और जरूरी सामानों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में जुट गए हैं. प्रशासन अलर्ट, नदियों पर रखी जा रही नजर बंजरिया के नवपदस्थापित अंचलाधिकारी (सीओ) कृष्णा प्रताप सिंह ने बताया कि नेपाल में लगातार बारिश के कारण सिकरहना, तिलावे, बंगरी और दुधौरा नदियों के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है. प्रशासन की ओर से सभी नदियों की लगातार निगरानी की जा रही है. संबंधित कर्मियों को सतर्क रहने और किसी भी बदलाव की सूचना तुरंत देने के निर्देश दिए गए हैं. ग्रामीणों में बढ़ी चिंता जलस्तर बढ़ने से तटीय गांवों के लोगों में दहशत का माहौल है

बिहार कैबिनेट की बैठक, युवाओं के लिए नौकरी, नई योजनाओं समेत लिए जा सकते हैं ये फैसले

पटना (एजेंसी) बिहार कैबिनेट की बैठक बुधवार को होगी. बैठक की अध्यक्षता सीएम सम्राट चौधरी करेंगे. इसमें युवाओं के लिए नौकरी, महिलाओं के लिए राहत, नई योजनाओं समेत कई प्रमुख फैसले लिए जा सकते हैं. बिहार कैबिनेट की बैठक आज शाम मुख्य सचिवालय स्थित मंत्रिमंडल कक्ष में होगी. इस बैठक में सीएम सम्राट चौधरी, डिप्टी सीएम बिजेंद्र यादव और विजय चौधरी समेत कई विभागों के मंत्री और अधिकारी शामिल होंगे. इस बैठक में कई विभागों से जुड़े मुख्य एजेंडों पर मुहर लग सकती है. बैठक के बाद शाम 6 बजे कैबिनेट ब्रीफिंग होगी. इन मुद्दों पर लिया जा सकता है फैसला आज की बैठक में बिहार के युवाओं के लिए नई नौकरी को लेकर फैसला लिया जा सकता है. कई विभागों में उनके लिए नई बहाली निकाली जा सकती है. सरकार की तरफ से साल 2030 तक 1 करोड़ युवाओं को नौकरी देने का लक्ष्य तय किया गया है. ऐसे में आज होने वाली कैबिनेट की बैठक में उनसे जुड़ा फैसला लिया जा सकता है. इनके लिए भी योजनाओं पर हो सकती है चर्चा इसके अलावा नई योजनाओं को मंजूरी मिल सकती है. कई विभागों से जुड़ी महिलाओं, विधवा, बुजुर्गों और बिहार के लोगों के हित में नई योजनाओं पर मुहर लग सकती है. साथ ही सामान्य प्रशासन विभाग से जुड़ा फैसला भी लिया जा सकता है. इस बैठक में राज्य में सड़क, फोरलेन, पुल समेत नए निमार्णों को भी मंजूरी मिल सकती है. बिहार में रोड के साथ-साथ रेल और हवाई कनेक्टिविटी पर भी पूरा जोर दिया जा रहा है. 8 जुलाई को हुई बैठक में क्या हुआ था? इससे पहले 8 जुलाई को कैबिनेट की बैठक हुई थी, जिसमें 22 एजेंडों पर मुहर लगी थी. इसमें ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और शहरी विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव शामिल थे. खासकर बिहार में तेज और आधुनिक परिवहन व्यवस्था की दिशा में कदम उठाया गया था. पटना से चार प्रमुख शहरों के बीच रैपिड रेल चलाने की मंजूरी दी गई थी. जानकारी के मुताबिक, पटना से मुजफ्फरपुर (हाजीपुर और सोनपुर होते हुए), पटना से बेगूसराय, पटना से आरा और पटना से गया जी के बीच रैपिड रेल चलाई जाएगी. सम्राट कैबिनेट में इन रूटों के लिए ड्ढफ तैयार करने की मंजूरी दे दी थी. राज्य में रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (फ्ऌ्ळर) के तहत चार कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे.

बांकीपुर उपचुनाव: वोटिंग से पहले घर-घर जाकर पर्ची बाटेंगे इछड, मतदान कर्मियों को दी जाएगी ट्रेनिंग

पटना (एजेंसी) बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर चुनाव आयोग ने पूरी तैयारी कर ली है. इस बार खास तौर पर वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है. घर-घर जाकर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जाएगा. बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर चुनाव आयोग ने पूरी ताकत झोंक दी है. इस बार सिर्फ चुनाव कराने पर ही नहीं, बल्कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को मतदान केंद्र तक पहुंचाने पर भी खास जोर दिया जा रहा है. यही वजह है कि घर-घर मतदाता जागरूकता अभियान शुरू किया जा रहा है, ताकि कोई भी मतदाता अपने अधिकार का इस्तेमाल करने से न चूके. बीएलओ को मिली ये जिम्मेदारी इस अभियान के तहत बूथ लेवल अधिकारी यानी बीएलओ घर-घर जाकर मतदाता पर्ची बांटेंगे. साथ ही लोगों को मतदान का महत्व समझाएंगे और मतदान वाले दिन जरूर वोट डालने की अपील करेंगे. खासतौर पर उन शहरी बूथों पर विशेष अभियान चलाया जाएगा, जहां पिछले चुनावों में मतदान प्रतिशत कम रहा था. जागरूकता बढ़ाने के लिए की गई प्लानिंग स्वीप (सिस्टेमैटिक वोटर्स एजुकेशन एंड इलेक्टोरल पार्टिसिपेशन) अभियान के तहत शहर के प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक जगहों पर बैनर और पोस्टर लगाए जाएंगे. इसके अलावा मतदाता जागरूकता रैली, जागरूकता रथ, कॉलेजों में कार्यक्रम, मतदान की शपथ, रंगोली कंपटीशन, सोशल मीडिया समेत अन्य तरह के अभियान के जरिए लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया जाएगा. मतदान कर्मियों को दी जाएगी ट्रेनिंग अधिकारियों का मानना है कि लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब हर पात्र मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेगा. चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए मतदान कर्मियों के लिए ट्रेनिंग की भी शुरूआत हो गई है. 16 से 18 जुलाई तक पहले फेज जबकि 23 और 24 जुलाई को दूसरे फेज की ट्रेनिंग दी जाएगी. इसके अलावा ईवीएम कलेक्शन टीम और मतगणना कर्मियों को भी अलग-अलग फेज में ट्रेनिंग दी जाएगी. 21 कोषांग को किया गया एक्टिव जानकारी के मुताबिक, उपचुनाव की तैयारी संभालने के लिए 21 कोषांग को एक्टिव किए गए हैं. इसमें जिला प्रशासन ने कार्मिक, हेल्पलाइन, विधि-व्यवस्था, मीडिया और एमसीएमसी, स्वीप समेत अन्य शामिल हैं. बांकीपुर विधानसभा को 42 सेक्टर में डिवाइड किया गया है और 422 पोलिंग बूथ बनाए जायेंगे. यहां पर वोटर्स के लिए सभी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी.

सीएम गोराडीह में राजकीय डिग्री कॉलेज का करेंगे उद्घाटन, राज्य के 211 नए कॉलेजों में भी शुरू होगा पठन-

पटना (एजेंसी) भागलपुर जिले के गोरडीह में नवस्थापित राजकीय डिग्री महाविद्यालय का आज मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी उद्घाटन करेंगे. इस मौके पर राज्य के 211 नए डिग्री कॉलेजों में भी शैक्षणिक गतिविधियां शुरू होंगी. स्थानीय विद्यार्थियों को मिलेगा उच्च शिक्षा का लाभ. भागलपुर जिले के गोरडीह स्थित नवस्थापित राजकीय डिग्री महाविद्यालय में बुधवार को उद्घाटन समारोह आयोजित होगा. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी इस महाविद्यालय का उद्घाटन करेंगे. कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया है. उद्घाटन के साथ ही राज्य के 211 नए राजकीय डिग्री महाविद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियां भी शुरू हो जाएंगी. उद्घाटन को लेकर प्रशासन अलर्ट महाविद्यालय परिसर और आसपास के इलाके में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं. कार्यक्रम स्थल पर पुलिस बल की तैनाती की गई है. सुबह से ही प्रशासनिक और सरकारी अधिकारी तैयारियों का जायजा लेते रहे. सभा स्थल से लेकर उद्घाटन स्थल तक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाया गया है, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके. कार्यक्रम स्थल तक पैदल जाना होगा प्रशासन के निर्देशानुसार कार्यक्रम स्थल के आसपास किसी भी निजी वाहन को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी. सुरक्षा कारणों और भीड़ प्रबंधन को देखते हुए लोगों को अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थल पर खड़े कर पैदल कार्यक्रम स्थल तक पहुंचना होगा. ग्रामीण विद्यार्थियों को मिलेगा बड़ा लाभ गोरडीह राजकीय डिग्री महाविद्यालय तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित होगा. महाविद्यालय के शुरू होने से गोरडीह और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूर-दराज के शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा. इससे स्थानीय स्तर पर ही स्नातक की पढ़ाई की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी. 211 नए डिग्री कॉलेजों में भी शुरू होगा शिक्षण कार्य मुख्यमंत्री कार्यक्रम के दौरान राज्य के 211 नवस्थापित राजकीय डिग्री महाविद्यालयों का भी एक साथ उद्घाटन करेंगे. इसके साथ ही इन सभी कॉलेजों में पठन-पाठन कार्य का औपचारिक शुभारंभ होगा. राज्य सरकार का मानना है कि इस पहल से उच्च शिक्षा का दायरा बढ़ेगा और अधिक से अधिक विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिलेगा. स्थानीय लोगों में उत्साह का माहौल गोरडीह में महाविद्यालय के उद्घाटन को लेकर स्थानीय लोगों और विद्यार्थियों में खासा उत्साह है. लोगों का मानना है कि इस महाविद्यालय के शुरू होने से क्षेत्र के शैक्षणिक विकास को नई दिशा मिलेगी और विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर अपने क्षेत्र में ही उपलब्ध हो सकेंगे.

बिहार के इन स्टेशनों पर होगा गुवाहाटी स्पेशल ट्रेन का स्टॉपेज, यूपी-बंगाल का सफर बनेगा आसान

पटना (एजेंसी) बिहार के रेल यात्रियों के लिए अच्छी खबर है. 16 जुलाई से कानपुर सेंट्रल से गुवाहाटी के बीच स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी. यह ट्रेन हफ्ते में एक दिन चलेगी. इस ट्रेन के चलने से यात्रियों को भीड़भाड़ की समस्या नहीं झेलनी पड़ेगी. बिहार के रेल यात्रियों को राहत मिल गई है. ट्रेन की कन्फर्म टिकट को लेकर होने वाली परेशानी अब काफी हद तक कम हो सकती है. रेलवे बोर्ड ने यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए कानपुर सेंट्रल और गुवाहाटी के बीच नई साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है. इस ट्रेन के शुरू होने से उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और असम की यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है. कब से कब तक चलाई जाएगी ट्रेन? रेलवे की ओर से जारी टाइम टेबल की माने तो, यह स्पेशल ट्रेन 16 जुलाई से 3 नवंबर तक हर गुरुवार को कानपुर सेंट्रल से गुवाहाटी के बीच चलेगी. वापसी में यह ट्रेन 17 जुलाई से 4 नवंबर तक हर शुक्रवार को गुवाहाटी से कानपुर सेंट्रल के लिए चलेगी. खास बात यह है कि ट्रेन का संचालन रक्षाबंधन, दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ महापर्व जैसे त्योहारों को ध्यान में रखकर किया गया है, ताकि यात्रियों को टिकट के लिए लंबा इंतजार न करना पड़े. बिहार में स्पेशल ट्रेन का रूट? जानकारी के मुताबिक, यह ट्रेन प्रयागराज, वाराणसी, गाजीपुर सिटी, बलिया, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर, बरौनी और बेगूसराय जैसे प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी. इसके बाद कटिहार और किशनगंज होते हुए पश्चिम बंगाल के रास्ते असम के गुवाहाटी पहुंचेगी. इस तरह से इस ट्रेन के चलने से बिहार का दूसरे राज्यों के बीच कनेक्टिविटी मजबूत हो सकेगी. ट्रेन में लोगों को मिलेंगी ये सुविधाएं यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन में टोटल 16 आधुनिक एलएचबी कोच लगाए गए हैं. इनमें 6 स्लीपर, 6 जनरल, 2 एसी थ्री-टियर और 2 एसएलआर कोच शामिल हैं. इस नई स्पेशल ट्रेन के शुरू होने से सफर पहले से कहीं ज्यादा आसान और सुविधाजनक हो सकेगा. खासकर भागलपुर, कटिहार और इसके आस-पास के जिलों के लोगों को फायदा मिल सकेगा.

नेपाल में बारिश से उफान पर बागमती नदी, पार किया खतरे का निशान, बाढ़ का अलर्ट

पटना (एजेंसी) नेपाल से लगातार बारिश के कारण पूर्वी चंपारण की बागमती नदी खतरे के निशान को पार कर गई है. नदी का जलस्तर बढ़ने से निचले इलाकों और खेतों में पानी फैलने लगा है, जिससे बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है. प्रशासन और जल संसाधन विभाग अलर्ट पर हैं. नेपाल के जलग्रहण क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश का असर अब पूर्वी चंपारण के पताही प्रखंड में भी दिखने लगा है. बागमती और लालबकेया नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है. बागमती नदी खतरे के निशान को पार कर चुकी है, जिससे निचले इलाकों और खेतों में पानी फैलने लगा है. संभावित बाढ़ को देखते हुए प्रशासन और जल संसाधन विभाग अलर्ट मोड में आ गया है. खतरे के निशान से ऊपर पहुंचा बागमती का जलस्तर प्रशासन के अनुसार बागमती नदी का जलस्तर 61.28 मीटर के खतरे के निशान को पार करते हुए 61.34 मीटर तक पहुंच गया है. नदी का पानी अब तटबंध के भीतर से निकलकर खेतों और निचले इलाकों की ओर फैलने लगा है, जिससे तटवर्ती गांवों में चिंता बढ़ गई है. तटबंधों पर तेज किया गया सुरक्षा कार्य संभावित बाढ़ को देखते हुए बागमती परियोजना, शिवहर की ओर से बेलवाघाट से देवापुर और खोरीपाकर तक तटबंधों पर सुरक्षात्मक कार्य कराया जा रहा है. वहीं जल संसाधन विभाग, मोतिहारी द्वारा खोरीपाकर से महमतपुर तथा सपही से गुआवरी तक तटबंधों की निगरानी और मरम्मत का काम तेज कर दिया गया है. प्रशासन की जलस्तर पर लगातार नजर पताही के अंचलाधिकारी नितेश रंजन सेठ ने बताया कि बागमती नदी के जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है. संबंधित विभागों को पूरी तरह सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है ताकि जलस्तर में और वृद्धि होने पर तत्काल आवश्यक कदम उठाए जा सकें. निचले इलाकों के लोगों की बढ़ी चिंता नदी का पानी खेतों की ओर फैलने से किसानों और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है. यदि नेपाल में बारिश का सिलसिला जारी रहा तो आने वाले दिनों में बाढ़ की स्थिति और गंभीर हो सकती है.

'छाती दबाना रेप की कोशिश नहीं', पटना HC के इस आदेश पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, जानिए पूरा मामला

पटना (एजेंसी) पटना हाईकोर्ट ने एक फैसले में कहा कि महिला की छाती दबाना दुष्कर्म के प्रयास की श्रेणी में नहीं आता। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक संवेदनशीलता पर जोर देते हुए महत्वपूर्ण दिशानिर्देश जारी किए हैं। पटना हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि किसी महिला की छाती दबाना और उसकी सलवार हटाने का प्रयास करना हर मामले में दुष्कर्म के प्रयास के अपराध की श्रेणी में नहीं आएगा. इस यौन अपराध से जुड़े मामलों में न्यायिक संवेदनशीलता को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की है. शीर्ष अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों की सुनवाई करते समय न्यायाधीशों को प्रासंगिक फैसलों और दिशा-निर्देशों का अध्ययन करना चाहिए. कोर्ट ने राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी (NJA) की तैयार हैंडबुक और समिति की रिपोर्ट को सुप्रीम कोर्ट तथा सभी हाई कोर्ट की वेबसाइटों पर अपलोड करने का निर्देश दिया है. साथ ही राज्यों से कहा गया है कि पुलिस एफआईआर दर्ज करने और चार्जशीट दाखिल करने के दौरान इन दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करे. इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश के बाद शुरू हुआ था मामला यह मामला इलाहाबाद हाई कोर्ट के 17 मार्च 2025 के एक विवादित आदेश के बाद स्वतः संज्ञान के रूप में सुप्रीम कोर्ट पहुंचा. उस आदेश में कहा गया था कि किसी लड़की के पजामे का नाड़ा खींचना और उसके स्तनों को पकड़ना अपने आप में रेप की कोशिश नहीं माना जा सकता. इस टिप्पणी के बाद व्यापक विवाद हुआ और सुप्रीम कोर्ट ने मामले का संज्ञान लिया. सुनवाई के दौरान पटना हाई कोर्ट के फैसले का भी हुआ जिक्र सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा गुप्ता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि इसी तरह की टिप्पणियां समय-समय पर विभिन्न अदालतों से आती रही हैं. उन्होंने 9 जुलाई को पटना हाई कोर्ट के एक फैसले का भी उल्लेख किया, जिसमें कहा गया था कि किसी महिला की सलवार उतारना और उसकी छाती दबाना, उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर, रेप की कोशिश साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं है. सीजेआई ने कहा, जजों को भी करनी चाहिए रिसर्च इस पर जस्टिस बी. मोहना ने पूछा कि क्या पटना हाई कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले और न्यायिक संवेदनशीलता संबंधी दिशा-निर्देशों का उल्लेख किया था. वहीं भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि न्यायाधीशों की जिम्मेदारी है कि वे ऐसे मामलों में प्रासंगिक निर्णयों का अध्ययन करें. उन्होंने टिप्पणी की, ₹जजों को भी रिसर्च करनी चाहिए. स्टाफ कुछ नहीं कर रहा है.₹ क्या था पटना हाई कोर्ट का फैसला पटना हाई कोर्ट ने हाल ही में एक मामले में कहा था कि यदि कोई व्यक्ति किसी महिला की सलवार उतारता है और उसकी छाती दबाता है, तो यह कृत्य महिला की मर्यादा भंग करने के अपराध की श्रेणी में आएगा. हालांकि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर इसे रेप की कोशिश नहीं माना जा सकता. जस्टिस पूर्णेंदु सिंह ने रेप की कोशिश के आरोप में दोषी ठहराए गए आरोपी की सजा को आंशिक रूप से रद्द करते हुए यह टिप्पणी की थी. 2008 की घटना में ट्रायल कोर्ट ने सुनाई थी सजा यह मामला वर्ष 2008 का है. शिकायत के अनुसार, पीड़िता अपने पिता के साथ एक फोटोग्राफी स्टूडियो गई थी, जहां आरोपी ने उसे फोटो दिखाने के बहाने अंदर रोक लिया.

दुनिया के इन जादुई झरनों को देखकर बन जाएगा आपका दिन, छूमंतर होगा सारा स्ट्रेस

दुनिया भर में प्राकृतिक सुंदरता का एक अनोखा अनुभव झरनों में देखने को मिलता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा काफी मनमोहक होता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा देखना लोगों के मन को सुकून पहुंचाने के साथ रोमांच का अनुभव कराता है। बता दें कि दुनिया में कई ऐसे झरने हैं, जिनकी ऊंचाई और सुंदरता उनको खास बनाती है। इन झरनों की ऊंचाई सुनकर कोई भी चौंक जाएगा, वहीं इनकी सुंदरता भी उतनी ही सुकूनदायक है।

पहाड़ों, गहरी घाटियों और हरियाली बीच बहते हुए यह झरने प्राकृतिक कला का अनूठा और अद्वितीय उदाहरण है। अगर आप भी प्रकृति प्रेमी है और घूमने के भी शौकीन हैं, तो आपको दुनिया के सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों का दीदार करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दुनिया के कुछ सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों के बारे में बताने जा रहे हैं।

एंजेल फॉल्स , वेनेजुएला

वेनेजुएला दक्षिणी अमेरिकी महाद्वीप पर एक देश है। जहां पर एंजेल फॉल्स बहता है। वेनेजुएला का यह एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है। जोकि वेनेजुएला के केनैमा नेशनल पार्क में स्थित है। इस झरने की धारा इतनी ऊंचाई से गिरती है कि पानी नीचे तक पहुंचते-पहुंचते बारीक-बारीक बूंदों में बदल जाता है।

टुगेला फॉल्स, दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका में मौजूद टुगेला फॉल्स की ऊंचाई 3,110 फीट है। बारिश के मौसम में यहां का नजारा देखने लायक है। यह रॉयल नेटल नेशनल पार्क के ड्रेकेन्सबर्ग माउंटेन्स पर स्थित है।

थ्री सिस्टर्स फॉल्स, पेरू

पेरू एक बेहद खूबसूरत जगह है, जहां पर आपको थ्री सिस्टर्स फॉल्स नाम का शानदार जलप्रपात देखने को मिलेगा। यह अमेजन जंगल के बीच स्थित है और तीन स्तरों में बहता है। इसी वजह से इसका नाम %थ्री सिस्टर्स% पड़ा। ट्रैकिंग और रोमांच पसंद करने वालों के लिए यह जगह जन्नत से कम नहीं है।

ओलूपेना फॉल्स, हवाई

संयुक्त राज्य अमेरिका के हवाई में करीब 900 मीटर की ऊंचाई पर ओलूपेना फॉल्स है। ओलूपेना फॉल्स सीधे समंदर से लगती चट्टानों से गिरता है और सिर्फ बोट या हेलिकॉप्टर से ही देखा जा सकता है।

युंबिला फॉल्स, पेरू

बता दें कि युबिला फॉल्स सबसे ऊंचे झरनों में शामिल है, यह पेरू में है। हाल ही में खोज में यह झरना पाया गया है। जोकि पेरू के घने जंगलों में छिपा है और अब धीरे-धीरे फेमस हो रहा है। यहां पर आपको चारों ओर मनमोहक नजारा देखने को मिलेगा।

श्रीनगर सिर्फ एक शहर नहीं, एक ऐसा अनुभव जो आपकी रूह को छू जाए!

भारत के जम्मू और कश्मीर राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर को धरती का स्वर्ग यूं ही नहीं कहा जाता। हरे-भरे बाग़, बर्फ से ढकी पहाड़ियाँ, शांत झीलें और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत श्रीनगर को न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में एक अनूठा पर्यटन स्थल बनाते हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य और झीलों का शहर

श्रीनगर की सबसे प्रसिद्ध पहचान डल झील है। इसमें हाउसबोट पर रहने का अनुभव जीवन भर याद रहता है। शिकारा की सवारी करते हुए झील के शांत पानी पर तैरते बाजार, कमल के फूल और आसपास के हिमालयी नजारे किसी स्वप्न से कम नहीं लगते। नगीन झील भी पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो शांति और एकांत की तलाश में होते हैं।

बाग-बग़ीचों की सौगात

मुग़ल बादशाहों ने श्रीनगर में कई खूबसूरत बाग़ बनवाए, जिनमें प्रमुख हैं:

शालीमार बाग़

निशात बाग़

चश्म-ए-शाही

ये बाग़ झेलम नदी के किनारे स्थित हैं और यहाँ से झील व पर्वतों का दृश्य अत्यंत मनोरम दिखाई देता है।

धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल

श्रीनगर में कई ऐतिहासिक मस्जिदें और मंदिर हैं। इनमें प्रमुख हैं:

हजरतबल दरगाह- जहाँ पैगंबर मोहम्मद का एक पवित्र अवशेष रखा गया है।

शंकराचार्य मंदिर- जो एक पहाड़ी पर स्थित है और वहाँ से श्रीनगर का विहंगम दृश्य दिखाई देता है।

जामा मस्जिद- पुरानी कश्मीर वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण।

स्थानीय बाज़ार और हस्तशिल्प

श्रीनगर के बाज़ारों में कश्मीरी कालीन, पश्मीना शॉल, लकड़ी की नक़्क़ाशी और कागजी माछे की कला खरीदने लायक होती है। लाल चौक, बादशाह चौक और रेजिडेंसी रोड मुख्य शॉपिंग स्थान हैं।

खानपान की विशेषता – कश्मीरी व्यंजन विश्वविख्यात हैं। रोगनजोश, यखनी, दुम आलू, और गुस्ताबा जैसे व्यंजन स्वादिष्ट और मसालेदार होते हैं। चाय प्रेमियों को कहवा ज़रूर आज़माना चाहिए – यह केसर और सूखे मेवों से बना एक पारंपरिक पेय है।

पर्यटन के लिए उपयुक्त समय

श्रीनगर जाने का सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर के बीच होता है, जब मौसम सुहावना रहता है। बर्फबारी का आनंद लेना हो तो दिसंबर से फरवरी का समय उपयुक्त है।

श्रीनगर केवल एक शहर नहीं, बल्कि एक अनुभव है- जहाँ हर मोड़ पर प्रकृति, संस्कृति और शांति एक साथ मिलती हैं। यदि आप प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक विरासत और मेहमाननवाज़ी का मिश्रण चाहते हैं, तो श्रीनगर आपकी अगली यात्रा सूची में अवश्य होना चाहिए।

मांडू पर्यटनः प्रेम, वास्तुकला और इतिहास की अद्भुत नगरी

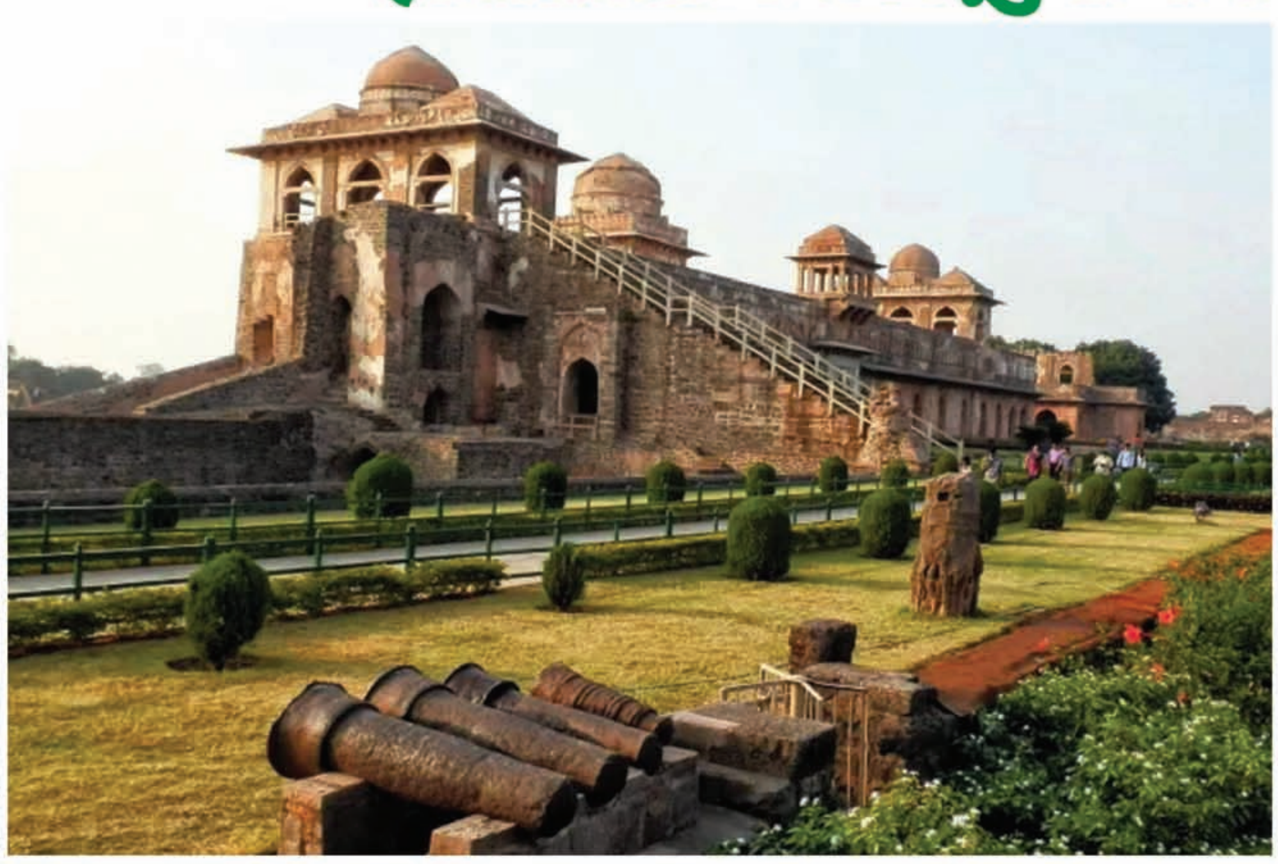

मध्य प्रदेश के धार ज़िले में स्थित मांडू जिसे मांडवगढ़ या शादीशुदा पत्थरों का शहर भी कहा जाता है, भारतीय पर्यटन मानचित्र पर एक अनूठा और ऐतिहासिक स्थल है। पहाड़ियों पर बसा यह नगर न केवल स्थापत्य कला और प्राचीन स्मारकों के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि रानी रूपमती और बाज बहादुर की अमर प्रेम कहानी के लिए भी मशहूर है। मांडू की हवाओं में इतिहास की गूंज, प्रेम की सरगम और स्थापत्य का सौंदर्य साथ-साथ बहता है।

मांडू का ऐतिहासिक परिचय

मांडू का इतिहास लगभग 6वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है, लेकिन इसका स्वर्ण युग मालवा सल्तनत (15वीं सदी) के दौरान आया। इस दौरान यहाँ कई भव्य महलों, मस्जिदों, बावड़ियों और दरवाजों का निर्माण हुआ। मांडू की भौगोलिक स्थिति— विंध्याचल की पहाड़ियों पर और नर्मदा घाटी के किनारे— इसे एक स्वाभाविक किला बनाती है।

मांडू के प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. जहाज़ महल

यह महल दो झीलों— कपूर तालाब और मुंज तालाब— के बीच स्थित है, जिससे यह एक जहाज की तरह प्रतीत होता है। इसका निर्माण 15वीं सदी में सुल्तान ग़ियासुद्दीन खिलजी ने अपनी 15,000 रानियों के लिए करवाया था। रात्रि में इसका प्रतिबिंब जल में झलकता है, जो एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है।

2. हिंदोला महल

हिंदोला (झूला) महल अपनी झुकी हुई दीवारों के कारण प्रसिद्ध है। इसका उपयोग दरबारी सभाओं के लिए किया जाता था। इसकी स्थापत्य शैली वास्तुकला के चमत्कारों में गिनी जाती है।

3. रूपमती महल

यह वह स्थान है जहाँ से रानी रूपमती नर्मदा नदी को निहारती थीं। यह प्रेम कहानी का सबसे भावनात्मक स्थल है, जहाँ से मांडू की घाटी और नर्मदा के दर्शन होते हैं।

4. बाज बहादुर महल

यह महल मांडू के अंतिम स्वतंत्र शासक बाज बहादुर का निवास था। इसकी वास्तुकला में राजपूत और मुस्लिम शैलियों का संगम देखने को मिलता है।

5. जामा मस्जिद

यह मस्जिद दिल्ली की जामा मस्जिद से प्रेरित है और मांडू के स्थापत्य वैभव को दर्शाती है। इसके विशाल प्रांगण और सुंदर मेहराबें इसकी विशेषता हैं।

6. रेवा कुंड

यह पवित्र कुंड नर्मदा नदी को समर्पित है और माना जाता है कि रूपमती इसी से जल ग्रहण करती थीं।

मांडू उत्सव

प्रत्येक वर्ष दिसंबर-जनवरी के महीने में मांडू उत्सव का आयोजन होता है, जिसमें स्थानीय लोक-संगीत, नृत्य, कला प्रदर्शन, साइकिल टूर और हॉट एयर बलून जैसी गतिविधियाँ होती हैं। यह उत्सव मांडू को जीवंत रूप देता है।

कैसे पहुँचे?

निकटतम हवाई अड्डा : इंदौर (लगभग 100 किमी)

रेलवे स्टेशन : इंदौर और रतलाम दोनों से सड़क मार्ग उपलब्ध

सड़क मार्ग: इंदौर, धार और महेश्वर से मांडू के लिए बसें और टैक्सियाँ आसानी से मिलती हैं

ठहरने की व्यवस्था

मांडू में मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित होटल और कुछ निजी रिसॉर्ट्स उपलब्ध हैं। प्राकृतिक सुंदरता के बीच रुकना अपने आप में एक अद्वितीय अनुभव होता है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

अक्टूबर से मार्च के बीच मांडू घूमने के लिए सबसे उपयुक्त समय होता है। खासकर मानसून के बाद (जुलाई-सितंबर) मांडू की हरियाली और झीलें इसे और भी सुंदर बना देती हैं।

मांडू केवल एक ऐतिहासिक नगर नहीं, बल्कि एक जीवित कथा है— प्रेम, कला और संस्कृति की। यहाँ की हवाएं रूपमती के सुरों को, दीवारें बाज बहादुर के प्रेम को और झीलें बीते समय की परछाइयों को संजोए हुए हैं। यदि आप एक शांत, सुंदर और ऐतिहासिक स्थल की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो मांडू अवश्य आपकी सूची में होना चाहिए।

मानसून में इन जगहों पर पास से महसूस कर पाएंगे प्रकृति की खूबसूरती

मानसून का मौसम आते ही बारिश की बूंदे पर धरती पर पड़ती हैं, तो प्रकृति अपनी खूबसूरती के चरम पर पहुंच जाती है। बारिश के मौसम में भारत के कुछ स्थलों पर अद्भुत नजारे देखने को मिलते हैं। हरे-भरे जंगल, पहाड़ों से गिरते झरने, घनघोर बादलों से ढकी घाटियां और ठंडी हवाएं मन को सुकून देने का काम करती हैं। बारिश आपको प्रकृति से जुड़ने का मौका देती है। इस मौसम में घूमना और प्रकृति की खूबसूरती को महसूस करना आपको एक अलग एक्सपीरियंस दे सकता है।

इस मानसून में आप एक छोटा सा ब्रेक लेकर भीगती वादियों की सैर पर निकल जाएं। फिर चाहे वह फैमिली आउटिंग, सोलो एडवेंचर या रोमांटिक ट्रिप हो। भारत की कुछ जगहें मानसून में आपके अनुभव को यागदार बना देंगी। ऐसे में अगर आप भी बारिश में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो भारत की इन जगहों को आपकी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल करें।

महाबलेश्वर, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के महाबलेश्वर हिल स्टेशन की खूबसूरती मानसून में देखने लायक होती है। यहां के हरे-भरे पहाड़, शानदार घाटियां और स्ट्रॉबेरी फार्म काफी लोकप्रिय हैं। मानसून में बादलों से ढके रास्ते और बहते हुए झरने इस जगह की सुंदरता को बढ़ा देते हैं। आप यहां पर वेन्ना लेक, आर्थर सीट और प्रतापगढ़ किला घूम सकते हैं।

लोनावला-खंडाला, महाराष्ट्र

मुंबई और पुणे के पास स्थिति लोनावला और खंडाला हिल स्टेशन बेहद खूबसूरत नजर आता है। यह जगह मानसून में हरियाली से ढक जाता है। झरने, ट्रेकिंग और खूबसूरत घाटियों के लिए यह मौसम बेस्ट है। अगर आप खंडाला और लोनावला घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो कुछ जगहें आकर्षण का केंद्र रहती हैं। आप यहां पर टाइगर पॉइंट, भुशी डैम और राजमाची किले को एक्सप्लोर करें।

अलेप्पी, केरल

अगर आप भी मानसून में बैकवॉटर का अनुभव और हाउसबोट की अनोखी सैर करना चाहते हैं, तो आपको केरल के अलेप्पी की ट्रिप प्लान कर सकते हैं। बारिश की फुहारों के साथ शांत जल में हाउस बोट पर तैरते रहना आपको एक अलौकिक अनुभव देगा।

मुन्नार, केरल

केरल का मुन्नार चाय के बागानों के लिए काफी ज्यादा फेमस है। बारिश में इन्हीं चाय के बागानों की हरियाली दोगुनी हो जाती है और यह काफी खूबसूरत नजर आती है। यहां पर बादलों से घिरे पहाड़ और शांत झीलें मनमोहक अनुभव कराती हैं। मानसून में मुन्नार एक फोटो परफेक्ट हिल स्टेशन बन जाता है। यहां पर आप एराविकुलम नेशनल पार्क और मट्टुपेट्टी डैम आदि को एक्सप्लोर कर सकती हैं।

चेरापूंजी, मेघालय

दुनिया में सबसे अधिक बारिश वाले स्थानों में से एक मेघालय का चेरापूंजी है। यहां पर मानसून में सबसे ज्यादा बारिश होती है। लेकिन मानसून में चेरापूंजी का आकर्षण कई गुना बढ़ जाता है। यहां पर झरने, बारिश और लिविंग रूटब्रिज इस जगह को खास बनाती हैं। अगर आप मानसून में चेरापूंजी की यात्रा करने का प्लान कर रहे हैं, तो आपको सेवन सिस्टर्स फॉल्स और नोक्रेक बायोस्फीयर रिजर्व जरूरे एक्सप्लोर करना चाहिए।

रोहित-विराट दोनों फ्लॉप

पहले वनडे में 'RoKo' फैंस निराश

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में भारतीय दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों खास कमाल नहीं कर पाए। रोहित 21 गेंद पर 11 और विराट 6 गेंद पर 5 रन बनाकर पवेलियन लौटे। लिहाजा इंग्लैंड दौरे पर वनडे सीरीज के पहले मैच में रोको फैंस को निराश लौटना पड़ा। इतना ही नहीं कुछ ऐसे आंकड़े और कमजोरियां भी दोनों खिलाड़ियों की सामने आई जिससे टीम इंडिया की टेंशन भी बढ़ गई।

रोहित शर्मा का वनडे वर्ल्ड कप 2023 से चैंपियंस ट्रॉफी 2025 तक पहले 10 ओवर में स्ट्राइक रेट 122.56 और औसत 67.41 का था। मगर अक्टूबर 2025 से अब तक रोहित का स्ट्राइक रेट पहले 10 ओवर में गिरकर 86.12 का हो गया है और औसत भी कम होकर 44.50 हो गया है। दूसरी ओर विराट कोहली की बात करें तो लंबे समय बाद वह भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने उतरे। अफगानिस्तान सीरीज में वह टीम का हिस्सा नहीं थे और इंजरी के कारण बाहर थे।

टीम इंडिया के लिए क्यों बढ़ी चिंता?

इंग्लैंड दौरे पर विराट कोहली का भी आगाज अच्छा नहीं रहा। वह जोफ्रा आर्चर की गेंद पर पगबाधा आउट हुए। जनवरी 2023 से अब तक यह चौथा मौका था जब पेस बॉलर के खिलाफ विराट पगबाधा आउट हुए। जबकि उससे पहले 10 साल में वह सिर्फ एक बार ही तेज गेंदबाज के सामने इस तरह आउट हुए थे। यह रोहित और विराट के आंकड़े अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियों के लिहाज से टीम इंडिया की टेंशन बढ़ा सकते हैं।

केएल राहुल का शानदार कैच

बल्लेबाज भी हुआ हैरान

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच बर्मिंघम में खेले जा रहे वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों ने जलवा बिखेरा है। इस मुकाबले में 968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में लौटे जसप्रीत बुमराह ने अंग्रेज बल्लेबाजों की नाक में दम किया और एक विकेट लेते ही दो रिकॉर्ड अपने नाम किए। इसके बाद 706 दिन के इंतजार के बाद भारत की वनडे टीम में लौटे ऑलराउंडर शिवम दुबे ने भी कमाल की गेंदबाजी की और केएल राहुल के शानदार कैच की बदौलत उन्हें विकेट भी मिला। शिवम दुबे ने अपने पहले 5 ओवर के स्पेल में 21 रन दिए और एक विकेट लिया। उन्होंने खतरनाक दिख रहे विल जैक्स को पवेलियन भेजा। केएल राहुल ने विकेट के पीछे अपनी दाईं ओर डाइव लगाते हुए बेहतरीन कैच लपका। जैक्स 19 गेंद पर 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

968 दिन बाद लौटे बुमराह का कमाल

- जडेजा और अगरकर को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने 968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में लौटते ही कमाल कर दिया। पहले 4 ओवर में सिर्फ 8 रन और फिर पांचवें ओवर में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक का विकेट लेते ही उन्होंने दो बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। उन्होंने इस विकेट के साथ वनडे इंटरनेशनल में अपने 150 विकेट पूरे किए। साथ ही वह इंग्लैंड में सबसे ज्यादा वनडे विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज भी बने। जसप्रीत बुमराह ने अपने 90वें मैच और 89वीं पारी में 150वां विकेट लिया और सबसे तेज यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे भारतीय बने। जबकि इंग्लैंड में उनका यह 31वां वनडे विकेट था। रविंद्र जडेजा (30) को पीछे छोड़ते हुए इस मामले में बुमराह नंबर 1 भारतीय गेंदबाज बने। भारत के लिए सबसे तेज 150 वनडे विकेट लेने का रिकॉर्ड मोहम्मद शमी के नाम है। कुलदीप यादव इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। सबसे कम गेंदों के लिहाज से भी बुमराह सबसे तेज 150 वनडे विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय हैं।

भारत के लिए सबसे तेज 150 ODI विकेट लेने वाले गेंदबाज

- मोहम्मद शमी: 80वां मैच
- कुलदीप यादव: 88वां मैच
- जसप्रीत बुमराह: 90वां मैच
- अजीत अगरकर: 97वां मैच
- जहीर खान: 103वां मैच

सबसे कम गेंदों पर 150 ODI विकेट लेने वाले भारतीय

- 4070 गेंद: मोहम्मद शमी
- 4513 गेंद: कुलदीप यादव
- 4605 गेंद: जसप्रीत बुमराह
- 5027 गेंद: अजीत अगरकर
- 5131 गेंद: इरफान पठान

इंग्लैंड में सबसे ज्यादा ODI विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज

- 31 विकेट: जसप्रीत बुमराह*
- 30 विकेट: रविंद्र जडेजा
- 28 विकेट: भुवनेश्वर कुमार
- 27 विकेट: मदन लाल
- 26 विकेट: मोहम्मद शमी

968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में लौटे

जसप्रीत बुमराह ने भारत के लिए अपना इससे पहले वनडे इंटरनेशनल मैच 19 नवंबर 2023 को खेला था। वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उतरने के बाद अब बुमराह की वनडे टीम में वापसी हुई। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में वह इंजरी के कारण खेल नहीं पाए थे। ऐसे में अब 968 दिन बाद 14 जुलाई 2026 को लौटते ही बुमराह ने दो बड़ी उपलब्धियां हासिल कर लीं। बुमराह ने अपने पहले पांच ओवर में सिर्फ 9 रन दिए और एक विकेट हैरी ब्रूक का झटका। उन्होंने 2016 में अपना वनडे इंटरनेशनल डेब्यू किया था।

पीवी सिंधु की दमदार जीत

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने बीच में छोड़ा मैच, कोच ने चीन ओपन से भी हटने की पुष्टि की

नई दिल्ली। जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के लिए मंगलवार 14 जुलाई 2026 का दिन मिला-जुला रहा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को सीधे गेमों में हराकर महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई। मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिला-तनीषा क्रास्टो की जोड़ी ने सीधे गेमों में जीत हासिल करके दूसरे राउंड में जगह बनाई।

वहीं, पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की विश्व नंबर चार जोड़ी सात्विक के कंधे की चोट के कारण पहला गेम हारने के बाद मुकाबले से हट गई। चोट की वजह से भारतीय जोड़ी अगले सप्ताह होने वाले चीन ओपन में भी हिस्सा नहीं लेगी और अब उसका पूरा ध्यान विश्व चैंपियनशिप से पहले फिटनेस हासिल करने पर रहेगा।

सात्विक को लगेगा चोट से उबरने में समय

टैम किम हर ने कहा, 'सात्विक को ठीक होने में अभी कुछ समय लगेगा। विश्व चैंपियनशिप से पहले हमें कम से कम 4 सप्ताह का समय मिलेगा, जिससे हम पुरानी लय हासिल कर सकते हैं।' इससे पहले विश्व रैंकिंग में नंबर 10 पर काबिज पीवी सिंधु ने अपने सहज खेल का प्रदर्शन करते हुए पहले दौर में विश्व रैंकिंग में नंबर 37 पर काबिज वोंग को हराया।

शुरुआत से ही बनाया दबदबा

पीवी सिंधु ने शुरुआत से ही खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा और रैलियों की गति को नियंत्रित करते हुए 7-4 की बढ़त हासिल की। हालांकि, वोंग ने संघर्ष जारी रखने की कोशिश की, लेकिन उनकी गलतियों ने भारतीय खिलाड़ी को लगातार आगे बढ़ने का मौका दिया। पीवी सिंधु ने इंटरवल तक 11-6 की बढ़त बना ली। भारतीय खिलाड़ी रैलियों में सहज दिख रही थीं और उन्होंने अपने स्ट्रोक्स को प्रभावी ढंग से लगाकर अपनी बढ़त को 14-9 तक पहुंचा दिया। उनके बैकहैंड नेट ड्रिबल, ड्रॉप शॉट और हाफ-स्मैश सटीक रहे। एक सीधे शॉट से पीवी सिंधु को सात गेम पॉइंट मिले और उन्होंने पहला गेम अपने नाम कर लिया। पीवी सिंधु ने दूसरे गेम में भी शुरू से आक्रामक रवैया अपनाया और मलेशिया की खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। भारतीय खिलाड़ी ने जल्द ही 8-2 की बढ़त हासिल की। पीवी सिंधु इंटरवल तक 11-3 से आगे थीं। इसके बाद भी उन्होंने बड़ा अंतर बनाए रखा और फिर 10 मैच पॉइंट हासिल किए। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे मैच पॉइंट पर मैच अपने नाम किया।

पहले दौर के नतीजे

- **विमेंस सिंगल्स :** पीवी सिंधु ने वोंग लिंग चिंग (मलेशिया) को 21-14, 21-11 से हराया।
- **मिक्स्ड डबल्स :** ध्रुव कपिला/तनिषा क्रैस्टो ने अलेक्जेंडर डन/जूली मैकफर्सन (स्कॉटलैंड) को 21-16, 21-14 से हराया।
- **मिक्स्ड डबल्स :** फेंग यान झे/हुआंग डोंग पिंग (चीन) ने रोहन कपूर/रुतविका शिवानी गद्दे को 21-11, 21-10 से हराया।
- **मेन्स डबल्स :** सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी/चिराग शेट्टी को डैनियल लुंडगार्ड/मैड्स वेस्टरगार्ड (डेनमार्क) के खिलाफ रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा।

स्पेन ने फ्रांस को हराया

- 16 साल बाद फाइनल में बनाई जगह; एम्बाप्पे के खिलाफ यामाल का रिकॉर्ड कायम

नई दिल्ली। स्पेन ने साबित कर दिया है कि वे फीफा वर्ल्ड कप 2026 में सबसे मजबूत टीमों में से एक क्यों हैं। स्पेन ने डलास स्टेडियम में टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल में मजबूत फ्रांस को 2-0 हराकर फाइनल में जगह बनाई। लुइस डे ला फुएंते की कप्तानी में स्पेनिश टीम के इस बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने के साथ ही वे 96 सालों में दूसरी और 44 सालों में पहली ऐसी टीम बन गई हैं जिसने वर्ल्ड कप में यह बड़ी उपलब्धि हासिल की।

दूसरी बार फाइनल में पहुंचा स्पेन

स्पेन ने यूरो 2024 जीता और मौजूदा यूरोपियन चैंपियन के तौर पर फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में पहुंच गया। जब वे पिछली बार 2010 में फाइनल में पहुंचे थे जिसे उन्होंने जीता था तब स्पेन मौजूदा यूरो चैंपियन भी था जिसने 2010 में ट्रॉफी जीती थी। अब स्पेन मौजूदा यूरो चैंपियन के तौर पर दो फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम बन गई है। वेस्ट जर्मनी ऐसा करने वाली पहली टीम थी और उसने साल 1972 और 1980 के यूरो चैंपियन के तौर पर 1974 और 1982 के फीफा वर्ल्ड कप फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था। अगर स्पेन यह टूर्नामेंट जीतता है, तो वह मौजूदा यूरो चैंपियन के तौर पर दो फीफा वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बन जाएगी। जर्मनी ने 1972 के यूरो चैंपियन के तौर पर 1974 का टूर्नामेंट जीता था।

- **स्पेन को 2-0 से मिली जीत, मिकेल-पोरो ने किए गोल-** सेमीफाइनल मुकाबले में स्पेन ने फ्रांस पर पूरी तरह दबदबा बनाए रखा फ्रांस टूर्नामेंट में सबसे खतरनाक अटैक करने वाली टीम के तौर पर फाइनल में पहुंचा था और उसने 16 गोल किए थे। हालांकि स्पेन की डिफेंसिव ताकत इतनी जबरदस्त थी कि उन्होंने मैच पर पूरी तरह कब्जा जमाए रखा और फ्रांस को गोल करने का कोई मौका तक नहीं दिया। मिकेल ओयारजाबल ने 22वें मिनट में पेनल्टी से स्पेन के लिए पहला गोल किया। इसके बाद 58वें मिनट में पेड्रो पोरो ने गोल करके मैच का नतीजा तय कर दिया।

- बर्मिंघम में 12 साल बाद जीता भारत
- सीरीज में 1-0 से आगे टीम इंडिया

अक्षर पटेल ने गेंद और बल्ले से किया कमाल

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच में शानदार जीत अपने नाम कर ली है। बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया यह मुकाबला टीम इंडिया ने 6 विकेट से अपने नाम किया। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। बर्मिंघम में 12 साल के इंतजार के बाद भारतीय टीम ने वनडे मैच जीता है। अक्षर पटेल इस मैच में टीम इंडिया की जीत के हीरो साबित हुए। उन्होंने गेंद के बाद बल्ले से कमाल किया और शानदार अर्धशतकी पारी खेली। अक्षर पटेल ने गेंदबाजी में 9.5 ओवर में 4 विकेट लेकर 62 रन दिए थे। इसके बाद बल्लेबाजी में उन्होंने टीम को तब संभाला जब उनकी बल्लेबाजी की खास जरूरत थी। अक्षर ने 52 गेंद पर नाबाद 57 रन की पारी खेली।

12 साल बाद बर्मिंघम में जीत

भारत ने इंग्लैंड में इंग्लैंड के खिलाफ अब तक 46 वनडे मैच खेले हैं। इंग्लैंड की सरजमीं पर भारत को यह 19वीं जीत मिली है। जबकि इंग्लैंड की टीम ने 23 मैच भारत के खिलाफ अपने घर पर जीते हैं। भारत की बर्मिंघम में आखिरी जीत 2014 में अंग्रेज टीम के खिलाफ आई थी। इस मैदान पर इंग्लैंड की भी यह आखिरी हार थी। उसके बाद से यहां इंग्लैंड लगातार सात वनडे मैच जीता था। अब फिर से भारत ने इंग्लैंड को यहां हराया है। भारतीय टीम से विदा होना चाहता है गंभीर का साथी, ख्र्ष्ट्ढ को दे चुका है जानकारी भारत ने 2014 से 2026 के बीच यहां एक भी मैच नहीं जीता था।

शुभमन गिल बीच मैच गए मैदान से बाहर

80 रन बनाकर हुए रिटायर्ड हर्ट

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे। 48 रन पर दो विकेट के बाद उन्होंने उपकप्तान श्रेयस अय्यर के साथ पारी को संभाला और शतकीय साझेदारी पूरी की।

75 गेंद पर गिल 80 रन बना चुके थे लेकिन अचानक उन्हें मैच के बीच ही मैदान से बाहर रिटायर्ड हर्ट होकर जाना पड़ा। उनके वापस लौटने से भारत को बड़ा झटका लगा। मैच के पहले ओवर से बेहतरीन लय में नजर आ रहे कप्तान शुभमन गिल का रिटायर्ड हर्ट होकर वापस लौटना टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है।

शुभमन गिल को क्या हुआ?

शुभमन गिल पिछले 2,3 ओवर से लगातार लंगड़ाते दिख रहे थे। उन्होंने एक स्वीप शॉट लगाने का प्रयास किया था, जिसके बाद उन्हें खिंचाव महसूस हुआ। वह दिक्कत में भी दिखे और फिर फिजियो मैदान पर आए। काफी देर इलाज के बाद फैसला लिया गया कि वह बल्लेबाजी नहीं कर पाएंगे। इसके बाद वह रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटे। वह वापस बल्लेबाजी करने उतर पाएंगे या नहीं इस पर नए अपडेट का इंतजार है।

पंजाब कांग्रेस में घमासान को लेकर एक्शन मोड में आए राहुल गांधी

विदेश यात्रा से लौटते ही खड़गे संग की अहम बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश दौरे से लौटते ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पंजाब कांग्रेस में जारी नेतृत्व संकट को लेकर सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक कर राज्य में बढ़ते संगठनात्मक विवाद और आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर चर्चा की। बैठक में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद रहे।

सूत्रों के अनुसार, पंजाब कांग्रेस में चल रही गुटबाजी और असंतोष को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने राज्य प्रभारी एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को दिल्ली तलब किया है। बघेल बुधवार को कांग्रेस आलाकमान से मुलाकात कर पंजाब के राजनीतिक हालात और विभिन्न नेताओं से हुई बातचीत की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी राज्य के सभी प्रमुख नेताओं की राय सुनने के पक्षधर हैं और विधानसभा चुनाव से पहले संगठन में एकजुटता कायम करना चाहते हैं। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि आंतरिक मतभेदों और गुटबाजी के साथ चुनाव मैदान में उतरना कांग्रेस के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए विवाद को जल्द सुलझाने की कोशिश की जा रही है।

दरअसल, पंजाब कांग्रेस में असंतोष का केंद्र अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर बनाए रखने वाला फैसला बताया जा रहा है। इस निर्णय का पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा और विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने विरोध किया है। इन नेताओं का मानना है कि चुनाव से पहले संगठनात्मक बदलाव जरूरी है।

भूपेश बघेल ने सौंपी रिपोर्ट

इसी बीच भूपेश बघेल ने पिछले कुछ दिनों में पंजाब का दौरा कर पार्टी के विभिन्न गुटों और वरिष्ठ नेताओं से अलग-अलग मुलाकात की तथा संगठन की जमीनी स्थिति का आकलन किया। उन्होंने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट कांग्रेस नेतृत्व को सौंप दी है और अब दिल्ली में विस्तृत जानकारी देंगे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि भूपेश बघेल की रिपोर्ट और राहुल गांधी-खड़गे की चर्चा के आधार पर पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व और संगठन को लेकर आगे की रणनीति तय

की जाएगी। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस के लिए राज्य इकाई में एकजुटता कायम रखना सबसे बड़ी प्राथमिकता मानी जा रही है।

राम मंदिर दान विवाद : भेंट वापसी की तैयारी, ट्रस्ट में बदलाव और जांच जारी

अयोध्या (एजेंसी)। ,(ईएमएस)। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम मंदिर में दान को लेकर उठ रहे सवालों के बीच उन श्रद्धालुओं की भेंट सामग्री वापस करने की तैयारी शुरू की है, जिन्होंने प्रबंधन पर असंतोष जाहिर किया था। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का कहना है कि श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान सर्वोपरि है और इसकारण शिकायत दर्ज कराने वालों को उनकी भेंट लौटाने पर विचार हो रहा है। यह कदम तब उठाया गया है जब कई दानदाताओं ने दान रसीद न मिलने और भेंट सामग्री के रखरखाव में पारदर्शिता की कमी के आरोप लगाए थे। इधर, मंदिर में दान से जुड़ी कथित अनियमितताओं का मामला गंभीरता से जांच के दायरे में है। करीब तीन करोड़ रुपये के कथित गबन के आरोपों की जांच राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) कर रहा है। मामले की संवेदनशीलता को देखकर सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से जांच की प्रगति पर स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। एसआईटी विभिन्न दस्तावेजों और संबंधित पक्षों से पूछताछ के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है। इन विवादों के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के भीतर कई अहम प्रशासनिक बदलाव भी हुए हैं। पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट सदस्य अनिल मिश्रा अपने पदों से इस्तीफा दे चुके हैं। साथ ही, मंदिर प्रबंधन को अधिक पेशेवर और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से पहली बार मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। ट्रस्ट का मानना है कि नए प्रशासनिक ढांचे और पारदर्शी व्यवस्था से श्रद्धालुओं का विश्वास और अधिक मजबूत होगा। अब सभी की निगाहें एसआईटी जांच के परिणामों और प्रस्तावित सुधारों पर टिकी हैं।

मथुरा में 2.90 करोड़ की चोरी का खुलासा, गुजराती परिवार को ठगा

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा पुलिस ने 4 माह पहले गुजरात के एक परिवार से हुई 2 करोड़ 90 लाख रुपये की सनसनीखेज चोरी का पर्दाफाश किया है। जैत थाना पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर 2 करोड़ रुपये नकद और 60 लाख रुपये से अधिक की ज्वैलरी बरामद की है। गांधीनगर निवासी राकेश और मानव प्रजापति अपनी संपत्ति बेचकर वृंदावन में रहने आए थे। उन्होंने यह रकम एक फ्लैट में रखी थी, जहां उनकी मुलाकात गेस्ट हाउस संचालक आलोक और राजन से हुई। आरोपियों ने उन्हें आश्रम बनवाने का झांसा देकर मौका पाकर उनके फ्लैट से पूरी रकम पार कर दी। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि गहन छानबीन के बाद पुलिस ने राजन, आलोक, प्रेम सागर और हीरेन नामक चारों आरोपियों को दबोच लिया। इसमें प्रेम सागर और हीरेन गुजरात के ही हैं। पुलिस ने चोरी के 2 करोड़ रुपये कैश, 60 लाख से अधिक की ज्वेलरी, मोबाइल फोन और घड़ी भी बरामद की है।

महोबा में दरिंदगी : युवक के हाथ-पैर काटे, भाजपा नेता पर आरोप

महोबा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहाँ सुभाष नगर में 21 वर्षीय युवक जयवेंद्र सिंह पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर उसके दोनों हाथ और एक पैर काट दिए गए। गंभीर रूप से घायल जयवेंद्र को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है, जहाँ उसकी हालत अत्यंत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि जयवेंद्र सिंह मंगलवार रात बाइक से चंदेल पेट्रोल पंप जा रहा था, तभी पेट्रोल पंप से पहले घात लगाए बैठे करीब आधा दर्जन हमलावरों ने उस पर कुल्हाड़ी और अन्य धारदार हथियारों से निर्ममता से हमला किया। हमलावरों ने सरेआम युवक के दोनों हाथ और एक पैर काट डाले और उसके शरीर पर कई वार कर अधमरा छोड़ फरार हो गए। इस वीभत्स घटना के दौरान कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। राहगीरों की सूचना पर तत्काल मौके पर पहुँची पीआरवी टीम ने घायल को जिला अस्पताल पहुँचाया। जिला अस्पताल के चिकित्साधिकारी डॉ. शिशुपाल ने बताया कि युवक की नाजुक हालत को देखकर तुरंत हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। कटे हुए अंगों को भी सुरक्षित रूप से मेडिकल कॉलेज भेजा गया है, ताकि प्रत्यारोपण की संभावनाओं का परीक्षण हो सके। घटना की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। घायल युवक के पिता राजा बाबू सिंह ने बयान में लोकल भाजपा नेता शिव प्रताप सिंह परमार और उसके साथियों पर हमले का आरोप लगाया है। हालांकि, पुलिस ने कहा है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और सभी पहलुओं पर साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

असम राइफल्स, सेना, बीएसएफ ने पुलिस के साथ चलाया उग्रवादियों के खिलाफ अभियान

इंफाल (एजेंसी)।, मणिपुर में असम राइफल्स ने भारतीय सेना, बीएसएफ और मणिपुर पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त सर्च और सैनिटाइजेशन ऑपरेशन चलाया। यह अभियान मंगलवार से उखरूल जिले के टीएम कासोम इलाके में चलाया गया। असम राइफल्स के मुताबिक यह संयुक्त अभियान हाल ही में राष्ट्रीय राजमार्ग-202 पर शांगशाक के पास नुंगशांग क्षेत्र में राष्ट्रविरोधी तत्वों द्वारा किए गए घात लगाकर हमले के बाद शुरू किया गया। सुरक्षा बलों का उद्देश्य पूरे इलाके को सुरक्षित बनाना, संदिग्ध गतिविधियों को रोकना और उग्रवादियों के खिलाफ कार्रवाई को और मजबूत करना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस अभियान में असम राइफल्स, भारतीय सेना, बीएसएफ और मणिपुर पुलिस ने आपसी तालमेल के साथ इलाके की गहन तलाशी ली और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए व्यापक सैनिटाइजेशन अभियान चलाया। सुरक्षा एजेंसियां लगातार इस क्षेत्र में निगरानी कर रहे हैं ताकि भविष्य में किसी भी तरह की राष्ट्रविरोधी गतिविधि को रोका जा सके। इससे पहले 30 जून को भी असम राइफल्स ने सिविल प्रशासन और मणिपुर पुलिस के साथ मिलकर मणिपुर के सीमावर्ती कामजोंग जिले में म्यांमार से आए विस्थापित नागरिकों की पहचान, सत्यापन और बायोमेट्रिक पंजीकरण के लिए एक संयुक्त अभियान चलाया था। रक्षा प्रवक्ता ने उस समय बताया था कि यह पहल सीमा प्रबंधन को मजबूत करने और म्यांमार से आए विस्थापित लोगों तक नियंत्रित और व्यवस्थित मानवीय सहायता पहुंचाने की दिशा में एक अहम कदम है। पूर्वी मणिपुर का कामजोंग जिला म्यांमार के साथ बिना बाड़ वाली अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है। जिला प्रशासन के निर्देशों के तहत चलाए गए उस अभियान में 40 अधिकारियों और कर्मियों की संयुक्त टीम शामिल थी।

सुप्रीम कोर्ट से चारा घोटाला में राहत मिलने पर लालू यादव बोले- हां, मैं खुश हूं

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने पर खुशी जाहिर की। अपने आवास से बाहर निकलने पर समर्थकों ने लालू यादव का जोरदार स्वागत किया और उनके साथ सेल्फी ली। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में लालू यादव ने कहा कि हां, मैं खुश हूं। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने चारा घोटाला मामले में लालू प्रसाद यादव को राहत देते हुए उनकी जमानत रद्द करने और सजा निलंबन के आदेश को समाप्त करने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के देवघर कोषागार से अवैध निकासी से जुड़े मामले में झारखंड हाईकोर्ट द्वारा दी गई राहत को बरकरार रखा। चारा घोटाला मामले में हाईकोर्ट ने लालू प्रसाद यादव को जमानत देते हुए अंतिम फैसला आने तक उनकी सजा निलंबित रखी। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाईकोर्ट को उनकी लंबित आपराधिक अपील का निपटारा छह महीने के अंदर करने का निर्देश भी दिया। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने मंगलवार को कहा था कि हाईकोर्ट के आदेश को करीब सात साल बीत चुके हैं, इसलिए इस स्तर पर उसमें हस्तक्षेप करने की जरुरत नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा कि 2018 से लंबित अपील पर अब शीघ्र सुनवाई होनी चाहिए। सीबीआई ने हाईकोर्ट के 12 जुलाई 2019 के आदेश को चुनौती दी थी। सीबीआई का कहना था कि लालू प्रसाद यादव को इस आधार पर सजा निलंबन का लाभ दिया गया कि उन्होंने आधी सजा पूरी कर ली है, जबकि उसकी गणना सही नहीं थी।

रिटायरमेंट की तैयारी अपनी शर्तों पर, आईसीआईसीआई प्रू गोल्ड पेंशन सेविंग्स से मिलेगी उम्रभर आर्थिक सुरक्षा

एजेंसी

पटना : भारत की आबादी में तेजी से बदलाव आ रहा है। आज देश दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले देशों में गिना जाता है, लेकिन आने वाले वर्षों में बुजुर्गों की संख्या भी तेजी से बढ़ने वाली है। राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग के अनुसार, वर्ष 2036 तक देश का हर सातवाँ व्यक्ति वरिष्ठ नागरिक होगा और उनकी संख्या बढ़कर करीब 23 करोड़ तक पहुँच जाएगी। पहले के मुकाबले लोगों में जीवन की प्रत्याशा काफी बढ़ी है। वहीं, रिटायरमेंट के बाद पूरी तरह परिवार या अगली पीढ़ी पर निर्भर रहने का चलन भी धीरे-धीरे बदल रहा है। ऐसे में, रिटायरमेंट की पहले से योजना बनाना अब सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि समय की जरूरत बन गया है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने आईसीआईसीआई प्रू गोल्ड पेंशन सेविंग्स की पेशकश की है। यह बोनस से जुड़ा पेंशन प्लान है, जिसे सुरक्षा और लचीलेपन दोनों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस प्लान के जरिए ग्राहक रिटायरमेंट के लिए धीरे-धीरे एक अच्छा फंड तैयार कर सकते हैं। इसमें निवेश की गई पूँजी सुरक्षित रहती है। साथ ही, किसी बड़ी जरूरत, जीवन की महत्वपूर्ण परिस्थितियों या गंभीर बीमारी के समय आंशिक निकासी की सुविधा भी मिलती है, ताकि जरूरत के समय पैसों की कमी न हो और परिवार की आर्थिक सुरक्षा भी बनी रहे। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर विकास गुप्ता ने कहा, "हमारा मानना है कि रिटायरमेंट जिंदगी का ऐसा पड़ाव होना चाहिए, जिसे लोग खुशी के साथ जी सकें, न कि पैसों की चिंता के साथ। आईसीआईसीआई प्रू गोल्ड पेंशन सेविंग्स को इसी सोच के साथ तैयार किया गया है। यह प्लान बोनस के जरिए फंड बढ़ाने का मौका देता है और जरूरत पड़ने पर बड़ी जीवन संबंधी परिस्थितियों या गंभीर बीमारी के दौरान पैसे निकालने की सुविधा भी प्रदान करता है। इसमें ग्राहक जरूरत पड़ने पर जमा राशि का 25% तक निकाल सकते हैं। साथ ही, रिटायरमेंट के लिए एक अच्छा फंड भी तैयार होता है। यही नहीं, इस प्लान के साथ ग्राहकों को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के हेल्थ चेक-अप जैसी स्वास्थ्य और वेलनेस सेवाएं भी मिलती हैं, जिससे यह रिटायरमेंट की योजना बनाने वालों के लिए और भी उपयोगी बन जाता है।

वांगचुक के अनशन को समाप्त करने लगाई जनहित याचिका

नई दिल्ली(एजेंसी)। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के दिल्ली के जंतर-मंतर पर 18 दिनों से चल रहे अनशन को समाप्त कराने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। इस याचिका में अदालत से अपील की गई है कि सोनम वांगचुक को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की जाए और उनकी जान बचाने के लिए उन्हें जबरन खाना खिलाकर उनका अनशन खत्म कराया जाए।

याचिकाकर्ता राकेश कुमार सैनी, जो एक एक्टिविस्ट के साथ ही वकील हैं, ने यह कदम वांगचुक के तेजी से बिगड़ते स्वास्थ्य को देखते हुए उठाया है। उन्होंने अदालत से केंद्र और दिल्ली सरकार को निर्देश देने की मांग की है कि वांगचुक को अस्पताल ले जाया जाए और उन्हें दबाव डालकर पोषक तत्व, विटामिन और खनिज तरल के रूप में दिए जाएं, जो मानव शरीर के जीवित रहने के लिए आवश्यक हैं।

सोनम वांगचुक कॉकरोच जनता पार्टी के मंच पर नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र

प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर 28 जून से अनशन पर बैठे हैं। वकील सैनी ने अपनी याचिका में चिंता व्यक्त की है कि यदि सोनम वांगचुक अनशन के दौरान मर जाते हैं, तो यह देश और दुनिया के लिए एक अत्यंत शर्मनाक बात होगी। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि वह वांगचुक के साथ किसी खतरनाक अपराधी, आतंकवादी या देश के गद्दार जैसा व्यवहार कर रही है और उन्हें एक मशहूर सामाजिक और पर्यावरण कार्यकर्ता की चिंता नहीं है। सैनी ने जोर देकर कहा कि सरकार कम से कम इतना तो कर सकती है कि उन्हें उचित मेडिकल सहायता दी जाए, भले ही वह जबरन ही क्यों न हो, ताकि उनकी जान बचाई जा सके। यह महत्वपूर्ण है कि सोनम वांगचुक के इस अनशन को लेकर सरकार और सीजेपी के प्रतिनिधियों के बीच अभी तक किसी तरह की बातचीत या मध्यस्थता शुरू नहीं हुई है। हालांकि, देश के विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं ने अब वांगचुक तक पहुंचना शुरू कर दिया है। पिछले कुछ दिनों में आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी सहित कई दलों के नेता जंतर-मंतर पर वांगचुक से मिलने पहुंचे हैं। ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल जैसे प्रमुख नेताओं ने सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों के जरिए भी सोनम वांगचुक से अनशन खत्म करने की अपील की है, जिससे इस मुद्दे की गंभीरता और राजनीतिक संवेदनशीलता और बढ़ गई है। याचिका पर अदालत का फैसला और सरकार की अगली प्रतिक्रिया अब सबकी निगाह में होगी।

एआई के साथ आपकी कलाई बनेगी सेहत की नई साथी

नयी दिल्ली : जैसे-जैसे एआई रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनता जा रहा है, मोबाइल डिवाइस इसके इस्तेमाल का सबसे अहम माध्यम बन रहे हैं। सैमसंग का लक्ष्य एआई को लोगों की दैनिक जिंदगी का ऐसा हिस्सा बनाना है, जो बिना किसी जटिलता के उनकी जरूरतों के मुताबिक काम करे और हर कदम पर उपयोगी साबित हो। इसी दिशा में कंपनी अपने पूरे गैलेक्सी इकोसिस्टम में एआई आधारित स्मार्ट फीचर्स का विस्तार कर रही है। इसमें गैलेक्सी वॉच की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी, जो हमेशा सक्रिय रहकर यूजर्स को उनकी सेहत से जुड़ी व्यक्तिगत और उन्नत जानकारी उपलब्ध कराएगी। नई गैलेक्सी वॉच यूजर्स को बिना किसी अतिरिक्त प्रयास के बेहतर हेल्थ मॉनिटरिंग का अनुभव देगी। यह बैकग्राउंड में लगातार काम करते हुए सेहत से जुड़ी जानकारियां जुटाएगी और हेल्थ मॉनिटरिंग को रोजमर्रा की दिनचर्या का सहज हिस्सा बना देगी। नए इंटरनल हार्डवेयर और बेहतर बैटरी के साथ आने वाली यह स्मार्टवॉच पहले से ज्यादा समय तक और अधिक सटीक तरीके से हेल्थ डेटा रिकॉर्ड कर सकेगी। गैलेक्सी वॉच अब तक यूजर्स की नींद, मूवमेंट और दैनिक गतिविधियों को ट्रैक कर उनकी सेहत की अहम जानकारियां जुटाती रही है। अब एआई से मिलने वाले स्मार्ट इनसाइट्स के साथ यह पहले से ज्यादा सक्षम हो गई है। इसकी मदद से यूजर्स अपनी सेहत को रियल-टाइम में बेहतर ढंग से समझ सकेंगे और समय रहते जरूरी कदम भी उठा पाएंगे।

भारतीय मूल के अनिल मेनन अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना

आठ महीने चलेगा वैज्ञानिकों का मिशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मूल के नासा अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन मंगलवार को कजाकिस्तान से सोयूज एमएस-29 अंतरिक्ष यान के जरिए अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए सफलतापूर्वक रवाना हो गए हैं। उनके साथ दो रूसी अंतरिक्ष यात्री, प्योत्र डुब्रोव और अन्ना किकिना भी इस आठ महीने लंबे मिशन का हिस्सा हैं। यह अंतरिक्ष यान भारतीय समयानुसार रात 8 बजकर 17 मिनट पर बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से प्रक्षेपित हुआ और पृथ्वी के दो चक्कर लगाने के बाद, रात 11 बजकर 56 मिनट पर स्वत- स्टेशन के प्रिचाल मॉड्यूल से जुड़ गया। यह अनिल मेनन की पहली अंतरिक्ष यात्रा है, जबकि उनके रूसी सहयात्री दूसरी बार अंतरिक्ष मिशन पर गए हैं।

प्रक्षेपण के दौरान अनिल मेनन की अंतरिक्ष यात्री पत्नी अन्ना विल्हेम समेत उनके परिवार के सदस्य और नासा के प्रशासक जेरेड आइज़ैकमैन बैकोनूर कॉस्मोड्रोम में मौजूद थे, जिन्होंने इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनकर उनका उत्साह बढ़ाया। अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचने के बाद, ये तीनों यात्री नासा के अंतरिक्ष यात्रियों (जेसिका मीर, जैक हैथवे और क्रिस विलियम्स), यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की अंतरिक्ष यात्री सोफी एडेनोट, और रोस्कोस्मोस के अंतरिक्ष यात्री सर्गेई कुद-स्वेर्चकोव,

सर्गेई मिकाएव और आंद्रेई फेद्यायेव के साथ मिलकर मिशन को आगे बढ़ाएंगे। यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य लगभग आठ महीने तक अंतरिक्ष में रहकर वैज्ञानिक अनुसंधान करना और नई प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करना है, जिसका लक्ष्य मानव अंतरिक्ष अन्वेषण को आगे बढ़ाना और पृथ्वी पर जीवन को लाभ पहुंचाने वाली तकनीकों का विकास करना है। तीनों की अप्रैल 2027 में पृथ्वी पर वापसी निर्धारित है। रूस की अंतर्राष्ट्रीय मानवीय सहयोग एजेंसी की प्रमुख येलेना रेमिज़ोवा ने बताया कि इस रॉकेट के साथ भारतीय स्कूली बच्चों द्वारा बनाई गई चित्रकृतियां भी अंतरिक्ष में भेजी जा रही हैं, जो एक प्रतीकात्मक और प्रेरक कदम है। अनिल मेनन का जन्म अमेरिका के मिनियापोलिस में यूक्रेनी और भारतीय मूल के प्रवासी माता-पिता के घर हुआ था। वह पेशे से इमरजेंसी मेडिसिन फिजिशियन हैं और अमेरिकी स्पेस फोर्स में कर्नल के पद पर कार्यरत हैं। अमेरिकी वायुसेना में अपनी सेवा के दौरान उन्होंने ऑपरेशन एंड्यूरिंग फ्रीडम के तहत अफगानिस्तान में अग्रिम मोर्चे पर काम किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने हिमालयन रेस्क्यू एसोसिएशन के साथ जुड़कर माउंट एवरेस्ट पर पर्वतारोहियों को चिकित्सा सहायता प्रदान की है। उन्होंने रोटरी एम्बेसडोरियल स्कॉलर के रूप में भारत में एक वर्ष बिताया था, जहाँ उन्होंने पोलियो टीकाकरण अभियान का अध्ययन और उसमें सहयोग किया।

होर्मुज में बेकसूर भारतीयों पर हमले बर्दाश्त नहीं : भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। होर्मुज में अमेरिका और ईरान के बीच की जंग अब पूरी तरह से नियंत्रण से बाहर हो चुकी है, और तेल के इस महत्वपूर्ण रास्ते से गुजरना अब सीधे मौत के मुंह में जाने जैसा हो गया है। इस दुश्मनी में सबसे ज्यादा बेकसूर भारतीय नाविक पिस रहे हैं, क्योंकि दुनिया भर के मर्चेंट नेवी वर्कफोर्स में करीब 10 से 17 प्रतिशत हिस्सेदारी अकेले भारतीयों की है। यही वजह है कि होर्मुज में जब भी कोई हमला होता है, तो वहां भारतीय जरूर फंस जाते हैं और अपनी जान गंवा बैठते हैं। हालांकि, अपने लोगों पर इस तरह की आंच आना भारत को कतई बर्दाश्त नहीं है। अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए भारत ने जैसी सख्त चेतावनी हाल ही में ईरान को दी है, ठीक वैसे ही वह अमेरिका को भी खरी-खरी सुनाने से पीछे नहीं हटा था, जिससे भारत की स्वतंत्र और दृढ़ विदेश नीति स्पष्ट होती है।

किसी देश के राजनयिक को सार्वजनिक रूप से तलब करने का मतलब उस देश को सीधी और सख्त चेतावनी देना

होता है, और भारत ने इसी कूटनीतिक रास्ते का सहारा लिया। मंगलवार को जब ईरान की क्रूज मिसाइलों ने यूएई के दो तेल टैंकरों पर हमला किया और उसमें एक भारतीय नाविक की दुखद मौत हो गई, तो भारत सरकार ने बिना एक पल गंवाए एक्शन लिया। विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली में मौजूद ईरान के डिप्टी चीफ ऑफ मिशन मोहम्मद जवाद होसैनी को तुरंत तलब कर लिया। यह मुलाकात कोई बंद कमरे की सामान्य बातचीत नहीं थी, बल्कि इसे जानबूझकर फुल पब्लिक व्यू में रखा गया। जब ईरानी राजनयिक विदेश मंत्रालय के दफ्तर पहुंचे तो वहां टीवी न्यूज कैमरों की भारी भीड़ मौजूद थी, जो भारत के गुस्से को सीधे तेहरान तक लाइव पहुंचा रही थी। विदेश मंत्रालय के पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान डिवीजन के जॉइंट सेक्रेटरी आनंद प्रकाश ने होसैनी के सामने बेहद सख्त शब्दों में भारत का कड़ा विरोध दर्ज कराया और साफ कह दिया कि हमारे नाविकों पर इस तरह की बर्बरता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में 13 जुलाई को यूएई के दो तेल टैंकर 'मोम्बासा' और 'अल बहिया' ओमान की समुद्री सीमा के पास से बेहद शांति से गुजर रहे थे, तभी अचानक ईरान की तरफ से दागी गईं दो विनाशकारी क्रूज मिसाइलें इन जहाजों से आकर टकरा गईं। यह हमला इतना भीषण था कि मिसाइल लगते ही दोनों जहाजों में भयंकर आग लग गई और वे जलते हुए मलबे में तब्दील होने लगे। इस हमले में 'मोम्बासा' टैंकर पर सवार एक भारतीय नाविक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इसके अलावा आठ अन्य नाविक बुरी तरह झुलस गए, जिनमें छह भारतीय और दो यूक्रेन के नागरिक शामिल हैं। घायलों में से चार भारतीयों की हालत इतनी गंभीर है कि वे जिंदगी के लिए जंग लड़ रहे हैं।

गडकरी की सलाह- आप चाहें तो 100 फीसद पेट्रोल ज्यादा दाम में खरीद लें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में ई20 यानी 20 फीसदी एथनॉल मिले हुए पेट्रोल के इस्तेमाल को लेकर जारी चर्चाओं और सोशल मीडिया पर फैल रही चिंताओं के बीच, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जो उपभोक्ता एथनॉल मिश्रित ईंधन का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, वे पेट्रोल पंपों पर 100 फीसदी पेट्रोल भी खरीद सकते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें अधिक कीमत चुकानी होगी। यह बयान ऐसे समय आया है जब ई20 ईंधन देश के लगभग हर फ्यूल स्टेशन पर उपलब्ध है और इसे लेकर वाहन मालिकों के मन में विभिन्न सवाल उठ रहे हैं। गडकरी इससे पहले भी कह चुके हैं कि एथनॉल मिले हुए ईंधन के चलते वाहन खराब होने की कोई समस्या सामने नहीं आई है, जिससे सरकार के एथनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम पर उनका भरोसा कायम है।

सोशल मीडिया पर ईंधन की गुणवत्ता को लेकर प्रसारित हो रहीं चिंताओं को दूर करने और ग्राहकों को आश्वस्त करने के लिए, सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों - इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड - ने देश भर में अपने खुदरा पंपों पर ईंधन गुणवत्ता की जांच तेज कर दी है। इन कंपनियों ने ग्राहकों से अपील की है कि वे ईंधन गुणवत्ता से जुड़ी किसी भी शिकायत को सीधे पेट्रोल पंप या कंपनी के ग्राहक सेवा माध्यमों से दर्ज कराएं और सोशल मीडिया पर प्रसारित अपुष्ट पोस्टों पर भरोसा न करें। यह कदम सरकार और तेल कंपनियों की ओर से उपभोक्ताओं को ई20 ईंधन की सुरक्षा और गुणवत्ता के प्रति आश्वस्त करने का प्रयास है।

इस बीच, आईआईटी कानपुर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट में इंजन रिसर्च लैबोरेटरी के परियोजना वैज्ञानिक ध्रुव राज करणा ने भी ई20 ईंधन को लेकर चल रही अफवाहों का खंडन किया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि बड़े पैमाने पर हुए अध्ययन में यह सामने आया है कि ई20 से गाड़ियों के इंजन को नुकसान, जंग लगने या किसी अन्य तकनीकी समस्या होने के कोई सबूत नहीं मिले हैं। करणा ने यह भी स्पष्ट किया कि संस्थान के अध्ययनों में ई 20 के कारण गाड़ियों के माइलेज में कोई खास कमी नहीं पाई गई है। उनके अनुसार, माइलेज में कोई भी बदलाव दरअसल ईंधन के बजाय गाड़ी चलाने की आदतों, सड़क की स्थिति और गाड़ी के रखरखाव से ज्यादा प्रभावित होता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, अब तक किए गए परीक्षणों में इंजन के टिकाऊपन या गाड़ी की रफ्तार और माइलेज पर ई20 ईंधन का कोई गलत असर नहीं देखा गया है, जो इस नई ईंधन नीति के प्रति वैज्ञानिक समर्थन को दर्शाता है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, **प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह***, **प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**